जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 11

खेल

टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच होगा श्रीलंका के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद मानी...

जम्मू-कश्मीर : राज्य सरकार ने मनरेगा सहायक कर्मचारी को रेगुलर करने से इनकार किया

देश

Page 10

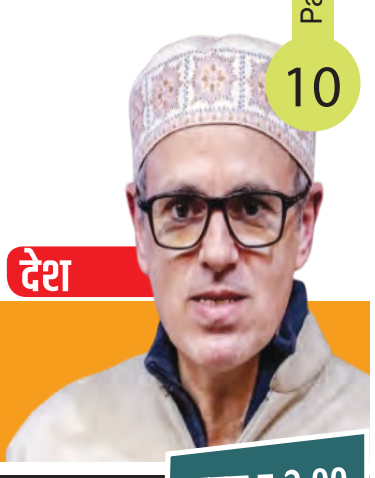

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • बुधवार • 11 फरवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 357 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

झारखंड हाई कोर्ट में जस्टिस से नोक-झोंक मामला अधिवक्ता महेश तिवारी ने मांगी माफी, फैसला सुरक्षित

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय में मंगलवार को न्यायमूर्ति राजेश कुमार के साथ नोक-झोंक के मामले में दायर आपराधिक अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत के समक्ष उपस्थित अधिवक्ता महेश तिवारी ने बिना शर्त माफी मांगी, जिसके बाद अदालत ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले की सुनवाई पांच न्यायाधीशों की पूर्ण पीठ ने की, जिसमें मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक के साथ न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय, न्यायमूर्ति आनंद सेन और न्यायमूर्ति राजेश शंकर शामिल थे। दरअसल, झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजेश कुमार की अदालत में एक मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता महेश तिवारी के साथ हुई नोक-झोंक को उच्च न्यायालय ने गंभीरता से लिया था। इसके बाद अदालत संख्या एक में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय पूर्ण पीठ ने मामले की सुनवाई की थी। उस सुनवाई के दौरान न्यायाधीश और अधिवक्ता के बीच हुई नोक-झोंक से संबंधित वीडियो फुटेज भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इस आपराधिक अवमानना मामले में मुख्य न्यायाधीश ने अधिवक्ता महेश तिवारी से घटना को लेकर उनका पक्ष जानना चाहा था, जिस पर उन्होंने कहा था कि उन्होंने पूरे होश में न्यायमूर्ति राजेश कुमार से उक्त बातें कही थीं और उस पर कोई पछतावा नहीं है। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पूर्ण पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए अधिवक्ता महेश तिवारी को आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी किया था। अधिवक्ता महेश तिवारी ने इस नोटिस को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन वहां से उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। मंगलवार की सुनवाई में अधिवक्ता की ओर से बिना शर्त माफी मांगे जाने के बाद उच्च न्यायालय ने मामले में अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

झारखंड उच्च न्यायालय का राज्य सरकार को निर्देश, छह सप्ताह में करें लोकायुक्त की नियुक्ति

रांची। झारखंड में लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग और राज्य सूचना आयोग सहित विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं में वर्षों से रिक्त पड़े पदों को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर लोकायुक्त की नियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम.एस. सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष, राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त एवं सूचना आयुक्त समेत अन्य संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया कब तक पूरी की जाएगी, इसका विस्तृत ब्यौरा चार सप्ताह के भीतर शपथ पत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 मार्च की तिथि निर्धारित कर दी है। सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता वीपी सिंह एवं राजीव शर्मा ने अदालत के समक्ष दलीलें पेश कीं। अधिवक्ता वीपी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार इन महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्ति को लेकर लगातार टालमटोल का रवैया अपना रही है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों से सरकार केवल समय मांग रही है, लेकिन अब तक लोकायुक्त सहित कई अहम संस्थानों में नियुक्तियां नहीं की गई हैं। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग और राज्य सूचना आयोग जैसी संस्थाओं में तीन से पांच वर्षों से पद रिक्त पड़े हैं, जिससे प्रशासनिक जवाबदेही, पारदर्शिता और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है और छह सप्ताह के भीतर लोकायुक्त की नियुक्ति कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्य संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर भी सरकार आवश्यक कदम उठा रही है। उल्लेखनीय है कि यह मामला राजकुमार की ओर से दायर अवमानना याचिका समेत राज्य की 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों के पद रिक्त रहने को लेकर दाखिल विभिन्न जनहित याचिकाओं से संबंधित है, जिनकी संयुक्त रूप से सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय में की जा रही है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की औपचारिक पहल कर दी है। पार्टी ने इस संबंध में लोकसभा महासचिव को नोटिस सौंपा है, जिस पर कुल 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह प्रस्ताव लोकसभा के नियम 94(सी) के तहत दाखिल किया गया है। लोकसभा सचिवालय ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि नियमों के अनुरूप इसकी जांच के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब संसद के मौजूदा सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव चरम पर है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा, कांग्रेस की महिला सांसदों के साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार का मुद्दा भी विपक्ष द्वारा उठाया गया है। विपक्ष का कहना है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने से रोका जा रहा है, जबकि सत्तापक्ष के सदस्यों को खुलकर बोलने की छूट दी जा रही है। रिजिजू बोले- कोई प्रभाव नहीं पड़ता ऐसे अविश्वास से : इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐसे अविश्वास प्रस्ताव से कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

झारखंड में 10 हजार करोड़ रुपये गायब! बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी। रांची

झारखंड में राज्य के खजाने से करीब 10,000 करोड़ रुपये के कथित तौर पर गायब होने के आरोपों को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए। मरांडी ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री द्वारा बार-बार हिसाब मांगे जाने के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री के निर्देश पर इस मामले में अधिकारियों को बैठक बुलाने को कहा गया था, लेकिन न तो बैठक हुई और न ही किसी स्तर पर जवाब देना जरूरी समझा गया। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकारी खजाने से लगातार राशि निकाली जा रही है, लेकिन वह पैसा कहां और किस मद में खर्च हुआ, इसका कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वित्त मंत्री के निर्देशों की खुली अवहेलना की जा रही है, उससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से अधिकारियों को चुप्पी साधने का निर्देश दिया गया है। बाबूलाल मरांडी ने सत्ता के केंद्रीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को पूरी तरह पंगु बना दिया गया है और वे अपने-अपने विभागों में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुका है। मरांडी के अनुसार, मुख्य सचिव द्वारा पिछले तीन महीनों से जांच से जुड़ी फाइल को दबाकर रखना और सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब न दिया जाना संदेह को और गहरा करता है। नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट किया कि एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाते हुए वे इस घोटाले को जनता के सामने लाएंगे और सक्षम जांच एजेंसियों से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को सख्त सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे झूठ नहीं बोलेंग, मुझे उन पर भरोसाः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के प्रकाशक पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने मोबाइल में जनरल नरवणे का 15 दिसंबर 2023 का पोस्ट दिखाया। उन्होंने कहा कि यह जनरल नरवणे का एक्स पोस्ट है जिसमें उन्होंने लिखा था, ''नमस्ते दोस्तों। मेरी किताब अब उपलब्ध है। बस इस लिंक का अनुसरण करें। आनंदपूर्वक पढ़ें। जय हिंद। राहुल ने कहा, ''सवाल यह है कि या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंग्विन प्रकाशन, लेकिन मुझे पूर्व सेनाध्यक्ष पर भरोसा है, वह झूठ नहीं बोलेंगे। उन्होंने कहा कि किताब में किए गए कुछ उल्लेख सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं, इसलिए विवाद खड़ा किया जा रहा है। अब यह तय करना होगा कि सच्चाई कौन बता रहा है। प्रकाशक या पूर्व सेनाध्यक्ष। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनरल नरवणे ने किताब में जो बातें लिखी हैं, वे सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असहज हैं और इसी वजह से इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि किताब के प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोमवार को कहा था कि जनरल नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है और इसकी कोई भी कॉपी, प्रिंट या डिजिटल, पब्लिश, बांटी, बेची या पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है इस पर विचार करना चाहिएः सीजेआई

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है। उन्होंने इस याचिका पर विचार करने की बात कही। विपक्ष ने सीएम सरमा के मुस्लिमों पर निशाना लगाते वीडियो और भाषण पर आपत्ति जताई थी। शीर्ष न्यायालय में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि परेशानी यह है कि जब चुनाव आते हैं, जो कई बार उन्हें यहां सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम इसे देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया नेता एनी राजा की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के 27 जनवरी को दिए भाषण पर आपत्ति जताई थी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट पहुंचे एडवोकेट ने कहा कि मीलॉर्ड राजनीतिक दल के सदस्य की तरफ से हेट स्पीच के खिलाफ एक याचिका दाखिल हुई है। एक वीडियो भी है, जिसमें हिमंत सरमा मुस्लिमों पर निशाना लगाते नजर आ रहे हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सीएम हिमंत सरमा के भाषण के खिलाफ 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि विशेष रूप से उच्च संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति की तरफ से दिए गए इस तरह के बयानों को राजनीतिक बयानबाजी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत ने सऊदी अरब के 'वर्ल्ड डिफेंस शो' में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब जनरल अथॉरिटी फॉर डिफेंस डेवलपमेंट के गवर्नर डॉ. फलेह बिन अब्दुल्ला अल-सुलेमान से भी मुलाकात की और भारत के वैश्विक निर्यात केंद्र के तौर पर उभरने पर जोर दिया। मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के अधिकारियों को भारत का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, ताकि रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास पर चर्चा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री ने सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ़ मिलिट्री इंडस्ट्रीज के गवर्नर अहमद बिन अब्दुल अ जीज अल ओहाली से मुलाकात की और सामरिक सहयोग तथा दोनों देशों के सप्लाई चेन इकोसिस्टम को मजबूत करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने भारत की रक्षा क्षमताओं का सीधा अनुभव लेने के लिए एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे का भी प्रस्ताव रखा। भारतीय दूतावास में भारतीय और सऊदी डिफेंस कंपनियों के प्रमुखों को दिए अपने भाषण में रक्षा राज्यमंत्री ने डिफेंस जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच संयुक्त सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के तहत भारत की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट और सऊदी राज्य की जन्मभूमि 'दिरिया' का भी दौरा किया।

भारतीय सरकारी कंपनियों ने किया वेनेजुएला से 20 लाख बैरल क्रूड ऑयल का सौदा

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई वैश्विक तेल रणनीति का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप और वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण के दावों के बीच, भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने वेनेजुएला के साथ एक बड़ी ऑयल डील को अंजाम दिया है। भारतीय रिफाइनरियों ने अप्रैल तक आपूर्ति के लिए 20 लाख बैरल कच्चे तेल का सौदा किया है, जिसे वैश्विक बाजार में ट्रंप प्रशासन के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भारत की दो प्रमुख सरकारी रिफाइनरियों—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने अपनी आपूर्ति रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए वेनेजुएला की ओर रुख किया है। इस संयुक्त सौदे के तहत कुल 20 लाख बैरल क्रूड खरीदा गया है। इसमें इंडियन ऑयल का हिस्सा करीब 15 लाख बैरल है, जबकि शेष 5 लाख बैरल तेल हिंदुस्तान पेट्रोलियम को मिलेगा। तेल की यह पूरी खेप एक विशाल कच्चे तेल वाहक पोत के जरिए अप्रैल महीने तक भारत के पूर्वी तट पर पहुंचने की संभावना है। यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंदुस्तान पेट्रोलियम के लिए यह वेनेजुएला से कच्चे तेल की पहली खरीद है। हालांकि, इंडियन ऑयल इससे पहले 2024 में भी वहां के तेल का प्रसंस्करण कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिफाइनरियों का यह कदम कच्चे तेल के आयात में विविधता लाने के प्रयासों का हिस्सा है।

वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में भारत का पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त

एजेंसी। नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा को बताया है कि वैश्विक उथल-पुथल की किसी स्थिति में उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश के लिए जो तेज गति से विकास कर रहा है, व्यवहार्य और सुरक्षित तेल भंडार जरुरी है, ताकि वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में वह कमजोर स्थिति में नहीं रहे। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी तट के साथ-साथ पूर्वी तट पर भी तेलशोधक संयंत्र हैं। पुरी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक आज हम विश्व में कच्चे तेल के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। कच्चे तेल की हमारे पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी शोधन क्षमता है। वर्तमान में करीब 26 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जो बढ़कर 32 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष हो जाएगी और हम विश्व में पेट्रोलियम उत्पादों के पांचवें सबसे बड़े निर्यातक भी हैं। उन्होंने कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार यह तय करने के लिए बनाया गया है कि वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की उथल-पुथल की स्थिति में, हमारे पास अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार रहे।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं। जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं। इस बीच, तांगखुल नागा समुदाय से जुड़े दो संगठनों—काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग—ने उखरुल और उससे सटे कामजोंग जिले में कुकी समुदाय के लोगों के आने-जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है।

संक्षिप्त समाचार

भूमिज समाज की बैठक में पारंपरिक स्वशासन और संस्कृति की सुरक्षा को लेकर लिया संकल्प

धालभूमगढ़, एजेंसी। धालभूमगढ़ प्रखंड के पुनिशा गांव में भूमिज समाज की बैठक रंजीत भूमिज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था, रीति-रिवाज, संस्कार और सामाजिक व्यवस्था सहित जल, जंगल, जमीन की रक्षा और भाषा, संस्कृति, परंपरा की सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में समाज के पारंपरिक ढांचे और पदाधिकारियों के मनोनयन पर भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसके तहत हातु सरदार (मुढ़ा): कृष्णा सिंह, लाया सरदार: बिजन सरदार, देवरी: नेपाल सरदार, डाकुआ: रंजीत भूमिज को मनोनीत किया गया। बैठक में बलराम सिंह, सुनील सरदार, रबिंद्र नाथ सिंह, जतिंद्र नाथ सिंह, परमेश्वर सिंह और रवींद्रनाथ सिंह सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित रहे।

रांची में पुलिस पर स्कॉर्पियो चढ़ाने की कोशिश, 9 राउंड फायरिंग; एक युवक घायल

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में सोमवार की देर रात कचहरी चौक के पास एक खौफनाक घटना ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। ट्रांसजेंडर समुदाय के एक सदस्य के साथ मारपीट की घटना में एक ट्रांसजेंडर का पैर टूट गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हालात तब और बिगड़ गए जब विवाद करने वाले आरोपितों ने पुलिसकर्मियों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान कोतवाली डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे।

पुलिस के अनुसार, इस्तियाख और गुलफाम नामक दो युवकों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो कार से पहले एक आम युवक को रौंद दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया।

आरोपितों ने घायल युवक को सड़क पर छोड़ने की बजाय कार में डालकर पूरी रात शहर में घुमाया। ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ विवाद के बाद आरोपितों ने पुलिस को देखकर गाड़ी नहीं रोकी और तेज रफ्तार में फरार होने की कोशिश की।

हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आत्मरक्षा में फायरिंग करनी पड़ी। पुलिस ने कुल 9 राउंड फायरिंग की, जिसमें स्कॉर्पियो के टायर को निशाना बनाया गया। फायरिंग में इस्तियाख नामक युवक घायल हो गया, उसे एक गोली लगी है।

घायल युवक को तुरंत रिम्स (राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया है और दोनों आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जैविक खेती का कमाल: झारखंड के किसान ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, एक पौधे से 15 किलो हल्दी का किया उत्पादन

जलडेगा (सिमडेगा), एजेंसी। प्रखंड अंतर्गत टिनगीना गांव के किसान राजेंद्र काशी ने खेती के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। राजेंद्र काशी ने एक ही हल्दी के पौधे से लगभग 15 किलोग्राम हल्दी उत्पादन कर एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। उनकी इस उपलब्धि से ना केवल क्षेत्र के किसान उत्साहित हैं, बल्कि यह सफलता पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय बन गई है। करीब एक वर्ष तक निरंतर परिश्रम, धैर्य और नवीन प्रयोगों के बाद तैयार की गई इस विशेष हल्दी ने हाल ही में सिमडेगा में आयोजित कृषि विकास मेला सह उद्यान प्रदर्शनी में सबका ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनी के दौरान उनकी हल्दी को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वहीं, किसान राजेंद्र काशी को कुल 11 अलग-अलग पुरस्कार प्रदान किए गए।

आतंकी साजिशों का केंद्र बना जमशेदपुर, एनआईए और दिल्ली पुलिस की रडार पर स्लीपर सेल

जमशेदपुर, एजेंसी। लौहनगरी जमशेदपुर एक बार फिर राष्ट्रीय जांच एजेंसी और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की रडार पर है। आतंकी संगठनों और उनके 'स्लीपर सेल' के लिए पनाहगाह बन चुके इस शहर में सुरक्षा एजेंसियां लगातार छापेमारी और जांच कर रही हैं।

हाल ही में अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट के संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद झारखंड एटीएस और एनआइए की टीम शहर के संदिग्ध ठिकानों पर पैनी नजर रख रही है। ताजा जांच का मुख्य केंद्र जाकिर नगर निवासी डॉ. इश्तियाक अहमद है, जिसे अगस्त 2024 में रांची से गिरफ्तार किया गया था। इश्तियाक पर भारत को इस्लामिक स्टेट बनाने की साजिश रचने और आतंकी माड्यूल का मास्टरमाइंड होने का आरोप है। हाल ही में कपाली के युवकों से पूछताछ की गई थी।

जमशेदपुर में आतंकियों की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा पिछले कुछ सालों में हुई गिरफ्तारियों से लगाया जा सकता है। दिसंबर 2023 में एनआईए ने जुगसलाई से शाहबाज को पकड़ा था, जो मोबाइल टावर में काम करता था।

इससे पहले 2016 में धतकीडीह के अब्दुल समी और ओडिशा के अब्दुल रहमान कटकी को अलकायदा से जुड़े होने के आरोप में दबोचा गया था। हालांकि, पुख्ता साक्ष्यों के अभाव में कई आरोपी अदालत से बरी भी हुए, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि शहर में अब भी कई स्लीपर सेल सक्रिय हैं।

जांच के दौरान कुल 29 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। इनमें मानगो के आजाद नगर का निवासी सैयद मो. अर्शियान हैदर मुख्य है, जो लंबे समय से फरार है और उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी है।

अर्शियान पर भारत सहित कई देशों में आतंकी हमले की साजिश का आरोप है। इसके अलावा अलकायदा का प्रदेश संचालक अबु सुफियान भी पुलिस की सूची में शामिल है। अर्शियान के भाई जीशान अली को पहले ही सऊदी अरब से प्रत्यर्पित कर दिल्ली में गिरफ्तार किया जा चुका है।

वर्तमान में एटीएस और स्पेशल सेल उन नामों की दोबारा कुंडली खंगाल रही है, जो पूछताछ में सामने आए थे लेकिन साक्ष्यों की कमी के कारण उन पर कार्रवाई नहीं हो सकी थी। शहर की घनी आबादी वाले क्षेत्र जैसे मानगो, आजाद नगर और जाकिर नगर सुरक्षा एजेंसियों की विशेष निगरानी में हैं।

सर्किट हाउस ब्लास्ट: 17 अगस्त 2015 को बिष्टुपुर कालीबाड़ी मंदिर के पीछे एक डस्टबिन में जोरदार धमाका हुआ था। एनआईए की जांच के बावजूद आज तक यह साफ नहीं हो पाया कि इसके पीछे किसका हाथ था।

जुगसलाई टाइम बम: जून 2005 में जुगसलाई के एक होटल से टाइम बम बरामद हुआ था। आरोपी शहनवाज पुलिस के पहुंचने से पहले ही भाग निकला और 19 साल बाद भी वह गिरफ्त से बाहर है।

ड्यूटी खत्म कर लौट रहा था युवक, सड़क पर बाइक समेत पड़ा मिला, हुई मौत

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के पतरातू थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 27 वर्षीय रौनक कुमार शाह के रूप में हुई है। रौनक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलिया जिले का निवासी था। वर्तमान में पतरातू में रहकर काम कर रहा था। जानकारी के अनुसार, रौनक निर्माणाधीन पीवीयूएनएल परियोजना में कार्यरत एजेंसी लॉयल टैंक सीएचपी ऑपरेशन मैनपावर में काम करता था। वह देर रात अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक संख्या छ॥ 13॥ 5382 से वापस लौट रहा था। इसी दौरान जब उसके सहकर्मी भी ड्यूटी खत्म कर लौट रहे थे, तो उन्होंने मेन रोड पर रौनक को बाइक के साथ घायल अवस्था में पड़ा हुआ देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पतरातू थाना पुलिस को दी।

अस्पताल में डॉक्टर ने किया मृत घोषित: सूचना मिलने के बाद पतरातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल रौनक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू ले जाया गया। वहां मौजूद चिकित्सक अरविंद कुमार ने जांच के बाद रौनक को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के अनुसार, युवक को गंभीर अंदरूनी चोटें आई थीं, जिसके कारण उसकी जान नहीं बच सकी।

रौनक की मौत की खबर मिलते ही उसके सहकर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों का कहना था कि दुर्घटना काफी तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुई प्रतीत होती है। रौनक के शरीर पर चोट के निशान और बाइक की हालत से भी हादसे की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा रहा है।

पलामू में सड़क पर चल रही बाइक में धधकी आग, युवक ने कूदकर बचाई जान

चैनपुर (पलामू), एजेंसी। चैनपुर थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम एक चलती बाइक में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। हालांकि बाइक सवार युवक समय रहते कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा, लेकिन आग लगने से बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई।

स्थानीय ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। सूचना मिलने पर चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार गढ़वा जिले के रंका निवासी इंद्रजीत पासवान सोमवार देर शाम रेहला से डाल्टनगंज जा रहे थे। इसी दौरान चैनपुर थाना क्षेत्र के गांधीपुर स्थित मेदिनीनगर–शाहपुर मुख्य मार्ग पर पहुंचते ही उनकी बाइक में अचानक आग लग गई।

आग की लपटें उठते देख इंद्रजीत पासवान तुरंत बाइक से कूद गए, जिससे उनकी जान बच गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया और बाइक जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बाइक में आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। पूछताछ में बाइक सवार इंद्रजीत पासवान ने बताया कि उन्होंने करीब एक वर्ष पूर्व बाइक खरीदी थी और चलाने के दौरान अचानक बाइक में आग लगने का एहसास हुआ।

एएनएम के 3181 पदों पर नियुक्ति, रांची में 18 और 19 मार्च को होगी परीक्षा

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के अधीन महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) के 3,181 पदों (बैकलॉग सहित) पर नियुक्ति के लिए परीक्षा 18-19 मार्च को होगी। इसे लेकर रांची में कई परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आयोग के अनुसार, इस परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को उनकी परीक्षा की तिथि जानकारी 10 मार्च से उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर तथा ईमेल पर दी जाएगी।

अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र परीक्षा के दो दिन पूर्व आयोग की वेबसाइट से आवेदन में दर्ज ईमेल/पंजीकरण (आवेदन) संख्या एवं जन्मतिथि डालकर डाउनलोड कर सकेंगे।

आयोग ने अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र की एक अतिरिक्त प्रति एवं दो फोटो के साथ आने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह सुझाव भी दिया है कि परीक्षा से संबंधित शुचिता को बरकरार रखेंगे तथा किसी प्रकार के कदाचार संबंधी प्रयास में शामिल नहीं होंगे।

यह चेतावनी भी दी है कि किसी कदाचार में लिप्त पाए जाने पर झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम, 2023 की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिन 3,181 पदों के विरुद्ध नियुक्ति होगी, उनमें 3,020 नियमित तथा 161 बैकलॉग पद सम्मिलित हैं।

नियुक्ति के लिए परीक्षा ओएमआर तथा कंप्यूटर आधारित ली जाएगी। परीक्षा एक चरण (मुख्य परीक्षा) में ली जाएगी। परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर युक्त होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक के होंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक प्रदान किया जाएगा।

उक्त परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का प्रविधान नहीं होगा। परीक्षा की भाषा हिन्दी/अंग्रेजी होगी। मुख्य परीक्षा की अवधि एक घंटे) की होगी, जिसमें कुल- 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अनारक्षित/आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों को न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक लाना होगा।

आदिवासी विकास पुस्तकालय सोनाखून की 46वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

धालभूमगढ़, एजेंसी। आदिवासी विकास पुस्तकालय सोनाखून की ओर से आयोजित तीन दिवसीय 46वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। प्रतियोगिता के तीसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिला प्रतिभागियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सोमेश चंद्र सोरेन शामिल हुए। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेलों को युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता : पुरुष वर्ग : 100 मीटर दौड़: प्रथम - बसेन मुर्मू, द्वितीय - सोकेन बास्के, 1600 मीटर दौड़ (जेंट्स): प्रथम - खेरवार मुर्मू, द्वितीय - रामजीत मुर्मू, 800 मीटर दौड़: प्रथम - राजाराम हेंब्रम, द्वितीय - अजीत मुर्मू, शॉट पुट: प्रथम - देवेन हांसदा, द्वितीय - योगेश्वर हांसदा, जीके प्रतियोगिता: प्रथम - डोमन मुर्मू, द्वितीय - सिद्धू हांसदा, मेंढक रेस: प्रथम - किरिटिया मुर्मू, द्वितीय - समीर सोरेन, बालिका वर्ग : 100 मीटर दौड़: प्रथम - सलोनी मुर्मू, द्वितीय - अनीता मुर्मू, सुई-धागा प्रतियोगिता : प्रथम - माही मांडी, द्वितीय - पूर्णिमा सोरेन, कोलसी रेस : प्रथम - सुनीता हांसदा, द्वितीय - मालती हांसदा, 800 मीटर दौड़ : प्रथम - मालती हांसदा, द्वितीय - सुनीता माड़ी, 400 मीटर दौड़ : प्रथम - राइमात मुर्मू, द्वितीय - सरिता कुमारी, गोला थ्रो : प्रथम - ममीता मुर्मू, द्वितीय - जयंती मांडी। सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंगल हांसदा, मंगल सिंह, सचिव डोमन सोरेन, दुर्गा चरण मांडी, गोपीनाथ सोरेन, चिंटू टुडू, कालीचरण मुर्मू, विनोद हांसदा, रामदास टुडू, धनंजय हेंब्रम, जीवन हेंब्रोम, सावना किस्कू, गुरदास हेंब्रम, विक्रम सोरेन, दाखिन हांसदा, सुनाराम सोरेन, सुनील किस्कू, राम गोप, फागुन सोरेन, श्रीकांत हांसदा, विदेश किस्कू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व खेलप्रेमी मौजूद थे।

रांची में भीड़ और उत्साह ने बढ़ाई समय सीमा, अब 15 फरवरी तक खुला रहेगा लोक भवन उद्यान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में लोक भवन उद्यान को लेकर नागरिकों के उत्साह और अभूतपूर्व जनसहभागिता को देखते हुए राज्यपाल ने आम लोगों के लिए खुले रहने की अवधि बढ़ा दी है। अब उद्यान 15 फरवरी तक आम लोगों के भ्रमण और अवलोकन के लिए खुला रहेगा। यह निर्णय उद्यान की बढ़ती लोकप्रियता और लगातार उमड़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। लोक भवन उद्यान इन दिनों रांची का सबसे बड़ा जन आकर्षण बन चुका है।

रविवार को 2,66,816 लोग उद्यान का भ्रमण कर चुके हैं, जबकि अब तक कुल 4,92,470 नागरिक उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले चुके हैं। यह आंकड़ा राजधानी के किसी भी सरकारी परिसर में आम नागरिकों की अब तक की सबसे बड़ी सहभागिता को दर्शाता है। उद्यान की लोकप्रियता का मुख्य कारण इसकी प्राकृतिक सुंदरता और सुव्यवस्थित लैंडस्केपिंग है। गुलाब, गेंदा, पेटुनिया समेत कई किस्मों के मौसमी और सजावटी फूल पूरे परिसर को जीवंत बनाए हुए हैं।

फूलों की गुणवत्ता, सटीक देखरेख और सौंदर्यपूर्ण संयोजन उद्यान को विशिष्ट पहचान देता है। हर कोना फोटो-फ्रेंडली नजर आता है, जहां लोग तस्वीरें और वीडियो बनाते दिखाई दे रहे हैं। उद्यान में लगे आधुनिक और आकर्षक फाउंटेन भी लोगों का प्रमुख आकर्षण बन

गए हैं। बहते पानी की कलकल ध्वनि और फव्वारों की सुंदर संरचना पूरे वातावरण को मनोहारी बनाती है। बच्चे उत्साह से फाउंटेन के आसपास घूमते हैं, जबकि बुजुर्ग और युवा हरियाली के बीच टहलते हुए सुकून के पल बिताते नजर आते हैं।

लोक भवन उद्यान में सुरक्षा, स्वच्छता और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था सराहनीय रही है। प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच के पुख्ता इंतजाम हैं और पूरे परिसर में अनुशासन बनाए रखा गया है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने स्वयं उद्यान का भ्रमण किया, व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आम नागरिकों से संवाद कर उनकी प्रतिक्रिया भी ली। इससे उद्यान की सफलता और मजबूती मिली।

जनता की बढ़ती सहभागिता और उत्साह को देखते हुए उद्यान की खुली अवधि बढ़ाना यह दर्शाता है कि लोक भवन उद्यान अब केवल भ्रमण स्थल नहीं, बल्कि रांची में जनसरोकार, सौंदर्य और सार्वजनिक सहभागिता का प्रतीक बन गया है। लोक भवन उद्यान में भ्रमण का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है। नागरिक उद्यान के गेट संख्या 2 से सुरक्षा जांच के बाद दोपहर 1 बजे तक प्रवेश कर सकते हैं। आने वाले दिनों में भी उद्यान में बड़े पैमाने पर सैलानी उमड़ने की संभावना बनी हुई है।

जमशेदपुर से सिमडेगा तक झारखंड कांग्रेस में फिर सक्रिय हुए बागी, पार्टी नेतृत्व पर उठे सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर बागी सक्रिय हो रहे हैं। इस बार इनकी सक्रियता के पीछे पार्टी नेतृत्व का ही हाथ है। निकाय चुनाव को लेकर नामांकन वापस नहीं लेनेवाले आधा दर्जन पार्टी पदाधिकारियों को निष्कासित किया गया है।

निष्कासन का तरीका सीनियर नेताओं को ही कठघरे में खड़ा करता है। हालात धीरे-धीरे विस्फोटक होते जा रहे हैं। चाईबासा की घटना एक नजीर पेश करती है जहां एक नेता को निकालने का विरोध करते हुए पूरी कमेटी ने इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस अभी भी नहीं संभली तो आगे और नुकसान होगा।

चाईबासा में तो नगर कमेटी के तमाम सीनियर्स ने इस्तीफा देकर पार्टी को चुनौती दे दी है। बड़ी बात यह है कि पार्टी किसी को मनाने की कोशिश करने नहीं जा रही है।

नगर उपाध्यक्ष, महासचिव और कई वार्ड अध्यक्षों सहित दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा चाईबासा नगर अध्यक्ष मो. सलीम और विजय सिंह को निलंबित करने के विरोध स्वरूप यह कदम उठाया गया है।

सिमडेगा में विधायक सह जिला अध्यक्ष भूषण बाड़ा ने वहां के स्थानीय निकाय में अध्यक्ष रह चुकीं पुष्पा कुल्लू को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन पर स्थानीय निकाय चुनाव के दौरान अनुशासनहीनता एवं पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में यह कार्रवाई की गई है।

आरोप लगाया जा रहा है कि जिला अध्यक्ष ने पालिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक किए बगैर उम्मीदवार का चयन कर लिया जिसका पुष्पा विरोध कर रही थीं।

उधवाः कड़ी सुरक्षा के बीच मैट्रिक और इंटर की परीक्षा संपन्न, विज्ञान के पेपर में परीक्षार्थियों की रही भारी उपस्थिति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज/उधवा। झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक (मैट्रिक) एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के तहत सोमवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के चार परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न हुई। पहली पाली में मैट्रिक के परीक्षार्थियों ने विज्ञान विषय की परीक्षा दी, वहीं दूसरी पाली में इंटरमीडिएट के छात्र जीव विज्ञान, व्यावसायिक अध्ययन और समाजशास्त्र की परीक्षा में शामिल हुए।

प्रखंड के चारों केंद्रों पर परीक्षार्थियों की उपस्थिति उत्साहजनक रही। केंद्राधीक्षकों द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार विवरण निम्नलिखित हैः

1. प्लस टू उच्च विद्यालय, उधवाः केंद्राधीक्षक नुसरत जहां ने बताया कि मैट्रिक परीक्षा में कुल 661 पंजीकृत छात्रों में से 659 उपस्थित रहे, जबकि 2 छात्र अनुपस्थित पाए गए। इंटरमीडिएट की परीक्षा में यहाँ कुल 118 परीक्षार्थी शामिल हुए।
2. स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय, श्रीधर दियाराः 98 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे। केंद्राधीक्षक गौर चंद्र मंडल के अनुसार मैट्रिक परीक्षा में 642 में से 634 परीक्षार्थी उपस्थित हुए और 8 अनुपस्थित रहे। इंटरमीडिएट में यहाँ उपस्थित रहे, जबकि 2 छात्र अनुपस्थित रहे।
3. प्लस टू उच्च विद्यालय, राधानगरः केंद्राधीक्षक रवि कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि मैट्रिक की परीक्षा में 476 में से 474 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 2 छात्र अनुपस्थित रहे।
4. राजकीय मध्य विद्यालय, उधवाः केंद्राधीक्षक रौशन भगत ने बताया कि यहाँ कुल 322 में से 321 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि केवल 1 छात्र अनुपस्थित रहा।

परीक्षा को कदाचारमुक्त और सफल बनाने के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। केंद्रों पर दण्डाधिकारी अटल बिहारी भगत और सत्यप्रकाश भद्र निरंतर निगरानी करते नजर आए। पुलिस पदाधिकारियों की मौजूदगी में परीक्षार्थियों की सघन जांच के बाद ही उन्हें केंद्र के भीतर प्रवेश दिया गया। परीक्षा के सफल संचालन में शिक्षक ओमप्रकाश आर्य, अनिल प्रामाणिक, नाईम अख्तर, तारिक अनवर, अफलातून हुसैन, बीरबल प्रसाद, गजाधर यादव, गणेश रविदास सहित अन्य वीक्षकों और कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी केंद्रों पर पेयजल और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था देखी गई।

राजमहलः टोटो की सवारी को लेकर उपजा विवाद बना 'काल', चाकूबाजी में चालक की मौत, भाई गंभीर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। सवारी बैठाने जैसी मामूली बात को लेकर उपजा विवाद राजमहल थाना क्षेत्र के कल्याणचक में एक परिवार की खुशियों को उजाड़ गया। सोमवार को टोटो में पैसेंजर बैठाने को लेकर हुए आपसी कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक टोटो चालक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका भाई अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। मृतक की पहचान दलाही निवासी टोटो चालक मंतोष कुमार के रूप में हुई है। चश्मदीदों के अनुसार, पैसेंजर को टोटो में बैठाने को लेकर मंतोष और काला बहियार निवासी जमशेद अंसारी के पुत्र के बीच शुरुआती बहस हुई थी। हालांकि उस समय मामला शांत हो गया था, लेकिन कुछ ही देर बाद दूसरे पक्ष के लोग अपने भाइयों के साथ रॉड और चाकू से लैस होकर कल्याणचक दुर्गा मंदिर परिसर पहुँचे और मंतोष पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने मंतोष पर चाकू और रॉड से ताबड़तोड़ वार किए। जब मंतोष का भाई उसे बचाने पहुँचा, तो आरोपियों ने उसे भी रॉड से मारकर लहूलुहान कर दिया। आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान मंतोष की मौत हो गई। मंतोष के भाई की स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। हत्या की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और परिजन उग्र हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने कल्याणचक बाजार की दुकानों को बंद करा दिया और तालझारी-तीनपहाड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सड़क जाम होने से यातायात पूरी तरह बाधित रहा। घटना की गंभीरता को देखते हुए बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, राजमहल पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी सहित तीनपहाड़ और राधानगर थाना की पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस अधिकारियों ने उग्र भीड़ को समझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें छापेमारी कर रही हैं। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, लेकिन माहौल अब भी तनावपूर्ण बना हुआ है।

मॉडल कॉलेज राजमहल में 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' का आयोजन; AI के जिम्मेदार उपयोग और साइबर सुरक्षा पर युवाओं को किया गया जागरूक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। डिजिटल युग की बढ़ती चुनौतियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रभाव को देखते हुए, मॉडल कॉलेज राजमहल (सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई) में गुरुवार को 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य विषय "कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग" रहा। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रणजीत कुमार सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष फरवरी माह के दूसरे मंगलवार को वैश्विक स्तर पर 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' मनाया जाता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य युवाओं और छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन खतरों, साइबर अपराधों और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के प्रति सचेत करना है। कार्यशाला के दौरान 'National AI Literacy Campaign' और भारत में एआई के तेजी से बढ़ते विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने एआई के विभिन्न घटकों जैसे—मशीन लर्निंग (Machine Learning), प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP) और जनरेटिव एआई (Generative AI) के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, उसका 'नैतिक और सुरक्षित' उपयोग ही मानव समाज के लिए हितकारी है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य प्रो. रणजीत कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे तकनीक के दास न बनें बल्कि उसके जागरूक उपयोगकर्ता बनें। उन्होंने कहा, "डिजिटल दुनिया में आपकी एक छोटी सी लापरवाही बड़ी मुसीबत बन सकती है। इंटरनेट और एआई का प्रयोग पूरी जिम्मेदारी और सोच-समझकर करें। जागरूकता ही इस डिजिटल युग में आपका सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है।" कार्यक्रम में NSS स्वयंसेवकों—मीठी कुमारी, सिफा और प्रसेनजीत ने भी इंटरनेट सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पर अपने प्रभावशाली विचार साझा किए। कार्यशाला का सफल मंच संचालन NSS कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रमजान अली ने किया, जबकि अंत में डॉ. अमित कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस प्रेरणादायक सत्र में कॉलेज के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग करेंगे, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

नगर निकाय चुनाव 2026: उपायुक्त हेमंत सती ने परखीं चुनावी तैयारियां; 'पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदान' का दिया सख्त निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। नगर निकाय आम निर्वाचन–2026 को सफलतापूर्वक, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में सोमवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मतपत्र विखंडीकरण (Ballot Paper Breakup) और चुनाव के लिए अनिवार्य वर्किंग कॉपी की तैयारी की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पीठासीन पदाधिकारियों (Presiding Officers) और अन्य मतदान कर्मियों के लिए चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया से जुड़ी हर तकनीकी बारीकी की जानकारी कर्मियों को होना अनिवार्य है, ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

हेमंत सती ने निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और भयमुक्त होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया किः

राज्य निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या त्रुटि कतई स्वीकार्य नहीं होगी।

सभी विभाग आपसी समन्वय (Coordination) के साथ कार्य करें ताकि समयबद्ध तरीके से लक्ष्य पूरे हों।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदान से पूर्व आवश्यक सभी दस्तावेज, चुनाव सामग्री और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने तैयारियों की निरंतर मॉनिटरिंग करने की भी बात कही। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती सुनीता किस्कु, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सहित चुनाव कार्य से जुड़े विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे। जिला प्रशासन की इस सक्रियता से यह स्पष्ट है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर साहिबगंज में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है।

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने परखीं जनजातीय विकास योजनाएं; छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण में तेजी लाने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। जिले के जनजातीय समुदायों के उत्थान और कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से सोमवार को उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित इस बैठक में समेकित जनजातीय विकास अभिकरण (आईटीडीए) एवं कल्याण विभाग के तहत चल रहे विकास कार्यों की बारीकी से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना एवं मुख्यमंत्री साइकिल योजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक और पात्र लाभुकों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँचना चाहिए। उन्होंने लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें शीघ्र निष्पादित करने का आदेश दिया। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार को प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने जिले के सभी आवासीय एवं दिवाकालीन विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि इन विद्यालयों में प्रतिनियुक्त शिक्षकों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि पठन-पाठन की गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में छात्र-छात्राओं के कल्याण से जुड़ी योजनाओं पर विशेष चर्चा हुई। उपायुक्त ने प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के आवंटन में हो रही देरी को दूर करने और साइकिल वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समयबद्धता और जवाबदेही के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें, किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से आईटीडीए के परियोजना निदेशक संजय कुमार दास सहित कल्याण विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त ने सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया।

देश व राज्य की तरक्की के लिए दुआ करें हाजीः मुफ़्ती अंजर; साहिबगंज के 88 हज यात्रियों का प्रशिक्षण संपन्न

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज। शहर के एलसी रोड स्थित जामा मस्जिद परिसर में मंगलवार को आगामी हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के कुल 88 आजमीने हज (हज यात्रियों) को यात्रा के धार्मिक अनुष्ठानों (अरकान) और तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता मुफ्ती अंजर हुसैन कासमी ने की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा शामिल हुए। जिला हज कॉर्डिनेटर अनवर अली ने उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मौके पर पंकज मिश्रा ने सभी हज यात्रियों को मुबारकबाद देते हुए अपील की कि वे पाक सरजमीं पर जाकर देश और राज्य की खुशहाली व अमन-चैन के लिए विशेष दुआ करें। आजमीने हज को संबोधित करते हुए मुफ़्ती अंजर हुसैन कासमी ने कहा कि अल्लाह ने जिन लोगों को आर्थिक रूप से संपन्न बनाया है, उन पर जीवन में एक बार हज करना फर्ज (अनिवार्य) है। उन्होंने कहा कि हज न केवल एक इबादत है, बल्कि यह विश्व बंधुत्व का संदेश भी है। उन्होंने यात्रियों से कहा कि वे पूरी दुनिया में शांति और भारत की तरक्की के लिए दुआ मांगें।जिला हज कॉर्डिनेटर अनवर अली ने हज यात्रियों को हवाई यात्रा, कागजी कार्यवाही और सऊदी अरब में रहने-खाने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष साहिबगंज जिले से कुल 88 यात्री पवित्र यात्रा पर जा रहे हैं, जिनमें 44 पुरुष और 44 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने यात्रियों को सफर के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बारीकी से समझाया। इस प्रशिक्षण शिविर में मौलाना हाजी शफीक, हाजी मखदूम, हाजी ज़हीर, मो. सरफराज, मो. शकील, मो. कलीमुद्दीन, राजू अंसारी, इकबाल अली, तौकीर, मेहंदी हसन सहित बड़ी संख्या में हज यात्री और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रशिक्षण पाकर यात्रियों ने संतोष व्यक्त किया और इस नेक कार्य के लिए आयोजकों का आभार जताया।

झामुमो के नव नियुक्त प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू का बाँझी में भव्य स्वागत; कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

साहिबगंज/बोरियो। जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत बाँझी संथाली पंचायत में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के नव नियुक्त प्रखण्ड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू का ऐतिहासिक और गर्मजोशी से स्वागत किया। स्टीफन मुर्मू के प्रखण्ड अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार क्षेत्र में पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने उनके समर्थन में जमकर नारेबाजी की और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन बाँझी संथाली पंचायत कमिटी के अध्यक्ष पौलूस मुर्मू एवं सचिव पौलूस मुर्मू के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष को माला पहनाकर और पार्टी का झंडा देकर सम्मानित किया गया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि स्टीफन मुर्मू को यह जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए शुभ संकेत है। कार्यक्रम में पंचायत कमिटी के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्य रूप से पंचायत कोषाध्यक्ष बिनोद मुर्मू, बाबूलाल हाँसदा, ख्रीस्टा सोरेन, प्रबोध कुमार हाँसदा, प्रधान सल्हाय हाँसदा, बिजय पहाड़िया, नारायण मुर्मू, सुनील मुर्मू, नाईकी किस्कू एवं शिबू मराण्डी सहित कई समर्थक मौजूद थे। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए उपस्थित नेताओं ने कहा कि स्टीफन मुर्मू एक जमीन से जुड़े नेता हैं। उनके नेतृत्व में बोरियो प्रखण्ड में झामुमो का संगठन और अधिक सशक्त होगा।

एक जोड़ी मधुपुर–गिरिडीह–मधुपुर पैसेंजर ट्रेन का निरस्तीकरण

आसनसोल मंडल की मधुपुर-गिरिडीह शाखा में जगदीशपुर और महेशमुंडा स्टेशनों के बीच ब्रिज नं. 12 के रिगर्डरिंग कार्य के लिए, दिनांक **12.02.2026 (बृहस्पतिवार)** को 08 घंटे 30 मिनट **(09.30 बजे से 18.00 बजे तक)** के लिए **ट्रैफिक और पावर ब्लॉक** की आवश्यकता होगी और इस ब्लॉक के तहत मधुपुर-गिरिडीह शाखा में जगदीशपुर और महेशमुंडा स्टेशनों के बीच सीमित ऊँचाई के सबवे नं. 06 को स्थापित किया जाएगा। फलस्वरूप, 53517 मधुपुर-गिरिडीह पैसेंजर (यात्रा शुरू दिनांक 12.02.2026) और 53518 गिरडीह-मधुपुर पैसेंजर (यात्रा शुरू दिनांक 12.02.2026) निरस्त रहेंगी। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

संः ओ/एसी/टी/142/25–26 (खुली), दिनांक 09.02.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **केस सं. ओ–एसी–टी–142–25–26, कार्य का नामः** वरिष्ठ डीईएन/1/ आसनसोल के अधीन एसएसई/पी-वे/सीतारामपुर जंक्शन के अंतर्गत ट्रैक की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 83,35,712.49, **बयाना राशिः** रु. 1,66,700/–, **कार्य की समापन अवधिः** 12 माह। **बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 09.03.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-342/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा संः एसडीएसटीई–एफओबी–बीएसएलई–एमएलवी–बीपीएई, दिनांकः 06.02.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निविदा संः एसडीएसटीई–एफओबी–बीएसएलई–एमएलवी–बीपीएई के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल–निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य–शेड्यूल ए-ईएएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन के कार्यक्षेत्र में बतासपुर स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का विस्तार। शेड्यूल बी–ईएएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन के कार्यक्षेत्र में मल्लारपुर स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का विस्तार। शेड्यूल सी–ईएएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन एसएसई/ डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन के कार्यक्षेत्र में प्रांतिक स्टेशन पर एक फुट ओवरब्रिज का विस्तार। शेड्यूल डी–हावड़ा मंडल के बेगमपुर स्टेशन में 06 मीटर चौड़े नए फुट ओवरब्रिज के निर्माण के संबंध में विस्तृत सिग्नलिंग सब–एस्टीमेट। **बोली प्रणालीः** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 1,04,72,025.38, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूतिः** रु. 2,02,400/–, **निविदा कागजात का मूल्यः** रु. 0.00, **समापन अवधिः** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समयः** दिनांक 06.02.2026 को 18.37 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथिः** दिनांक 18.02.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 04.03.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

HWH-604/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा संः एसडीएसटीई–एलएचएस–एलसीगेट–एनडीएई2, दिनांकः 09.02.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निविदा संः एसडीएसटीई–एलएचएस–एलसीगेट–एनडीएई2 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल–निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य–शेड्यूल ए1–एईएन/नबद्रीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 5/2 के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल ए2–ईएएन/नबद्रीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 5/2 के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। शेड्यूल बी1–एईएन/नबद्रीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 7/5 के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए एस एंड टी लागत। शेड्यूल बी2–एईएन/नबद्रीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 7/5 के बदले नए सीमित ऊँचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकम्यूनिकेशन लागत। **बोली प्रणालीः** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 1,80,70,376/–, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूतिः** रु. 2,40,400/–, **निविदा कागजात का मूल्यः** रु. 0.00, **समापन अवधिः** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समयः** दिनांक 09.02.2026 को 16.53 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथिः** दिनांक 18.02.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 04.03.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

HWH-605/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

बाल विवाह पर छात्रा ने दिखाया साहस, पुलिस ने रोकी शादी

महेशपुर (पाकुड़)। महेशपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हो रही बाल विवाह को पुलिस प्रशासन समय रहते स्थगित कराकर एक बच्ची के भविष्य अंधकार होने से बचा लिया है। बताते चले की महेशपुर के एक स्कूल में पढ़ने वाली 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा के परिजनों ने उसका विवाह तय कर दिया था। अपनी पढ़ाई जारी रखने और कम उम्र में शादी के बंधन से बचने के लिए छात्रा ने सीधे अपने स्कूल पहुँच कर शिक्षकों को अपने विवाह के संबंध में समुचित जानकारी दी। बच्ची ने बताया कि उसे पढ़ने की बहुत इच्छा है। यदि यह शादी टल जाए तो मैं आगे की पढ़ाई जारी रख सकूंगी। छात्र की बातों को स्कूल प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए महेशपुर थाना के प्रभारी रवि शर्मा को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रवि शर्मा पुलिस बल के साथ पीड़ित बच्ची के घर पहुँचे और अभिभावकों को समझा बूझकर शादी टाल दी। अभीभावक को समझाया गया की बच्ची अभी पढ़ना चाहती है । उसके भविष्य के साथ खिलवाड़ ना किया जाए। समय सीमा से पहले शादी करना कानूनी अपराध है। छात्रा के अभिभावक ने भी अभी शादी न करने का वचन दिया। इस प्रकार छात्र ने अपनी सूझबूझ से न केवल अपना भविष्य को साकार करने का प्रयास किया है बल्कि बाल विवाह जैसी कुरीति के खिलाफ अपना आवाज बुलंद किया है।

वाहन चालक व मालिक से मारपीट व रंगदारी व छिनतई मामले में मामला दर्ज

महेशपुर (पाकुड़)। थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव में वाहन चालक एवं मालिक के साथ मारपीट कर रंगदारी मांगने एवं छीनतई करने का मामला प्रकाश में आया है । मामले को लेकर महेशपुर निवासी भुवन कुमार साह ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत देकर उदय कुमार यादव मधुपुर निवासी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।उन्होंने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि उसका भाई सुभम कुमार साह का वाहन संख्या जेएच 0 एफ -0701 को ड्राइवर द्वारा मधुपुर की तरफ से आ रहा था इसी दौरान ड्राइवर द्वारा सूचना मिला कि मधुपुर के पास एक आदमी गाड़ी घेर लिया है और 500 पांच सौ रुपया मांग रहा है नही देने पर मारपीट कर दिया है।उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही भुवन कुमार साह एवं उसका भाई सुभम कुमार साह मधुपुर पहुँच कर देखा तो मधुपुर निवासी उदय कुमार यादव था जब उससे ऐसा कियो करने रहे हो पूछा तो उन्होंने भुवन कुमार साह को भी मारपीट कर जेब से 10 हजार रुपया छीन लिया ।इधर मामले को लेकर भुवन कुमार साह की लिखित शिकायत के आधार पर थाना कांड संख्या 13/26 के तहत उदय कुमार यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस मामले की छानवीन में जुट गई है ।

समाहरणालय परिसर में फाइलेरिया उन्मूलन शिविर का आयोजन

पाकुड़। जिला को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से 10 फरवरी से 25 फरवरी तक संचालित फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को समाहरणालय परिसर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया शिविर में अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, खनन निरीक्षक और पणन सचिव सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन किया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन पूर्णतः रोकथाम योग्य बीमारी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों और जिलेवासियों से अपील की कि अभियान के दौरान अनिवार्य रूप से फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करें तथा अपने परिवार, सहकर्मियों एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता एवं जनजागरूकता के माध्यम से ही जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान के दौरान घर-घर जाकर दवा खिलाने की व्यवस्था की गयी है, इसलिए सभी लोग अभियान में सहयोग प्रदान करें।

फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने पकड़कर भेजा जेल

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। थाना क्षेत्र के बड़ा सरसा गाँव निवासी छोटू केवट उर्फ़ बिल्ला को हाफ मर्डर केस के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने उसे बड़ासरसा गांव से दबोचा। प्रभारी थाना प्रभारी अनिल पंडित ने बताया कि आरोपी छोटू केवट ने अपने ही गोतिया मोतीलाल केवट के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस घटना को लेकर पीड़ित की शिकायत पर लिट्टीपाड़ा थाना में कांड संख्या 43/25 के तहत हाफ मर्डर का मामला दर्ज किया गया था।मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। सोमवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ासरसा गांव में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

भागवत कथा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

हिरणपुर (पाकुड़)। श्री चिंताहरण महादेव सेवा समिति चौकीढाब के द्वारा मंगलवार को चौकीढाब गांव में 10 से 16 फरवरी तक आयोजित श्रीमद भागवत सप्ताह सह भक्ति ज्ञान यज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें काफी संख्या में महिला व पुरुष श्रधालुओ ने भाग लिया। कलश यात्रा में शामिल कन्याओ द्वारा नदी में जल भरकर नगर परिक्रमा किया। जहां सभी लोग भगवा ध्वज थामे जयकारा लगाया ।इसके बाद यज्ञ स्थल में पुजारी द्वारा विधिवत मन्त्रोच्चारण के साथ कलश स्थापित की गई। इस दौरान कथावाचक भी शामिल हु3 ।आयोजक कमिटी के सदस्यों ने बताया कि भागवत कथा में कथावाचक ब्रजराज दास जी महाराज वृंदावन के द्वारा प्रवचन की जाएगी। इस अवसर पर कमिटी के गुरुदयाल साहा , शिवशंकर साहा , प्रह्लाद साहा , दिनेश , आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों के सड़क सुरक्षा की दी गई जानकारी

हिरणपुर (पाकुड़)। हिरणपुर बाजार स्थित पीएमश्री बालक मध्य विद्यालय में मंगलवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता माह-2026 के तहत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में जागरूक किया गया।आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) जितेंद्र कुमार, थाना प्रभारी बिनय कुमार प्रधानअध्यापक विजय कुमार और विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, हेलमेट का उपयोग करने, तेज गति से गाड़ी न चलाने, और सड़क पर वाहन से या पैदल चलने के क्रम में सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक, पोस्टर और भाषण के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता माह-2026 का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हमें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना होगा।

लिट्टीपाड़ा में प्रखड़ स्तरीय किसान मेला सह कृषि पर्दशनी आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। प्रखण्ड कार्यालय परिसर, लिट्टीपाड़ा में मंगलवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के अंतर्गत आत्मा, पाकुड़ के सौजन्य से प्रखण्ड स्तरीय किसान मेला–सह–कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ संजय कुमार के द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। किसान मेले में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।मेले का उद्देश्य किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, कृषि यंत्रों एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देना रहा। इस अवसर पर किसानों द्वारा उत्पादित फल, फूल, फसल एवं सब्जियों के प्रादर्श प्रदर्शित किए गए, जिसे देखने के लिए किसानों में खास उत्साह देखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि इस तरह के मेलों से किसानों को नई तकनीकें सीखने का अवसर मिलता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, महेशपुर की उद्यान वैज्ञानिक डॉ० मेरी किरण कंडीर ने उन्नत बागवानी तकनीक और फसल विविधीकरण की जानकारी दी। जिला उद्यान पदाधिकारी प्रशांजीत महतो ने विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की, वहीं परियोजना उपनिदेशक आत्मा चंद्र मौली ने आत्मा की योजनाओं पर प्रकाश डाला। मेले में 20 सूत्री अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, विधायक प्रतिनिधि रंजन साहा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी के. सी. दास, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी राकेश कुमार, अमित कुमार सुमन, प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी पद्म किशोर महतो, बदलाव फाउंडेशन के संजय शर्मा, प्रवाह से निरंजन कुमार, श्रीतोमा पाल,फोरएस से स्वरूप मसलेउद्दीन अंसारी सहित कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं मत्स्य विभागों के पदाधिकारी, कर्मी, एटीएम, बीटीएम, जनसेवक, कृषक मित्र एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

डीएवी मे छात्र-छात्राओं को खिलाया गया फाइलेरिया मुक्ति की दवा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय विद्यालय डीएवी पब्लिक स्कूल के सभा भवन में मंगलवार को फाइलेरिया उन्मूलन के लिए फाइलेरिया मुक्ति अभियान की शुरूआत की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य डॉ. विश्वदीप चक्रवर्ती, सिविल सर्जन पाकुड़ डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा, डीएमओ डॉ. अमित कुमार, इंचार्ज सीएससी सफर डॉ. के. के. सिन्हा एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलितकर किया । इसके पश्चात विद्यालय के सभी बच्चों को तीन विभिन्न प्रकार की फाइलेरिया रोधी दवाएं खिलायी गयी। जानकारी दी गयी कि 10 फरवरी से 25 फरवरी तक जिला के हर प्रखंड, विद्यालय और गांवों में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सामूहिक सेवन कराया जायेगा। अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. चक्रवर्ती एवं सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि फाइलेरिया रोधी दवा सुरक्षित एवं प्रभावी है। फाइलेरिया या हाथीपांव एक गंभीर बीमारी है। इससे बचने के लिए हर वर्ष समय पर दवा लेने से पूरी तरह रोका जा सकता है। समय पर दवा नहीं लेने पर यह बीमारी आजीवन विकलांगता का कारण बन सकती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ विद्यालय के संजय कुमार यादव, पपीया बनर्जी, अमृता दास, तूलिका विस्वास आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा की बैठक में संपा साहा को पार्टी का पूर्ण समर्थन, जीतने की अपील

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ । भारतीय जनता पार्टी कि जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मु द्वारा एक बैठक अपर्णा मार्केट कांप्लेक्स में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बबलू भगत एवं नगर परिषद अध्यक्ष के लिए भाजपा समर्थित प्रत्याशी संपा साहा उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बबलू भगत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष संपा साहा को पार्टी ने समर्थन दिया है। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को इस चुनाव कार्य में पूरी तन्मयता के साथ जुटना है। , घर-घर संपर्क अभियान तेज गति से चलाएं।जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू ने कहा कि हर कार्यकर्ता अपने वार्ड में लगकर पार्टी समर्थित प्रत्याशी संपा साहा को विजयी बनाने में जुट जाए। जीत संगठन की होगी और जिन्होंने पसीना बहाया माला पहनाने का हक भी उन्हीं को मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रुपेश भगत ने किया। बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह एवं मीरा प्रवीण सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी,पूर्व प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह, हिसाबी राय, मनोरमा देवी, राणा शुक्ला, पंकज साह,दिलीप सिंह,सुशील साह, तुहिन शुक्ला, संजीत मुखर्जी,पार्वती देवी, मनीष पांडेय,मनोरमा देवी,रीता जायसवाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र बना गौवंशीय पशुओं की तस्करी का सेफ जोन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में गौवंशीय पशुओं की तस्करी का सिलसिला इन दिनों तेजी से फल-फूल रहा है। पशु तस्कर क्षेत्र के ग्रामीण एवं गुप्त मार्गों का उपयोग कर पशुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा रहे हैं स्थिति यह है कि तस्कर रात के अंधेरे के साथ-साथ कई बार दिन के समय भी गौवंशीय पशुओं की तस्करी कर रहे हैं।जिससे प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं जानकारी के अनुसार तस्कर प्रशासन की नजर से बचने के लिए अलग-अलग मार्गों का इस्तेमाल करते हैं। गौवंशीय पशुओं को कभी फतेहपुर चौक के रास्ते ले जाया जाता है तो कभी उदलबनी होते हुए छोटा पहाड़पुर के रेंगे टोला की ओर बढ़ाया जाता है इसके अलावा आसनकूड़ा से चिल्गोजोरी होते हुए अमड़ापाड़ा-पाकुड़ कोयला परिवहन सड़क के रास्ते पोचाईबेड़ा तक पशुओं को पहुंचाया जाता है।इन मार्गों का चयन इस तरह किया जाता है जहां पुलिस की नियमित गश्ती कम रहती है और आवाजाही पर आसानी से नजर नहीं पड़ती

सप्ताह में मुख्यतः तीन दिन सक्रिय रहता है अवैध कारोबार

:- ग्रामीण सूत्रों के अनुसार गौवंशीय पशु तस्करी का यह अवैध कारोबार सप्ताह में मुख्य रूप से बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को अधिक सक्रिय रहता है. बताया जाता है कि तस्कर अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से गौवंशीय पशुओं को अमड़ापाड़ा, महेशपुर तथा हिरणपुर क्षेत्र में खपाते हैं। कार्रवाई से बचने के लिए पशुओं को छोटे-छोटे समूहों में अलग-अलग रास्तों से ले जाया जाता है।ताकि एक साथ बड़ी खेप पकड़े जाने की संभावना कम हो

नहीं होती है कोई कार्रवाई

:- बीते छह महीने के भीतर अगर उपलब्ध आंकड़ों की बात करें तो स्थानीय थाना में पशु तस्करों के खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया है।इससे साफ संकेत मिलता है कि या तो गौवंशीय पशु तस्करों को स्थानीय पुलिस प्रशासन का मौन संरक्षण प्राप्त है या पुलिस प्रशासन द्वारा अपेक्षित स्तर पर प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हो पा रही है ।कार्रवाई के अभाव में तस्करों का मनोबल बढ़ता जा रहा है और तस्करी का सिलसिला लगातार जारी है।

पाकुड़ : चुनावी घोषणा पर मुद्दा , पोठीमारी फीडर से जलापूर्ति का शहरवासियों को इंतजार

सोन वर्षा वाणी । जितेन्द्र दास

पाकुड़। पाकुड़ नगर परिषद चुनाव की आहट के साथ ही शहर की पुरानी और सबसे बुनियादी समस्या एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। मुद्दा हैः पोठीमारी फीडर कैनल से पाकुड़ शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति। वर्षों से लंबित यह योजना अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ जनता के मन में विश्वास और आशंका दोनों साथ साथ चल रहे हैं।पाइप बिछ चुके, पर नल अब भी सूखेःशहर के लगभग सभी वाडों और मुख्य सड़कों के किनारे सप्लाई के पाइप बिछाए जा चुके हैं। गलियों में खोदी गई सड़कें भी इस बात की गवाह हैं कि बुनियादी ढांचा तैयार करने की की कोशिश हुई है,लेकिन विडंबना यह है कि पाइप बिछने के बावजूद शहरवासियों के घरों तक अब तक पानी नहीं

पहुँचा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि "जब पाइप विछ गए हैं, तो सप्लाई शुरू करने में देरी क्यों हो रही है?" पिछली बार भी नगर परिषद चुनाव में 'हर घर जल' और पोठीमारी कैनल से पानी लाने का वादा प्रमुखता से किया गया था। इस बार भी प्रत्याशी इसी मुद्दे को अपने घोषणा पत्र का हिस्सा बनाने की तैयारी में हैं। हालांकि, आम जनता अब केवल वादों से संतुष्ट होने के मूड में नहीं है। शहर के प्रबुद्ध नागरिकों का मानना है कि यदि चुनाव से पहले या तुरंत बाद जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो जनप्रतिनिधियों को जनता के कड़े सवालों का सामना करना पड़ेगा।पाकुड़ शहरी क्षेत्र में भू-जल स्तर लगातार गिर रहा है। गर्मियों के आते ही कुएं और चापाकल जवाब देने लगते हैं। ऐसे में पोठीमारी फीडर कैनल ही एकमात्र ऐसा स्रोत है जो स्थायी रूप से शहर की प्यास बुझा सकता है।"हमने पाइप बिछाते देखा है, गड्ढे भरते देखे हैं, लेकिन अब हम नलों से पानी गिरते देखना चाहते हैं। इस बार वोट उसी को मिलेगा जो पानी की गारंटी नहीं, बल्कि सप्लाई शुरू करके दिखाएगा।" जानकारों की मानें तो तकनीकी रूप से काम अंतिम चरण में है, लेकिन कुछ प्रशासनिक स्वीकृतियां और टेस्टिंग का काम अब भी अधूरा है। अब देखना यह होगा कि आगामी नगर परिषद चुनाव से पहले प्रशासन और भावी प्रत्याशी इस 'अधूरे' पड़े प्रोजेक्ट को 'पूरा' करने के लिए कितनी गंभीरता दिखाते हैं।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान के लिए प्रशासन कटिबंध

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ । नगरपालिका (आम) चुनाव 2026 के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त निर्वाचन संपन्न कराने के उद्देश्य से पाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत स्थित मतदान केंद्रों में सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्रों तक जाने वाले मार्गों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर लें तथा नक्शे में दर्शाए गए रूट चार्ट से उसका मिलान सुनिश्चित करें। उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, भोजन व्यवस्था, शेड, रैंप, शौचालय, आदि की समुचित व्यवस्था जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने नव स्थापित मतदान केंद्रों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि सेक्टर पदाधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि अनधिकृत प्रचार वाहनों का उपयोग, संपत्ति विरूपण, सरकारी भवनों, वाहनों अथवा कर्मियों का चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से उपयोग न हो। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी सेक्टर पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर मतदाताओं के बीच विश्वास का माहौल बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ श्री डीएन आजाद, नगर थाना प्रभारी श्री अनिल कुमार गुप्ता सहित सभी सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुफस्सिल कांड संख्या 264 के आरोपी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़। मुफिसल थाना कांड संख्या-264/25 के प्राथमिक अभियुक्त रहजुल शेख उर्फ मोताबेर शेख पिता फैजुल शेख साकिम-शहबाजपुर थाना पाकुड़ मुफसिल जिला पाकुड़ को गिरफ्तार करने में मुफस्सिल थाना प्रभारी को सफलता प्राप्त हुई है । इस संबंध में मुफस्सिल थाना प्रभारी ने बताया कि

डेढ़ महीने पहले अपनी चाची के साथ बलात्कार करने का प्रयास का आरोप लगाया गया है।घटना का बाद आरोपी मुम्बई भाग गया था जिसे पाकुड़ बाजार से गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्वास्थ सहियाओं का प्रतिनिधिमंडल विधायक से मिला ,सौपा ज्ञापन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़िया। महेशपुर एवं पाकुड़िया प्रखंड की स्वस्थ सहियाओं ने मंगलवार को अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी को ज्ञापन सौंपा। सहियाओं ने बताया कि वर्ष 2015 तक उन्होंने बिना किसी प्रोत्साहन राशि के कई प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी कार्य किए हैं। सहियाओं ने कहा कि 3 फरवरी 2026 को जारी पत्र में सहिया ऐप का उपयोग नहीं करने वाली कुछ सहियाओं को निष्क्रिय कर हटाने की बात कही गई है। जबकि कई सहियाओं के पास एंड्रॉयड मोबाइल नहीं है। प्रोत्साहन राशि कम होने के कारण

मोबाइल खरीद पाना संभव नहीं हो पा रहा है। कई क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या भी रहती है, जिससे सहिया ऐप पर काम करना कठिन है। सहियाओं ने यह भी बताया कि उन्हें सहिया ऐप चलाने का समुचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया है, जिसके कारण काम करने में परेशानी हो रही है। उन्होंने मांग की कि सूची में दर्ज सभी सहियाओं को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया वापस ली जाए और उन्हें दोबारा सक्रिय किया जाए, ताकि वे भयमुक्त होकर अपना कार्य कर सकें। विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने सहियाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि आगामी बजट सत्र में उनकी समस्याओं को विधानसभा में उठाया जाएगा और समाधान के लिए पहल की जाएगी। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, सचिव मैनुद्दीन अंसारी, महेंद्र टुडू, कोलोम मुर्मू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सावित्री देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में 12वीं के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई; ज्योति किरण बनीं 'मिस डीएवी' व शुभम 'मास्टर डीएवी'

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

जामतड़ा। जामताड़ा स्थित सावित्री देवी डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सोमवार को कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का माहौल उत्साह और भावुकता का अनूठा संगम रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष बीरेंद्र मंडल उपस्थित थे। समारोह का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद कनिष्ठ वर्ग के छात्रों द्वारा मधुर स्वागत गान प्रस्तुत किया गया और अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। विदाई के इस क्षण को यादगार बनाने के लिए विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य और गीतों ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। परंपरा के अनुसार आयोजित व्यक्तित्व और प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में ज्योति किरण मुर्मू को 'मिस डीएवी' तथा शुभम मंडल को 'मास्टर डीएवी' के खिताब से नवाजा गया। इस चयन पर पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मुख्य अतिथि बीरेंद्र मंडल ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास और चरित्र निर्माण है। उन्होंने युवाओं से अपने सामाजिक दायित्वों को समझने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार ने स्वागत भाषण में विद्यार्थियों के शैक्षणिक सफर की सराहना की। उन्होंने कहा, "अनुशासन, समयपालन और निरंतर कर्मठता ही सफलता की कुंजी है। आप जीवन में जहाँ भी जाएँ, अपनी मेहनत और व्यवहार से अपने परिवार, स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन करें।" कार्यक्रम का सफल संयोजन शांतनु चक्रवर्ती ने किया, जबकि मंच का कुशल संचालन छात्रा कशिश किरण एवं मुसकान कुमारी ने किया। विदाई समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मियों का विशेष योगदान रहा। समारोह के अंत में नम आँखों से कनिष्ठ छात्रों ने अपने सीनियर्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए बिदा किया।

जामताड़ाः कुष्ठ मुक्त समाज के लिए 'स्पर्श' अभियान तेज; मार्च में घर-घर जाकर होगी कुष्ठ रोगियों की पहचान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

जामतड़ा। जिला कुष्ठ कार्यालय के दिशा-निर्देशानुसार, सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जामताड़ा में सहिया साथियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में चल रहे 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान' की प्रगति की समीक्षा करना और मार्च माह में शुरू होने वाले द्वितीय चरण के कुष्ठ रोग खोज अभियान की रूपरेखा तैयार करना था। बैठक को संबोधित करते हुए एमपीडब्ल्यू मनोज तिवारी ने बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 30 जनवरी से शुरू हुआ 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान' 14 फरवरी तक चलेगा। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों और विद्यालयों में छात्रों को कुष्ठ रोग के लक्षणों, बचाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "समाज में कुष्ठ रोग को लेकर कई भ्रांतियां और कलंक जुड़े हैं। हमारा प्राथमिक लक्ष्य इन भ्रांतियों को दूर करना है ताकि लोग बिना किसी संकोच के समय पर जांच और इलाज करा सकें।" बैठक में जानकारी दी गई कि मार्च महीने में अभियान का दूसरा चरण शुरू होगा, जो पूरी तरह कुष्ठ रोगियों की खोज पर केंद्रित होगा। इस सघन सर्वे के दौरान गठित टीमें 'माइक्रो प्लान' के तहत उन क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करेंगी जहां पहले से कुष्ठ रोगी मौजूद हैं।

इस खोज अभियान की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित होंगीः

संपर्क जांच (Contact Tracing): वर्तमान में उपचार करा रहे रोगियों के परिवार के सदस्यों के साथ-साथ उनके पड़ोसियों की भी अनिवार्य रूप से जांच की जाएगी।

निशुल्क इलाजः जांच के दौरान यदि कोई नया रोगी चिन्हित होता है, तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा उसका संपूर्ण और गुणवत्तापूर्ण इलाज निशुल्क सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रसार पर रोकः रोगियों की समय पर पहचान कर संक्रमण की कड़ी को तोड़ना विभाग की प्राथमिकता है।

बैठक में एमपीडब्ल्यू रूपेश कुमार, प्रवीण कुमार, कालीपद दास, अरिजीत मंडल एवं जयप्रकाश कुमार सहित भारी संख्या में सहिया साथी उपस्थित थे। सभी सहिया साथियों ने कुष्ठ मुक्त जामताड़ा के संकल्प को दोहराते हुए पूरी निष्ठा के साथ इस अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी ली।

कुंडहित में प्रखंड स्तरीय किसान मेला सह उद्यान प्रदर्शनी का आयोजनः उन्नत किसान हुए सम्मानित, अरिंदम चक्रवर्ती बने मिसाल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को 'आत्मा' (ATMA) के तत्वावधान में कुंडहित प्रखंड परिसर में 'प्रखंड स्तरीय किसान मेला सह उद्यान प्रदर्शनी' का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले में बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया और उन्नत खेती के गुर सीखे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार, बीडीओ जमाले राजा, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार, प्रखंड प्रमुख रामकिशोर मुर्मू, जिला परिषद सदस्य रीना मंडल और पूर्व जिप सदस्य भजहरी मंडल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। साथ ही झामुमो जिला उपाध्यक्ष जयश्वर मुर्मू, प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हैम्ब्रम, विधायक प्रतिनिधि शरम मंडल, कांग्रेस नेत्री पूर्णिमा धर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी मनोरंजन मिर्धा, और बीटीएम सुजीत कुमार सहित कई गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभा को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार ने कहा कि किसान हमारे समाज की रीढ़ हैं और उनके विकास के बिना देश की प्रगति की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को नई कृषि तकनीक, उन्नत बीज और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से सीधा जोड़ना है। पूर्व जिप सदस्य भजहरी मंडल ने किसानों को 'अन्नदाता' बताते हुए उनके मान-सम्मान पर जोर दिया। उन्होंने अंबा गांव के अरिंदम चक्रवर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार उन्होंने अपनी मेहनत से बंजर भूमि को कीमती बागवानी में तब्दील कर दिया, वह पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

मेले में कृषि, पशुपालन और उद्यान विभाग द्वारा विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे। यहाँ किसानों कोः

उन्नत किस्म के बीज और उर्वरकों की जानकारी दी गई।

आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया।

जैविक खेती (Organic Farming) और मृदा स्वास्थ्य के लाभ बताए गए।

सरकारी अनुदान वाली योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले उन्नत किसानों को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र, कुदाल और गैंती प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर किसानों के चेहरे खिल उठे।

इस आयोजन को सफल बनाने में एटीएम अमीर हैम्ब्रम, प्रखंड के सभी किसान मित्र, उद्यान मित्र और कृषक स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन प्रखंड के किसानों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

नगर निकाय चुनाव 2026: मिहिजाम में मतदान केंद्रों की कमियां होंगी दूर; आईटीडीए निदेशक ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

जामताड़ा/मिहिजाम। आगामी नगर निकाय चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के लिए जामताड़ा जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त श्री रवि आनंद के निर्देश पर मंगलवार को वरीय पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक (आईटीडीए) श्री जुगनू मिंज ने मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आईटीडीए निदेशक श्री जुगनू मिंज के साथ जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री पंकज कुमार रवि और मिहिजाम नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी श्री गोपेश कुंभकार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। टीम ने आमबागान, पोखरतल्ला एवं कालीतल्ला स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण किया और वहां उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की।

परियोजना निदेशक ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मतदाताओं की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मतदान केंद्रों परः

पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने।

दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए रैंप की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करने।

बैठने की उचित व्यवस्था और परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्वाचन कार्यक्रम से संबंधित दीवार लेखन (Wall Writing) का भी अवलोकन किया और निर्देश दिया कि सभी जानकारियां स्पष्ट और सटीक रूप से लिखी होनी चाहिए ताकि मतदाताओं को कोई भ्रम न हो। श्री मिंज ने अधिकारियों से कहा कि जिन मतदान केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी पाई गई है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दुरुस्त किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विधि-व्यवस्था संबंधी कठिनाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कर्मियों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की हिदायत दी। इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी गोपेश कुंभकार के अलावा सिटी मैनेजर, संबंधित मतदान केंद्रों के बीएलओ (BLO) और निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। प्रशासन की इस सक्रियता से नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में तेजी आई है।

वाहन जांच अभियान में 14 वाहनों का कटा चालान, 1.43,500 रुपये का जुर्माना वसूला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी लातेहार उमेश मंडल के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में रोकथाम के लिये एवं राजस्व संग्रहण को लेकर चंदवा थाना क्षेत्र के अमझरिया घाटी एवं सासंग में भारी वाहनों का कागजात एवं यात्री बसों में ओवरलोड कर चल रहे वाहनों का चालान काटा गया। साथ ही बस चालकों को भविष्य में ओवरलोड करके यात्रियों को नहीं ले जाने की हिदायत दी गई। वाहन जांच के दौरान 76 वाहनों की जांच की गई है। वहीं यातायात नियमों के विरुद्ध में पाये गये 14 वाहनों का चालान काटे गये हैं जिसमें कुल 143,500 रुपये राजस्व की वसूली की गई। इस मौके पर परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल ने वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने एवं यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का पालन नहीं करने के कारण से ही सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी होती है। साथ ही उमेश मंडल ने वाहन चालकों को वाहनों से संबंधित सभी कागजातों को दुरुस्त रखने की भी बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि वाहनों के कागजात सही नहीं रहने पर दुर्घटना के बाद में क्षतिपूर्ति के दावाओं के भुगतान में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान में परिवहन पदाधिकारी ने दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहन कर के ही दोपहिया वाहन चलाने को लेकर हिदायत दी। उन्होंने कहा कि अधिकांशतः सड़क दुर्घटना में हेलमेट नहीं पहने हुये रहने की वजहों से सिर पर गंभीर चोट आता है और दोपहिया वाहन चालकों की जान चली जाती है।

ब्राउन शुगर के साथ लातेहार शहर का युवक गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लातेहार। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली हुई गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने लातेहार शहर से ब्राउन शुगर के साथ में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान विशाल पासवान, पिता संतोष पासवान, बहेराटांड़ लातेहार के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि विशाल पासवान को ब्राउन शुगर के साथ में गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से अलग-अलग कागज में रखी हुई 13 पुड़िया में लगभग 4.76 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है। इसकी कीमत लगभग 10 हजार रुपये है। थाना प्रभारी ने बताया कि एनसीबी द्वारा एसपी कुमार गौरव को शिकायत मिली थी कि मानस पोर्टल के जरिये अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की जा रही है। इसके बाद में अंचलाधिकारी नंदकुमार राम को सूचित करके छापेमारी दल का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विशाल पासवान की गिरफ्तारी की गई है। पूछताछ में सामने आया है कि वह ब्राउन शुगर को अलग-अलग स्थानों पर बेचता था। इस छापेमारी अभियान में अंचलाधिकारी नंदकुमार राम, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल सिन्हा, रामाकांत गुप्ता, राजा दिलावर, कामता कुमार, विकास कुमार सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

कार-बाइक के बीच भीषण टक्कर में एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीआरपीएफ कैंप के समीप में कार और बाइक के बीच हुयी भीषण टक्कर में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल इलाज के लिये लातेहार सदर अस्पताल लाया में गया, जहां पर उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी। मृतक की पहचान पवन यादव के रूप में की जा रही है। वह बोड़ा ग्राम सबानो का निवासी था। वहीं घायल युवक की पहचान मुकेश यादव, पिता सुरेन्द्र यादव, ग्राम कढ़िमा, पोस्ट पांडेयपुरा, थाना लातेहार के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद में सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य वजह माना जा रहा है। वहीं बाइक चालक ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जिसके कारण सिर पर चोट आई है।

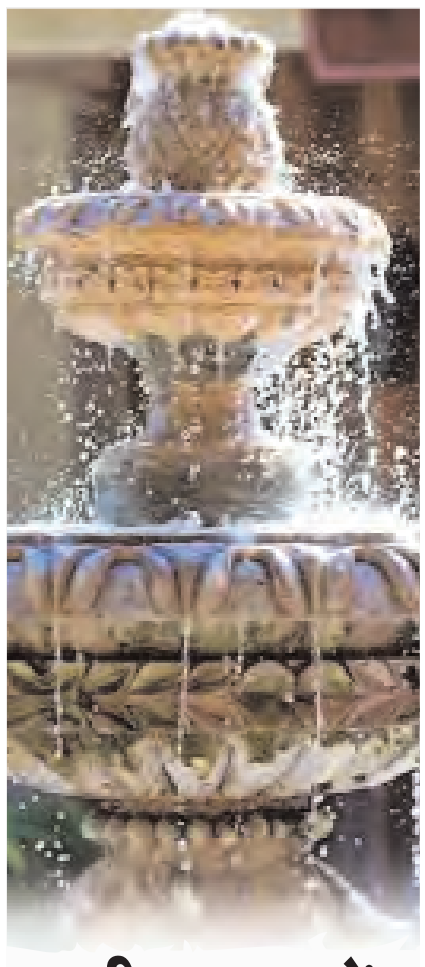

प्राचीन समय में बिना बिजली से कैसे चलते थे फव्वारे?

आज यह बात हमें आश्चर्य से भर देती है कि प्राचीन समय में जब बिजली नहीं होती थी तब भी फव्वारे चलाए जाते थे। यह सब किसी भी जादू से नहीं होता था,इन सभी के पीछे विज्ञान था। आर्कमेडिक के सिद्धांत, दबाव के बल के उपयोग और गुरुत्वाकर्षण बल के उपयोग से तकनीक का प्रयोग कर के फव्वारों को चलाया जाता था।

सर्वप्रथम बिना बिजली के फव्वारे का सन्दर्भ प्रथम शताब्दी में मिलता है। इसका अविष्कार अलेक्ज़ेनड्रिया के हेरॉन ने किया था। वह एक अविष्कारक, गणितज्ञ और भौतिकशास्त्री के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण बल और हवा के दबाव के प्रयोग से इसका क्रियान्वयन किया था। इसमें एक बड़े कुंड में पानी भर दिया जाता था जिसे एक पतली नली के माध्यम से नीचे बने एक टैंक में भेजा जाता था। पतली और लम्बी नली के कारन यह 9.8 मीटर प्रति सेकंड की गति से नीचे गिरता था। उस टैंक में पहले से जमा की गयी हवा अर्कमेडिक के सिद्धांत के कारन एक दूसरी नाली के माध्यम से दूसरे टैंक में जाती थी। यह टैंक कुंड और प्रथम टैंक के मध्य होता था। इस टैंक में हवा पहले से पानी एकत्रित होता था। नली के द्वारा आ रही हवा से इस टैंक का दबाव बढ़ता जाता था और हवा के दबाव् से पानी को धक्का लगता था और वह एक अलग नली से ऊपर की ओर उठ जाता था और एक फव्वारे के रूप में चलने लगता था। चूंकि यह फव्वारा उसी कुंड में रहता था तो यह प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती थी। बिना बिजली के फव्वारे का प्रमाण भारत में भी मिलता है। आगरा स्थित शाहजहां के महल में एक अंगूरी बाग़ है। यहां भी फव्वारे लगे हुए हैं। यहां बड़े बड़े टैंकों में पानी का एकत्रीकरण किया जाता था और दबाव के सिद्धांत से फव्वारे चलाए जाते थे। गाइड के अनुसार पानी को इकट्ठा करके एक वेग से छोड़ा जाता था। जिससे दबाव बनता था और फव्वारे चलने लगते थे।

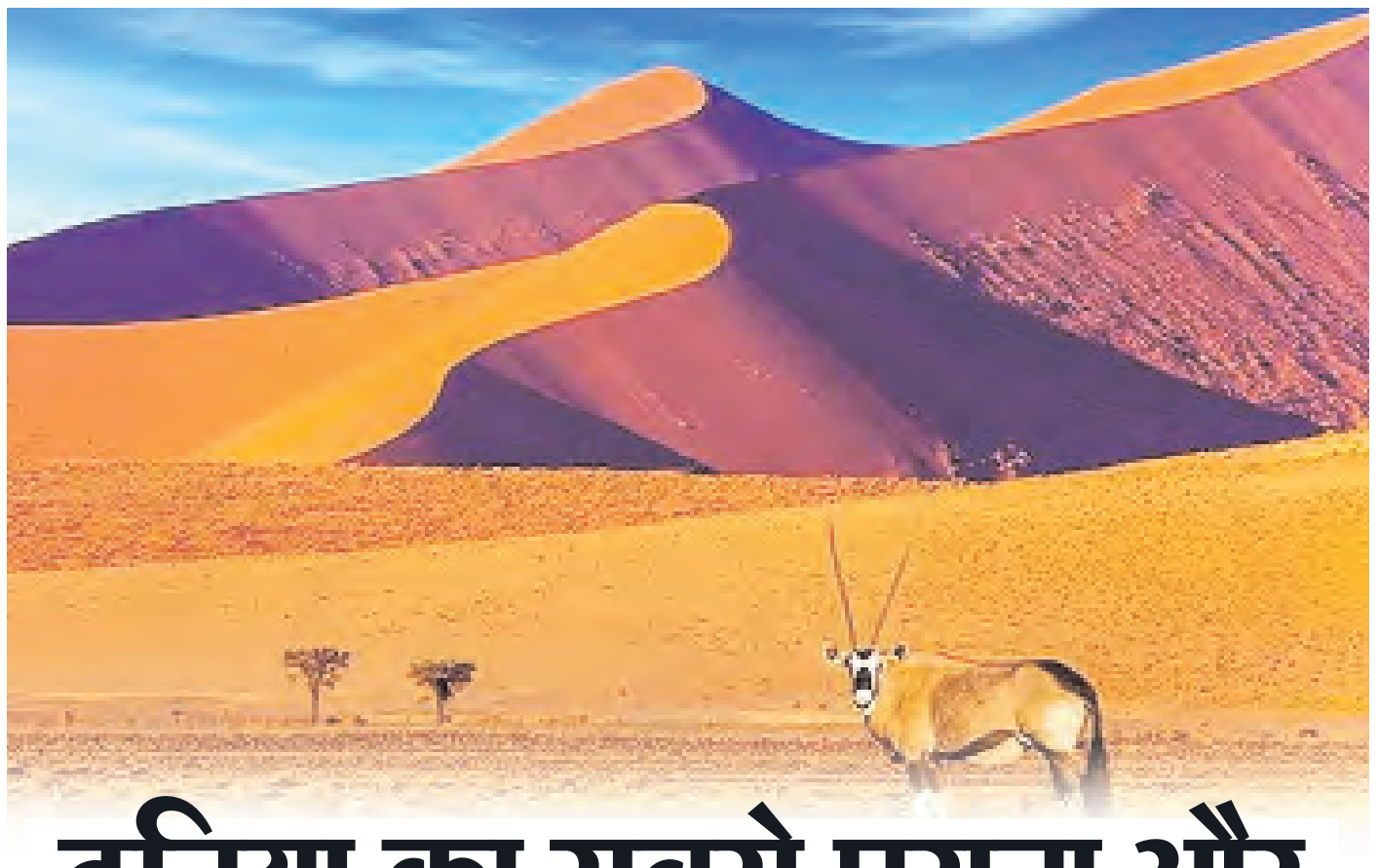

दुनिया का सबसे पुराना और डरावना रेगिस्तान नामीब

रेगिस्तान के बारे में आप बहुत कुछ जानते होंगे, लेकिन आज हम आपको एक अनोखे रेगिस्तान के बारे में बताने जा रहे हैं. इस रेगिस्तान को कुछ लोग नरक का दरवाज़ा कहते हैं तो कुछ कहते हैं कि यहां एलियन आते हैं. बात हो रही है दक्षिण अफ़्रीका के उत्तरी इलाके में फैले दुनिया के सबसे पुराने रेगिस्तान, नामीब मरुस्थल की. यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज़ साइट की लिस्ट में शामिल कर रखा है.

इस रेगिस्तान में लाखों गोलाकार आकृतियां बनती हैं, जिनके बारे में कई बातें मशहूर हैं. कुछ लोगों का कहना है कि ये देवताओं के पैरों के निशान हैं तो कुछ इसे परियों के नाचने से बने निशान बताते हैं. वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यहां पर एलियन आते हैं. वैज्ञानिक भी इन गोलाकार आकृतियों के बनने के रहस्य का पता नहीं लगा पाए हैं.

दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान

5 करोड़ 50 लाख साल पुराने नामीब रेगिस्तान को दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान माना जाता है. वहीं सहारा रेगिस्तान सिर्फ़ 20 से 70 लाख साल पहले का है. इसलिए इसे दुनिया का सबसे सूखा रेगिस्तान भी कहते हैं. यहां पर अटलांटिक महासागर के तट पर एक ऐसा इलाका है जहां कई पुराने जहाज ख़राब पड़े हैं. कंकालों का भी यहां ढेर लगा. दरअसल, यहां पर अटलांटिक की ठंडी लहरों और नमीब रेगिस्तान की गर्म हवा के मिलने से घना कोहरा बनता है.

नरक का दरवाज़ा

इसके कारण पानी के जहाज़ों को इसे पार करने में मुशकिल होती थी. इसलिए वो अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते थे. यहां लगभग 1000 जहाज़ों का मलबा पड़ा है. साथ में इस क्षेत्र में व्हेल मछली के कंकालों की भरमार है. 1486 में पुर्तगाल के मशहूर नाविक डिएगो काओ कुछ समय तक के लिए इस तट पर रुके थे. उन्होंने यहां पर क्रॉस की स्थापना की थी. मगर वो भी यहां ज़्यादा देर तक नहीं रुक पाए थे. यहां से जाते हुए उन्होंने इसे नरक का दरवाज़ा नाम दिया था.

मंगल ग्रह जैसी सतह

रात में यहां काफ़ी तेज़ हवाएं चलती हैं जिसकी वजह से यहां का वातावरण इतना ठंडा हो जाता है कि किसी की भी कुल्फ़ी जम जाए. इन हवाओं के चलते रेगिस्तान में रेत के बड़े-बड़े टीले बनते हैं, जिन्हें ड्यून कहते हैं. लाल रेत के कारण इसकी सतह बिलकुल मंगल ग्रह से मिलती है.

अनोखा आर्ट पीस

एक जर्मन आर्टिस्ट ने यहां पर 2019 में सोलर पॉवर से चलने वाले स्पीकर लगाए थे. इनमें सुपरहिट गाना अफ़्रीका प्ले होता है, जो कहां से संचालित होता है इसकी जानकारी गुप्त है.

तीन देशों में फैला हुआ है

इस रेगिस्तान का वातावरण बहुत गर्म है. इसलिए यहां कोई नहीं रहता. हालांकि, कुछ जीव और पौधे नामीब मरुस्थल में रहते हैं. इनमें ओरिक्स, हिरणों की प्रजातियां, शुतुरमुर्ग और लकड़बग्घा जैसे जीवों के नाम शामिल हैं. नामीब मरुस्थल अंगोला से लेकर नामीबिया तक फैला है. यहां पर रेगिस्तान से अटलांटिक महासागर मिलता है. ये लगभग 81000 Sq Km में और तीन देशों में फैला हुआ है.

कौवे भी समझते हैं जीरो का मतलब नई स्टडी में दावा

कौवे को सबसे चालाक पक्षी माना जाता है। बचपन में आपने चालाक कौवे की कहानी भी पढ़ी होगी, जिसमें एक प्यासा कौवा घड़े में कंकड़ डाल-डाल कर पानी को ऊपर लाता है। फिर अपनी प्यास बुझाता है। भले ही इस पक्षी की खोपड़ी में बहुत छोटा दिमाग हो, लेकिन ये जीरो का मतलब भी समझता है। इस बात का खुलासा हाल ही में एक स्टडी में हुआ है। वैसे जीरो की अवधारणा पांचवीं सदी में या उससे थोड़ा पहले दी गई थी। हालांकि, ये बात काफी हैरान करने वाली है कि कौवे भी इस अवधारणा को समझते हैं। जबकि, ना ही कभी इस पक्षी को जीरो के बारे ट्रेनिंग दी गई है और ना ही पढ़ाया गया है। ऐसे में ये कैसे संभव हो सकता है कि कौवे भी जीरो के बारे में समझते हैं। आइए पहले हम जीरो की अवधारणा को समझते हैं। जीरो में किसी भी अन्य संख्या को जोड़ दिया जाए, घटा दिया जाए, गुणा या भाग कर दिया जाए, लेकिन जीरो का अस्तित्व कभी खत्म नहीं होता है।

जर्मनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ तुबिनजेन में इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोबायोलॉजी में एनिमल फिजियोलॉजी के प्रोफेसर आंद्रिया निएडेर का कहना है कि कोई भी गणितज्ञ जीरो की खोज को बड़ा अचीवमेंट मानते हैं। हालांकि, जीरो के बारे में सबसे खास बात ये है कि आम दिनचर्या की गिनतियों में जीरो कहीं नहीं शामिल होता है। जैसे- अगर किसी बास्केट में तीन सेब रखे हैं तो आप उसे एक, दो, तीन करके गिनेंगे। आंद्रिया निएडेर कहते हैं कि जीरो भले ही खालीपन को भी दर्शाता है, लेकिन कौवे के संबंध में ये बिल्कुल अलग है। अध्ययन के दौरान हमने जितनी बार कौवों के दिमाग को पढ़ने की कोशिश की तो पता चला कि वो अन्य संख्याओं की तरह ही जीरो को भी समझते हैं। कौवों के दिमाग की गतिविधि से ये स्पष्ट है कि वो एक से पहले जीरो को समझता है। द जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस में प्रकाशित इस स्टडी के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने कौवों के दिमाग का अध्ययन करने के लिए दो प्रयोग किए और इसके लिए दो नर कैरियन कौवे शामिल किए गए। एक कंप्यूटर स्क्रीन के सामने कौवों को लकड़ी के टुकड़े पर बिठा दिया गया। हर प्रयोग में कौवों के सामने ग्रे रंग की स्क्रीन आई, जिसमें जीरो और चार काले डॉट्स एकसाथ निकल कर सामने आए। इसके बाद कौवों को दूसरी संख्याओं के साथ भी डॉट्स दिखाए गए। कौवे स्क्रीन पर जैसे ही किसी दो तस्वीर को एक समान देखते, तो वो तुरंत स्क्रीन पर चोंच मारते या फिर उस इमेज के साथ अपना सिर हिलाते। अगर संख्या नहीं मिलती, तो वो चुपचाप बैठे रहते।

साल 2015 में कौवों पर एक स्टडी हुई थी, जिसमें बाई बात सामने आई थी कि कौवे मिलती-जुलती तस्वीरों को और नहीं मिलने वाली तस्वीरों के बीच के अंतर को 75 फीसदी समझ लेते हैं। यह स्टडी प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस में प्रकाशित हुई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, पक्षी नजदीक रखी हुई हर चीजों को मिलाकर देखते हैं या फिर उनके आकार को एक ही मानते हैं। इस प्रक्रिया को न्यूमेरिकल डिस्टेंस इफेक्ट कहा जाता है। लेकिन कौवे जीरो को अन्य संख्याओं से अलग करने में माहिर होते हैं। आंद्रिया निएडेर कहते हैं कि जब दोनों कौवे कंप्यूटर स्क्रीन पर गोल डॉट्स देख रहे थे, तो एक के दिमाग में 500 न्यूरॉन्स में से 233 और दूसरे के 268 न्यूरॉन्स सक्रिय थे। जैसे-जैसे स्क्रीन पर जीरो के अलावा अन्य संख्याएं आने लगी, तो कौवों के न्यूरॉन्स ने सक्रियता कम कर दी और उन्होंने स्क्रीन पर देखना बंद कर दिया। लेकिन जैसे ही जीरो आया वो फिर सक्रिय हो गए। कौवों के लिए जीरो क्या मायने रखता है ये भले ही स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन ये बात तो पुख्ता हो चुका है कि वो जीरो को समझते हैं।

भारत की इन जगहों में छिपे हैं सदियों पुराने राज

भारत विविधता का देश है.यहां ऐसे बहुत सारे रहस्यमयी स्थान हैं, जहां जाकर आपको बेहद अजीब महसूस होगा. जानिए कुछ ऐसी ही अजीबोगरीब रहस्यमयी जगहों के बारे में.

भारत में ऐसे कई जगहें है, जहां की खूबसूरती पूरी दुनिया में प्रचलित है.इन प्रचलित जगहों की खूबसूरती के साथ ही वहां ऐसे कई राज भी हैं, जिन्हें जानने के लिए अक्सर लोग उत्सुक रहते हैं.ऋषि-मुनियों और अवतारों की भूमि 'भारत' एक रहस्यमयी देश है.यहां ऐसी कई कहानियां हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे.भारत में ऐसे बहुत सारे रहस्यमयी स्थान हैं, जहां जाकर आपको बेहद अजीब महसूस होगा.जानिए कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में.

हिमालय

उत्तराखंड में एक ऐसा रहस्यमयी स्थान है, जिसे देवस्थान कहते हैं.इनका केंद्र हिमालय की वादियों में उत्तराखंड में स्थित है.इन दुर्गम क्षेत्रों में स्थूल-शरीरधारी साधारण व्यक्ति नहीं पहुंच सकता है.

सुंदरवन का जंगल

जंगल तो भारत में बहुत सारे हैं लेकिन सुंदरवन का जंगल अपने भीतर कई तरह के रहस्यों को समेटे हुए है.इस जंगल में जिस शांति, रहस्य और रोमांच का अनुभव होता है, वह किसी अन्य जंगल में नहीं होता.कहते हैं कि इन जंगलों में बड़ी तादाद में भूत रहते हैं.

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाओं के बारे में वैज्ञानिक कहते हैं कि ये एलियंस के समूह ने बनाई हैं.आर्कियोलॉजिस्ट के अनुसार, इन्हें कम से कम 4 हजार वर्ष पूर्व बनाया गया था.माना जाता है कि एलोरा की गुफाओं के नीचे एक सीक्रेट शहर है.

महाबलीपुरम

वामन भगवान ने दैत्यराज बली को पृथ्वी का दान इसी स्थान पर दिया गया था.यहां पर विशालकाय और अद्भुत मंदिरों की एक श्रृंखला है, जिसका एक भाग अब समुद्र में समा गया है.यहां सैकड़ों मंदिर और गुफाएं हैं, जो अपने आप में रहस्य हैं.

द्वारिका नगरी

भारत के सबसे प्राचीन नगरों में से एक है द्वारिका.एक समय था, जब लोग कहते थे कि द्वारिका नगरी एक काल्पनिक नगर है.प्रो.राव और उनकी टीम ने 1979-80 में समुद्र में 560 मीटर लंबी द्वारिका की दीवार की खोज की थी.

संक्षिप्त समाचार

बिहार में ग्रामीण घरों को मुफ्त सोलर पैनल, बिजली बिल से मिलेगी मुक्ति

नवहट्टा (सहरसा), एजेंसी। अब ग्रामीण इलाकों में कुटीर ज्योति श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं की छत पर 1.1 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल पूर्णतः निशुल्क (फ्री) लगाया जाएगा, जिसे उपभोक्ताओं की सहमति के उपरांत उनके आवास की छत पर स्थापित किया जाएगा।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य गरीब व वंचित परिवारों को घरेलू बिजली आवश्यकताओं में आत्मनिर्भर बनाना है और उनके बिजली खर्च में कमी लाना तथा राज्य में स्वच्छ, हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

नवहट्टा पावर ग्रिड के कनीय अभियंता ने बताया कि सोलर ऊर्जा के प्रयोग से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक, सुरक्षित एवं टिकाऊ ऊर्जा समाधान भी प्राप्त होगा।

योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपनी सहमति देनी होगी। इसके लिए उपभोक्ता को अपने उपलब्ध मोबाइल नंबर से सुविधा मोबाइल एप पर पंजीकरण कराना अनिवार्य हैं। योजना की जानकारी अथवा सहायता के लिए अपने निकटतम विद्युत कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

भारत सरकार ने 1988-89 में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) ग्रामीण परिवारों के घरों में एकल बिंदु प्रकाश कनेक्शन पहुंचाने के लिए कुटीर ज्योति नामक कार्यक्रम शुरू किया था, ताकि ऐसे गरीब परिवारों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

कुटीर ज्योति कार्यक्रम का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) वाले परिवारों के विद्युतीकरण को बढ़ावा देना है। इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण बीपीएल परिवारों के घरों में एकल बिंदु प्रकाश कनेक्शन का विस्तार करना है।

इस योजना से 1.1 किलोवाट का सोलर प्लांट बिल्कुल मुफ्त लगेगा। इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपनी सहमति देनी होगी।

धर्मावती नदी पर चेक डैम निर्माण शुरू, हजारों एकड़ कृषि भूमि को मिलेगा सिंचाई का लाभ

शाहपुर (आरा), एजेंसी। दियारा क्षेत्र की लाइफलाइन कही जाने वाली धर्मावती नदी पर चेक डैम निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। भूमि पूजन के साथ लघु सिंचाई विभाग द्वारा सरना गांव के समीप इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत की गई। करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस चेक डैम से क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

चेक डैम के निर्माण से आसपास के कई गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और लगभग तीन से चार हजार एकड़ कृषि योग्य भूमि की सालभर सिंचाई संभव हो सकेगी। सबसे अहम बात यह है कि चेक डैम के निर्माण के बाद क्षेत्र का भूगर्भीय जलस्तर भी संतुलित बना रहेगा।

वर्तमान में वर्षा के समय नदी में भरपूर पानी रहता है, लेकिन बारिश खत्म होते ही पानी गंगा नदी में बह जाने से धर्मावती नदी गर्मियों में सूख जाती है। बचे हुए पानी में सेवार और जलकुंभी भर जाने से नदी अनुपयोगी हो जाती है। चेक डैम बनने के बाद वर्षा जल पूरी तरह से नहीं बहेगा, जिससे पानी का असर लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र तक पड़ेगा। नदी के दोनों किनारों के किसान पंपसेट व बिजली चालित मोटर के माध्यम से सालभर सिंचाई कर सकेंगे। साथ ही क्षेत्र में जल संकट की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। इसके अलावा सरना गांव के समीप धर्मावती नदी पर स्थायी पुल नहीं होने के कारण हजारों लोगों को बांस-बल्ले से बने अस्थायी चाचर पुल के सहारे आवागमन करना पड़ता है, जो बाढ़ के समय बह जाता है। चेक डैम बनने से इस समस्या में भी आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। लघु सिंचाई विभाग के अभियंता ऋषि कुमार ने बताया कि नदी में पानी का स्तर कम होते ही चेक डैम का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर किया जाएगा। चेक डैम की लंबाई 42 मीटर, चौड़ाई 27 मीटर तथा ऊंचाई करीब 5 मीटर होगी।

पूर्व विधायक अमन पासवान और जदयू नेता हीरालाल गिरफ्तार, 16 साल पुराने मामले में कार्रवाई

भागलपुर, एजेंसी। आदर्श चुनाव आचार संहिता से जुड़े 16 साल पूर्व के केस में पीरपैंती के पूर्व भाजपा विधायक एवं तत्कालीन जिला पार्षद अमन पासवान और जदयू नेता हीरालाल पासवान को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश ने न्यायिक हिरासत में लिया है। दोनों नेताओं को जेल भेजे जाने की दस्तावेजी कवायद शुरू कर दी गई है।

प्रथम पाली की सुनवाई में विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार पांडेय ने मंगलवार को आत्मसमर्पण कर जमानत की मांग करने वाले दोनों की अर्जी अस्वीकार करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में ले लिया। दोनों नेताओं के विरुद्ध विशेष न्यायालय ने पूर्व की सुनवाई में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण बंध पत्र रद करते हुए गैर जमानती वारंट जारी कर रखा था।

उनके विरुद्ध 16 साल पूर्व अंतिचक थाने में दर्ज इस केस की सुनवाई लंबित चली आ रही थी। बयान पर केस रिकॉर्ड के होने के बावजूद दोनों उपस्थित नहीं हो रहे थे।

नतीजा विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने 24 दिसंबर 2025 को उनका बेलबांड कैंसिल करते हुए गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। मंगलवार को दोनों आरोपित नेता न्यायालय में आत्मसमर्पण कर जमानत देने का अनुरोध अर्जी दी जिसे न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया। मालूम हो कि नौ सितंबर 2010 को तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहलगांव के अंतिचक थाने में दोनों नेताओं के विरुद्ध आदर्श चुनाव आचार संहिता का केस दर्ज कराया था। दर्ज केस में जानकारी दी गई थी कैसे दोनों नेताओं ने सरकारी खंभे आदि में प्रचार पोस्टर बैनर लगा आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया था।

पप्पू यादव को 31 साल पुराने धोखाधड़ी मामले में मिली जमानत, मगर जेल में ही रहना होगा: पटना, एजेंसी। 31 वर्ष वाले पुराने धोखाधड़ी के मामले में पप्पू यादव को सिविल कोर्ट से जमानत मिल गई है। हालांकि, उनको अभी जेल में ही रहना होगा। बुद्धा कॉलोनी कांड संख्या 72/26 में न्यायिक हिरासत के तहत वह जेल में ही रहेंगे। इस मामले में जमानत पर सुनवाई कल होगी।

क्या है पूरा मामला?

पप्पू यादव पर धोखाधड़ी का ये मामला साल 1995 का है। यह पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का नाम विनोद बिहारी लाल है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि पप्पू यादव और उनके सहयोगियों ने धोखे से उनका मकान किराए पर लिया और बाद में उस पर कब्जा कर लिया। इस केस में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक धमकी और साजिश जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं।

कांग्रेसियों को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष-प्रभारी से नाराजगी

गयाजी, एजेंसी। गयाजी में बिहार प्रदेश कांग्रेस एक बार फिर अपने सबसे कठिन दौर से गुजरती नजर आ रही है। शीर्ष नेतृत्व के तमाम दावों के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि पार्टी राज्य में अपनी सबसे कमजोर स्थिति में खड़ी है। कांग्रेस के अंदर ही जिम्मेदार पदों पर बैठे कुछ चेहरों की कार्यशैली को इस बदहाली की बड़ी वजह मानी जा रही है, जो वर्षों से संगठन की दिशा तय कर रहे हैं। यह बातें खगड़िया के पूर्व विधायक छत्रपति यादव ने गयाजी के सर्किट हाउस में मीडिया के समक्ष कहीं।

खगड़िया के पूर्व विधायक ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद यह असंतोष और गहरा गया। चुनाव के दौरान और बाद में हुई कथित गड़बड़ियों की चर्चा आज भी आम कांग्रेसजनों के बीच होती है। कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर समय रहते संगठनात्मक सुधार किए जाते, तो हालात इतने खराब नहीं होते। लेकिन आलाकमान तक बात पहुंचाने के तमाम प्रयासों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने से निराशा बढ़ती चली गई।

इसी नाराजगी और उपेक्षा के माहौल के बीच अब समर्पित कांग्रेसियों ने एकजुट होने का फैसला किया है। संगठन को नई दिशा देने और अपनी आवाज को मजबूती से शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी तक पहुंचाने के लिए 17 मार्च 2026 को पटना में एक महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 7 फरवरी 2026 से प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत कर दी गई है।

बिहार के प्रभारी रहे कृष्णा वलरू और कांग्रेस के प्रदेश के अध्यक्ष राजेश राम पर आरोप: इस अभियान में एआईसीसी सदस्य नागेंद्र पासवान विकल, पूर्व युवा अध्यक्ष, पूर्व महासचिव प्रदेश कांग्रेस सहित कई वरिष्ठ नेता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि यह महासम्मेलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संगठन को बचाने और कांग्रेस की खोई साख लौटाने की पहल है।

उन्होंने कहा कि पटना में आयोजित होने वाले सम्मेलन की आवाज किसी षड्यंत्र की वजह से नहीं पहुंचती है तो दिल्ली में पुराने कांग्रेसी अपनी आवाज बुलंद करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक ने बिहार के प्रभारी रहे कृष्णा वलरू व कांग्रेस के प्रदेश के अध्यक्ष राजेश राम पर पैसे लेकर टिकट देने का आरोप खुलकर लगाया। कहा कि पार्टी को डुबोने में इन दो लोगों का अहम हाथ है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर इस महासम्मेलन के जरिए पार्टी के भीतर दबे असंतोष को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में बिहार कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। फिलहाल सबकी निगाहें 17 मार्च पर टिकी हैं। जब पटना में जुटने वाले समर्पित कांग्रेसी यह तय करने की कोशिश करेंगे कि पार्टी की आगे की राह क्या हो।

महागठबंधन के विधायकों का सदन में हंगामा, स्पीकर ने रोका तो वॉकआउट कर गए

पटना , एजेंसी। बिहार विधान मंडल परिसर में विपक्ष के विधायकों ने नीतीश सरकार को बढ़ते अपराध के मुद्दे पर फिर से घेरने की कोशिश की। विधानसभा के अंदर और बाहर विपक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया।

विधान परिषद में भी विपक्ष का प्रदर्शन

विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने से पहले राजद के एमएलसी प्रदर्शन करने लगे। सभी नेता सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफा की मांग करने लगे। राजद एमएलसी अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सोमवार को जिस तरह से उच्च सदन में सीएम नीतीश कुमार ने बर्ताव किया, उससे स्पष्ट हो गया कि वह अपने होश में नहीं है। वह अस्वस्थ हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के साथ राबड़ी देवी के साथ जैसा व्यवहार किया, वह गलत है। जनता ने सबकुछ देखा। अब उन्हें कुर्सी छोड़ देनी चाहिए।

वॉकआउट: विपक्ष के हंगामा को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने मार्शल को बुलाया और उन्हें राजद विधायक गौतम कृष्ण के हाथों से पोस्टर लेने को आदेश दिया। उन्होंने कहा कि आप लोग शांति बनाए रखे। आपको शून्यकाल में अपनी बात रखने का मौका भी मिलेगा। लेकिन, विपक्ष के विधायक नहीं मानें और सदन के वॉकआउट कर बाहर निकल गए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी विपक्ष के साथ उलझन में हैं। वह सरकार से जो जवाब मांग रहे हैं, उसका जवाब तो सरकार दे ही रही है। लेकिन, यह लोग सदन चलने देना नहीं चाहते हैं।

विपक्ष के विधायकों ने किया

एक महीने से जलापूर्ति बंद, नगर परिषद कार्यालय का घेराव

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के ताजपुर नगर परिषद के वार्ड-27 में पिछले एक महीने से जलापूर्ति ठप है। परेशान होकर स्थानीय महिलाओं ने नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया। कार्यपालक पदाधिकारी जुल्फेकार अली प्यामी के कार्यालय में अनुपस्थित रहने पर महिलाओं ने नारेबाजी भी की।

महिलाओं ने बताया कि नल-जल योजना की समस्या के कारण वार्ड के लगभग 1000 परिवार प्रभावित हैं। सूचना मिलने पर भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह, राजद नेता दीपक यादव और वार्ड पार्षद अशोक राय कार्यालय पहुंचे। उन्होंने महिलाओं की समस्या सुनी और संबंधित स्टाफ के माध्यम से अधिकारियों से फोन पर बात की। अधिकारियों ने दो दिनों के भीतर सबमर्सिबल पंप को ठीक कराकर या नया लगाकर जलापूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है। भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने चेतावनी दी कि यदि दो दिनों में जलापूर्ति शुरू नहीं की जाती है, तो 12 फरवरी को भाकपा माले के बैनर तले चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा।

पानी के लिए भटकना पड़ रहा: इस मौके पर अनीता कुमारी, मीरा कुमारी, अनूपी कुमारी, भोली देवी, रीना देवी और पूनम देवी सहित कई महिलाएं मौजूद थीं। नगर परिषद अध्यक्ष अनीता देवी ने बताया कि उन्हें वार्ड 27 में जलापूर्ति ठप होने की सूचना मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अधिकारियों से बात कर सबमर्सिबल की जांच कराई जाएगी और जल्द ही जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जलापूर्ति शुरू करने की मांग की है।

गयाजी में किशोर लापता, बिना बताए घर से निकला था

गया, एजेंसी। गयाजी शहर के चंदौती थाना क्षेत्र के कुजापी गांव से एक 15 वर्षीय किशोर रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। लापता किशोर की पहचान कुजापी गांव निवासी संतोष सिंह के बेटे आदर्श सिंह के रूप में हुई है। पिता ने चंदौती थाने में अपने बेटे की सकुशल बरामदगी के लिए लिखित आवेदन दिया है। संतोष सिंह ने पुलिस को बताया कि आदर्श सिंह घर पर ही था और अचानक बिना किसी को बताए निकल गया। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। पिता संतोष सिंह के अनुसार, उन्होंने अपने सभी रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के लोगों से संपर्क किया, लेकिन किसी ने भी आदर्श के उनके यहां आने या होने की पुष्टि नहीं की। परिजनों का कहना है कि आदर्श का किसी से कोई विवाद या दुश्मनी नहीं थी, जिससे यह मामला और अधिक रहस्यमय बन गया है।

पुलिस ने मामला दर्किया: घटना की सूचना मिलते ही चंदौती थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और लापता किशोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के इलाकों में खोजबीन कर रही है और संभावित स्थानों पर पूछताछ भी की जा रही है। परिजनों ने प्रशासन और आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी आदर्श सिंह के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत चंदौती थाना या उसके परिवार को सूचित करें, ताकि किशोर को सुरक्षित घर वापस लाया जा सके।

बिहार में नशे में धुत प्रखंड प्रमुख गिरफ्तार, जांच में 87% एल्कोहल की पुष्टि.. युवाओं से मारपीट का आरोप

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया जिले के जलालगढ़ थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. जलालगढ़ प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर उर्फ भिखारी यादव शराब के नशे में धुत होकर कुछ युवकों से मारपीट करते दिखे. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रखंड प्रमुख और कुछ लड़कों के बीच हाथापाई साफ नजर आ रही है. घटना रविवार शाम स्टेडियम के पास हुई, जहां एक युवक दौड़ने आया था और इसी दौरान नशे में प्रखंड प्रमुख ने उससे झगड़ा शुरू कर दिया.

मुखिया प्रतिनिधि ने दी पुलिस को सूचनाः जलालगढ़ के मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार दास ने मौके पर पहुंचकर इस मारपीट को देखा और तुरंत जलालगढ़ थाना को सूचना दी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर और मुखिया प्रतिनिधि

राजकुमार दास दोनों को घटनास्थल से नियंत्रित किया. दोनों को उत्पाद विभाग थाना पूर्णिया ले जाया गया, जहां उनकी जांच कराई गई. मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि प्रखंड प्रमुख नशे की हालत में बेवजह युवकों से उलझ रहे थे.

जांच में 87% अल्कोहल की पुष्टिः उत्पाद विभाग थाना के एएसआई दयानंद सिंह ने मेडिकल जांच कराई. जांच रिपोर्ट में प्रखंड प्रमुख निखिल किशोर के शरीर में 87 प्रतिशत अल्कोहल की मात्रा पाई गई, जबकि मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार दास का अल्कोहल स्तर 0 प्रतिशत निकला.

शराबबंदी कानून का उल्लंघनः जांच से स्पष्ट हुआ कि प्रखंड प्रमुख पूरी तरह नशे में थे. पुलिस ने इस आधार पर उन्हें शराबबंदी कानून के उल्लंघन में गिरफ्तार किया. ऐसे में जनप्रतिनिधि द्वारा बार-बार शराबबंदी का उल्लंघन सवाल खड़े कर रहा है.

जलालगढ़ थाना में दर्ज हुआ मामलाः उत्पाद विभाग थाना के एएसआई दयानंद सिंह ने कहा कि जांच के बाद जलालगढ़ थाना पुलिस ने प्रखंड प्रमुख को अपने साथ ले जाकर आगे की कार्रवाई शुरू की. उनके खिलाफ कांड संख्या 05/2026 के तहत धारा 37 (1) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नशे में हंगामा करने के आरोप में कार्रवाई की गई है.

बिहार के इस जिले में करीब 1 लाख किसानों को लग सकता है झटका, पीएम सम्मान निधी पर लटकी तलवार

संवाद सहयोगी, सहरसा। वर्तमान समय में जिले के दो लाख 28 हजार 185 किसान प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन और कृषि विभाग की तमाम कोशिशों के बावजूद अबतक मात्र 1,28,659 किसानों का ही फार्मर रजिस्ट्रेशन हो सका है। शेष बचे लगभग किसानों के स्वयं के नाम पर जमाबंदी नहीं है। वे लोग पुश्तैनी जमीन पर वंशवृक्ष के आधार पर योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

ऐसे में सरकार के निदेशानुसार रजिस्ट्रेशन में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। इन कारणों से अबतक बड़ी मुश्किल से लगभग 60 प्रतिशत किसानों का निबंधन हो पाया है। इसे निर्धारित अवधि में पूरा किया जाना संभव भी नहीं है।

अगर सरकार द्वारा इस आदेश में ढील नहीं दी गई तो जिले के इन 99 हजार से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि के साथ- साथ अन्य कृषि योजनाओं से भी वंचित होना पड़ सकता है।

फार्मर कार्ड के लिए किसानों को ई केवाईसी तथा किसान निबंधन आवश्यक है। सरकार के घोषणानुसार इसके आधार पर भी किसानों को सम्मान निधि और अन्य

सरकारी योजना का लाभ प्राप्त होगा। ई केवाईसी तो आसानी से हो रहा है, परंतु स्वयं के नाम पर जमाबंदी नहीं रहने से किसान रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है।

अधिकांश किसानों के पास पुश्तैनी व पूर्वजों के नाम जमीन व जमाबंदी कायम है। पूर्व के वंशज के नाम जमीन में नई पीढ़ी के लोग आपसी बंटवारा के तहत जोत आबाद कर गुजारा तो कर रहे हैं, परंतु जनसंख्या बढ़ने व सभी के नाम अलग-अलग जमाबंदी कायम नहीं के बराबर है। बंटवारा की प्रक्रिया तत्काल पूरा करना कठिन है। ऐसे में निर्धारित अवधि में किसान रजिस्ट्रेशन संभव नहीं है। अगर सरकार ने प्रावधान में तब्दीली नहीं किया, तो जिले के बड़ी संख्या में किसान सम्मान निधि व कृषि संबंधी अन्य योजनाओं से वंचित हो सकते हैं।

बीटेक ग्रेजुएट ने मुर्गी पालन से बदली तकदीर, 50 हजार का लोन लेकर किया बिजनेस, 6 लाख तक इनकम

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के तारडीह के पुतई की रूपा कुमारी मुर्गी पालन से ग्रामीण उद्यमिता की मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिकी सुदृढ़ की है, बल्कि सफल 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान स्थापित की हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी से बीटेक की डिग्री हासिल की।

वर्ष 2017 में विवाहोपरांत मायके बहेड़ी से गांव पहुंची रूपा के सामने रोजगार और पहचान की चुनौती थी। पारंपरिक घरेलू भूमिका तक सीमित रहने के बजाय उन्होंने आत्मनिर्भर बनने का रास्ता चुना। इस क्रम में गांव के सुमन जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं, जहां समूह की बैठकों और दीदियों के अनुभवों ने उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित किया।

जीविका के सहयोग से रूपा ने 50 हजार रुपये का ऋण लेकर बायलर प्रजाति की मुर्गी

के पालन की शुरुआत की। उनके पति सुधीर कुमार सिंह ने मुजफ्फरपुर स्थित प्रशिक्षण केंद्र से छह माह का मुर्गी पालन प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिससे दंपती को बेहतर समझ मिली।

वर्तमान में रूपा अपने फार्म में लगभग 2,500 बायलर मुर्गियों का पालन कर रही हैं। इस व्यवसाय से उन्हें पांच से छह लाख रुपये की वार्षिक आय हो रही है।

पशुधन प्रबंधक श्रेया शर्मा ने भी रूपा कुमारी को मुर्गी पालन से संबंधित तकनीकी जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। श्रेया ने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन, समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार एवं स्वच्छता के माध्यम से उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि संभव है।

रूपा को दरभंगा के रानीपुर रोड स्थित डीएस एग्रावेट कंपनी से उन्हें 87 रुपये प्रति चूजा की दर से चूजे उपलब्ध कराए जाते हैं। 36 से 45 दिनों के पालन-पोषण के बाद मुर्गों का औसत वजन करीब दो किलोग्राम हो जाता है, जिसे कंपनी द्वारा वापस खरीद लिया जाता है।

साफ-सफाई, संतुलित आहार, दवा प्रबंधन और तापमान नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के कारण उनका फार्म निरंतर बेहतर उत्पादन दे रहा है। भविष्य की योजना के बारे में रूपा ने बताया कि मुर्गी पालन की दो और यूनिट स्थापित करने की तैयारी में हैं।

नई यूनिट के बाद वे एक साथ लगभग 10 हजार मुर्गों का पालन करेंगी, जिससे उनकी आय में और वृद्धि होने की संभावना है। नई यूनिट की स्थापना के लिए उन्होंने अपने व्यवसाय से हुए लाभ और बचत की राशि को जोड़ा है। इसके साथ ही जीविका के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण के लिए आवेदन दिया है।

साथ ही पीएमएफएमई योजना एवं मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत भी आवेदन किया है, ताकि व्यवसाय का विस्तार कर आजीविका को और अधिक सशक्त व स्थायी बनाया जा सके।

विचार-मंथन

संपादकीय

बांग्लादेश में अराजकता का दौर कब रूकेगा?

5 अगस्त 2024 से पड़ोसी बांग्लादेश में अराजकता का दौर अब भी जारी है। जेल में बंद बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और अवामी लीग नेता रमेश चंद्र सेन की मौत हो गई है। उन्होंने देश के शीर्ष हिंदू नेताओं में गिना जाता था, जो शेख हसीना की सरकार में जल संसाधन मंत्री रहे चुके थे। पांच बार के सांसद सेन ने साल 2024 में अपना आखिरी चुनाव जीता था। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, रमेश चंद्र सेन को 7 फरवरी शनिवार सुबह करीब 9.10 बजे तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेन की मौत ने जेल में रखे गए अवामी लीग के सीनियर नेताओं और पूर्व मंत्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले दिनों एक और हिंदू युवक की निर्मम हत्या के बाद भारत में उसकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं का नरसंहार किसी को नहीं दिख रहा है। कुछ दिन पहले विश्व हिंदू परिषद ने देश भर में बांग्लादेश ने एक हिंदू युवक दीपूचंद्र दास की हत्या की हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन किए थे। इस दौरान कोलकाता स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के ऑफिस पर प्रदर्शन के दौरान वहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं। इस प्रदर्शन बांग्लादेश सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की थी। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अब हर जगह भीड़तंत्र को हवा दी जा रही है। भीड़ चाहे जिसे अपराधी मानकर सजा ए मौत दे रही है। यह नैसर्गिक न्याय के भी विरूद्ध है, क्योंकि इसमें आरोपी को अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिलता। ऐसे में मामलों में किसी को जिम्मेदार ठहराना भी मुश्किल है। इस भीड़तंत्र को हर हाल में रोकना जरूरी है। सभी सरकारों और प्रशासन की यह संवै?धानिक जिम्मेदारी है कि वो अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और कानून के हिसाब से राज चलाएं ताकि सभी नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास कायम रहे।

क्या देश की राजधानी में आपात स्वास्थ्य व्यवस्था फेल हो रही है?

यह अक्सर देखने में आता है कि अगर कहीं सड़क पर दुर्घटना हो जाए या फिर घर पर किसी व्यक्ति की तबीयत ज्यादा बिगड़ जाए, तो एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती है। प्राथमिक उपचार के इंतजार में कई बार मरीज की जान चली जाती है।बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपचार की किफायती और सुलभ सुविधाएं मनुष्य की बुनियादी जरूरत है। इनमें चिकित्सक की उपलब्धता, समय पर सस्ते दामों में दवाएं मुहैया कराना और आपातकालीन देखभाल शामिल हैं, ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। अगर व्यवस्था में इन जरूरी सुविधाओं का अभाव हो, तो विकास के दावों का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। देश की राजधानी दिल्ली की एक ऐसी ही तस्वीर सामने आई है। दिल्ली सरकार की जन्म और मृत्यु पंजीकरण पर वार्षिक रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में राष्ट्रीय राजधानी में एक लाख उनचालीस हजार से अधिक लोगों की मौत हुई, जिनमें से 34.84 फीसद लोगों की मौत घर पर ही हुई। सवाल है कि आज के दौर में जब लोग मामूली तकलीफ होने पर भी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों का रुख करते हैं, तो ऐसी क्या वजह है कि इतनी बड़ी संख्या में मौत घर पर ही हो जाती है? जाहिर है, इसके पीछे स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता समय पर न मिलना भी एक बड़ा कारण हो सकता है। इस बात पर गौर करना जरूरी है कि आने वाले दिनों में भारत के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच अगर चिकित्सा सहायता न मिलने से लोगों की जान जा रही है, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल है। हैरत की बात है कि आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का दम भरने वाली दिल्ली के लोग स्वास्थ्य को लेकर आपात परिस्थिति में खुद को असहाय महसूस करते हैं। यह अक्सर देखने में आता है कि अगर कहीं सड़क पर दुर्घटना हो जाए या फिर घर पर किसी व्यक्ति की तबीयत ज्यादा बिगड़ जाए, तो एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती है। प्राथमिक उपचार के इंतजार में कई बार मरीज की जान चली जाती है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि किसी मरीज को अस्पताल में बिस्तर खाली नहीं होने की वजह से भर्ती नहीं किया गया।

विगत 13 फरवरी 2014 को हुए झगड़े ने अध्यक्ष को कक्ष से भागने पर मजबूर कर दिया और कई सांसदों को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में प्रदर्शनकारी सांसद ने विरोधियों पर मिर्च स्प्रे फेंका था। कांच की मेज को तोड़ा माइक्रोफोन का तार तोड़ दिया था। विगत जनवरी 1988 को एमजी रामचंद्रन की विधवा जानकी के समर्थकों तथा जे. जयललिता के समर्थकों के मध्य हाथापाई हुई जिसमें 20 विधायकों को चोटें आई थीं।

सदन की घटनाओं से तार-तार होता राष्ट्रीय चरित्र

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमानियों का बाहुल्य होता जा रहा है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा तक में राष्ट्रीय चरित्र का निरंतर पतन हो रहा है। गुण्डागिरी का ऊपर उठता ग्राफ, अपशब्दों की बौछार और आक्रमण के लिए उन्मादी भीड के दृश्य किसी मवाली मंडी के मानिन्द सामने आ रहे हैं। हाथपाई, मारपीट और गालीगलौज से ऊपर उठकर प्राणघातक हमले तक बात पहुंच चुकी है। इन सबके मध्य अब महिलाओं को हथियार बनाकर राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को भी नस्तनाबूत करने के लिए भी राजनैतिक दलों ने अब कमर कस ली है। संसद के अन्दर का वातावरण अब असुरक्षा के प्रदूषण से इतना भर गया है कि वहां पर सम्मान की सांसें लेने में बेहद कठिनाई होने लगी है। सभापति का पद भी निर्विघ्न रूप से कीचड उछाला जाता रहा है। राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति तक की संवैधानिक गरिमा पतन के गर्त में पहुंचती जा रही है। मतभेदों की वैचारिक भिन्नता अब मनभेद का संघर्ष बन चुका है। संसद के बाहर षडयंत्र करने वाले अब अन्दर का सम्मान भी मिट्टी में मिलाने पर तुल गये हैं। ढीठता की चरम सीमा पर पहुंचने वाले अनेक राजनेताओं का नंगा नाच अब सडकों पर भी मनोरंजन का कारक बनता जा रहा है। खतरनाक आपराधिक घटनाओं में आरोपी बने लोग जब संसद में जनप्रतिनिधि बनकर पहुंचेंगे, तो उनकी मानसिक गंदगी से वहां भी गैगवार जैसी स्थितियां पैदा होना स्वाभाविक ही है। राजनैतिक दलों में बाहुबलियों, भीडबलियों, धनबलियों, गैगबलियों सहित माफियों को बेधडक सम्मान देने की परम्परा अब बेहद तेजी से आगे बढ रही है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की दहशत को लोकप्रियता का नया मापदण्ड माना जाने लगा है। घोटालेबाजों की सम्पत्ति ही उन्हें प्रतिष्ठा के नये सोपान तय करा रही है। माफियों के गिरोहों की दखलंदाजी अब कार्यपालिका के दफ्तरों से लेकर सदन के अन्दर तक हो चुकी है। नियम, कानून, व्यवस्था जैसे शब्द केवल निरीह लोगों पर ही कहर बनकर टूट रहे हैं। देश का नाम दुनिया के भाल पर भले ही चमकता दिख रहा हो परन्तु अन्दर के हालातों को विस्फोटक बनाने में लगे उत्तरदायी लोगों के समूह अब आत्मघाती दस्ते बनकर विदेशी षडयंत्र को अमली जामा पहनाने में तेजी से जुट गये हैं। साइबर युग में अतीत की इबारत से लेकर वर्तमान के क्रियाकलापों तक का आइना खुलकर सामने आ चुका है। ऐतिहासिक घटनाओं को विकृत करके इतिहास लिखवाने वालों तक को पोल खुल चुकी है। सत्य को झुठलाकर षडयंत्र को विकसित करने वालों ने लम्बे समय तक देश को अंधकार में रखा और राज्य किया। गुलामी की आदतों में जकडे नागरिकों को शाब्दिक स्वतंत्रता का सब्जबाग दिखाकर गोरों ने केवल सत्ता के चेहरों को ही बदला था। सब कुछ यथावत ही रहा था। चन्द लोगों के द्वारा स्वीकार की गई अंग्रेजियत को समूचे देश पर थोपा गया। विलायती संस्कृति के आगे परम्परागत संस्कारों को दास बना दिया गया। शिक्षा से लेकर चिकित्सा तक, न्यायालयों से लेकर संस्थानों तक और धरती से लेकर आसमान तक पाश्चात्य की जडें मजबूत करने की षडयंत्रकारी योजनायें आज दावानल बनकर देश को निगल रहीं है। लोकतंत्र के मंदिर को भी देश के अन्दर बैठे मीरजाफरों की फौज विखण्डित करने पर तुली है। उदाहरण के तौर पर देखें तो विगत 26 अगस्त 2006 को लोकसभा में हुई जेडीयू और आरजेडी के मध्य हाथापाई हुई। विगत 24 नवंबर 2009 को राज्यसभा में अमर सिंह और अहलूवालिया के मध्य हाथापाई हुई। विगत 5 सितंबर 2012 को राज्यसभा में बीएसपी सांसद अवतार सिंह और एसपी सांसद नरेश अग्रवाल के मध्य हाथापाई हुई। विगत 13 फरवरी 2014 को हुए झगड़े ने अध्यक्ष को कक्ष से भागने पर मजबूर कर दिया और कई सांसदों को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में प्रदर्शनकारी सांसद ने विरोधियों पर मिर्च स्प्रे फेंका था। कांच की मेज को तोड़ा माइक्रोफोन का तार तोड़ दिया था। विगत जनवरी 1988 को एमजी रामचंद्रन की विधवा जानकी के समर्थकों तथा जे. जयललिता के समर्थकों के मध्य हाथापाई हुई जिसमें 20 विधायकों को चोटें आई थीं तथा 100 से अधिक माइक टूट गए और कई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हो गईं। विगत 26 मार्च 1989 को तमिलनाडु विधानसभा में जयललिता पार्टी के सदस्यों और करुणानिधि के डीएमके के विधायकों के बीच हिंसा भड़क उठी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विगत 16 दिसम्बर 1993 को सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच हुई हाथापाई में अध्यक्ष केसरी नाथ त्रिपाठी सहित 33 विधायक घायल हो गए थे। यहीं पर 21 अक्टूबर 1997 को फिर आक्रामण की घटना हुई जिसमें लगभग 50 सदस्य घायल हो गए थे। इस घटना में माइक्रोफोन स्टैंड, पेपरवेट, कांच के टुकड़े और फर्नीचर का खुलकर प्रयोग हुआ था। इसी तरह 14 सितंबर 2007 को कांग्रेस विधायक भीष्म शर्मा ने भाजपा के मुख्य सचेतक साहब सिंह चौहान पर शारीरिक हमला किया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर 11 दिसंबर 2012 को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के विधायकों के बीच हाथापाई हुई। तमिलनाडु विधानसभा में भी 2013 में मुक्केबाजी हुई। केरल के विधायकों ने 13 मार्च 2015 में तोड़ीं कुर्सियां, माइक फेंके और मेजों पर चढ़ गए। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 28 अगस्त 2015 को कांग्रेस और विपक्षी भाजपा विधायकों के बीच मारपीट हुई। तमिलनाडु में 18 फरवरी 2017 को तमिलनाडु विधानसभा में राज्य विधायकों द्वारा हिंसा और बर्बरता की घटनाएं हुईं। गुजरात विधानसभा विगत 14 मार्च 2018 को प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर थप्पड़ और लात-घूंसे बरसाए, माइक्रोफोन भी तोड़े। हरियाणा विधानसभा में 11 सितंबर 2018 को विपक्ष के नेता और इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अभय चौटाला और कांग्रेस विधायक करण सिंह दलाल के बीच अभूतपूर्व लड़ाई देखी गई। बिहार विधानसभा में 24 मार्च 2021 को विपक्षी विधायकों के विरोध के कारण सदन में अभूतपूर्व हंगामा हुआ जिसके बाद स्पीकर के कक्ष की घेराबंदी करने वाले विधायकों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को बुलाना पडा। कर्नाटक विधानसभा में 16 फरवरी 2022 को सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच हाथापाई हुई। पश्चिम बंगाल विधानसभा में 24 मार्च 2022 को बजट सत्र हाथापाई के साथ समाप्त हुआ जिसमें विधानसभा में टीएमसी और भाजपा विधायकों के बीच हुई मारपीट हुई। महाराष्ट्र विधानसभा में विगत 1 मार्च 2024 को विधान भवन के गलियारे में बड़ी हाथापाई हुई। जम्मू कश्मीर विधानसभा में 7 नवंबर 2024 को विधायकों के बीच हाथापाई हुई और अभी हाल ही में देश की राजधानी का सदन प्रधानमंत्री पर हमले को आमादा विपक्ष की महिला सांसदों की घटना का गवाह बना। यह तो मात्र बानगी है, वास्तविक आंकडे तो इससे कहीं बहुत अधिक हैं। ऐसी घटनायें ही देश के राष्ट्रीय चरित्र को किसी षडयंत्र के तहत तार-तार करने में तेजी से आगे बढती प्रतीत हो रहीं हैं।

मशीन विवेक कहां से लाएगी? तकनीक आगे बढ़ेगी, पर फैसला इंसान ही करेगा

(देवेश त्रिपाठी)

विवेक एक ऐसा अद्वितीय मानवीय कौशल है, जिसका स्वचालन नहीं किया जा सकता, निकट भविष्य में तो बिल्कुल नहीं। कॉलेज के दिनों में मुझे मध्यकालीन अध्ययन के एक सेमिनार में शामिल होने का अवसर मिला। विषय था-ब्रिटिश कॉमन लॉ की उत्पत्ति। वहां मैंने जाना कि 14वीं सदी के इंग्लैंड में न्यायाधीश किस तरह संपत्ति से जुड़े विवादों का निपटारा करते थे। जब गवाहों के बयान आपस में टकराते और दस्तावेज अधूरे या अस्पष्ट होते थे, तब न्यायाधीश अपनी तार्किक क्षमता और विवेक का इस्तेमाल करके निर्णय लेते थे। उस सेमिनार की सीख आज भी मेरे काम आती है। वह मुझे पढ़ने, शोध करने और विश्लेषण करने वाली गहरी शिक्षा की अहमियत की याद दिलाती है। मेरी कॉलेज की शिक्षा ने मुझे यह नहीं सिखाया कि 'क्या सोचना है', बल्कि यह सिखाया कि 'कैसे सोचना है'। तकनीकी प्रभुत्व वाली इस दुनिया में रणनीतिक और वित्तीय फैसले लेते समय यही नजरिया सबसे ज्यादा कारगर साबित होता है। आज जितनी भी बोर्डरूम चर्चा होती है, हरेक के केंद्र में एआई होता ही है। निस्संदेह एआई परिवर्तनकारी साबित होगा। फिर भी, बहुत कुछ ऐसा भी है, जो बिल्कुल नहीं बदलेगा। उनमें सबसे प्रमुख है इन्सानी विवेक। विवेक से मेरा तात्पर्य है-परस्पर विरोधी मूल्यों और मतभेदों के बीच मध्यस्थता करने की क्षमता; उन पहलुओं पर विचार करने का हुनर, जो अपने आप में महत्वपूर्ण तो हैं, पर जिन्हें एकसाथ पूरा नहीं किया जा सकता; और श्रेष्ठ विकल्प तक पहुंचने के लिए कई रास्तों पर विचार करने का कौशल। यह एक अद्वितीय मानवीय कौशल है। हाल ही में, मेरा एक ग्राहक अपने व्यवसाय का एक हिस्सा बेचना चाहता था। उसके सामने दो विकल्प थे-या तो उस तेजी से बढ़ने वाली इकाई को बेच दिया जाए, जो अस्थिर थी व मुख्य कारोबार का केंद्र नहीं थी, या फिर उस धीमी गति से बढ़ने वाली इकाई को बेचा जाए, जो कंपनी के उद्देश्य और मिशन से अधिक मेल खाती थी। एआई आधारित विश्लेषण ने धीमी वृद्धि वाले व्यवसाय को बेचने की सिफारिश की। लेकिन मानवीय विवेक ने दूसरा रास्ता दिखाया कि उतार-चढ़ाव वाली इकाई को बेचें और दूसरी को बेहतर बनाएं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कौन-सा रास्ता सही साबित होगा, लेकिन मैं एआई के उत्तर की निश्चितता देखकर दंग रह गया। बेशक एआई पैटर्न पहचानने, कोड बनाने और भारी मात्रा में टेक्स्ट व डाटा को संकलित करने में सक्षम है। पर किसी को यह तय तो करना ही होता है कि विश्लेषण भरोसेमंद है या नहीं, उसके निहितार्थ क्या हैं और उस पर अमल करना समझदारी होगी या नहीं। यही वे जगहें हैं, जहां तकनीक नहीं, बल्कि मानव विवेक निर्णायक भूमिका निभाता है। पिछले वर्ष एक बोर्ड यह जानना चाहता था कि उसे एक व्यावसायिक सौदे के लिए कितनी बोली लगानी चाहिए। एआई ने एक ऐसी राशि सुझाई, जो मुझे कम लगी। फिर चर्चा हुई कि क्या सौदे की कीमत अधिक रखनी पड़ेगी। जैसा कि अपेक्षित था, जब कंपनी ने एआई द्वारा सुझाई कीमत का प्रस्ताव दिया, तो उसे निरस्त कर दिया गया। बाद में, अधिक कीमत की पेशकश स्वीकार कर ली गई और सौदा सफल रहा। सौदे को लेकर एआई मानवीय पहलुओं को नहीं समझ सका, जिसे मानवीय निर्णय ने बखूबी समझा। इसी वजह से मुझे संदेह है कि एआई जल्द मानवीय पहलुओं की बराबरी लेगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6000

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5999

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

आज का राशिफल

मेष

आज कोई मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना रहेगी। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता हैं। किसी प्रतियोगिता में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। वहीं, शाम के समय आपका कोई रुका हुआ कार्य भी पूरा हो सकता है। रात्रि के समय मांगलिक कार्यों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

वृष

आज जीवन में शांति महसूस होगी। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए आपके प्रयास सफलता दिलाएंगे। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही पद और प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होती दिख रही है। रात के समय कुछ अप्रिय व्यक्तियों से भी अनावश्यक मुलाकात हो सकती है। वहीं, संतान पक्ष से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मिथुन

आज आमदनी के नए स्त्रोत मिलेंगे।आपका व्यवहार समाज में आपको सम्मान दिलाएगा। शिक्षा और प्रतियोगिता से जुड़े जातकों को विशेष सफलता मिलेगा। हालांकि, सूर्य के कारण आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आंखों से जुड़ी समस्या होने की संभावना है।

तुला

आज मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको संपत्ति प्राप्त हो सकती है। नौकरी और व्यापार में आपको सफलता मिलेगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान से संबंधित सभी दायित्व आप पूरा कर पाएंगे। सायंकाल से लेकर रात्रि तक का समय प्रिय व्यक्तियों से मुलाकात में बीतेगा।

वृश्चिक

आज अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आंतरिक विकार होने की संभावना दिख रही है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि इन सबकी जांच किसी अच्छे डॉक्टर से करा लें। सलाह मशविरा करने में पूरा दिन निकल सकता है। रोग की अवस्था में अधिक चलने से बचें। यात्रा के पूरे योग है। यात्रा करते समय सावधानी रखें बाहर की कोई चीजें न खाए। नहीं तो अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

धनु

आज संतान से सुखद समाचार मिलेगा। रोजगार व्यापार के क्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे। इन क्षेत्रों में आपको अकल्पनीय सफलता मिलती हुई दिख रही है। इसके अलावा संतान पक्ष से भी सुखद समाचार मिलने से आपको प्रसन्नता होगी। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में आपको जीत मिलेगी। शुभ खर्चे होने से आपकी कीर्ति में भी वृद्धि होगी।

कर्क

आज आपको जीवन साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। तृतीय भाव में बृहस्पति होने के कारण संतान पक्ष से भी कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। शाम के समय कोई रुका हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा। रात का समय परिवार के साथ बीतेगा। दूर यात्रा के संयोग बन रहे हैं। यात्रा करते समय सावधानी बरते। अगर किसी यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं।

सिंह

आज पारिवारिक जीवन आपका मधुर रहेगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त होता दिख रहा है। बहनोई और साले से किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इससे संबंध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा का संयोग भी बन रहा है। इस दौरान पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। मूल्यवान वस्तु के चोरी होने का खतरा दिख रहा है।

कन्या

आज अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। बेवजह किसी से विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। आपके किए गए कार्यों में असफलता और धन हानि के योग बनते दिख रहे हैं। अचानक किसी यात्रा पर भी आपको जाना पड़ सकता है। इस दौरान सावधान रहें और किसी विवाद में न पड़ें।

मकर

आज अधिकारियों से नजदीकी का लाभ मिलेगा। जिससे आपका दिन शुभ रहने वाला है। आपके कार्यों की विरोधी भी प्रशंसा करेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों से नजदीकी का आपको करियर में लाभ मिलेगा। इस दौरान ससुराल पक्ष से भी पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। शाम के समय सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर मिलेगा।

कुंभ

आज आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। जिससे आपको पारिवारिक व आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयासों में सफलता मिलेगी। कर्यस्थल पर कर्मचारियों का आदर प्राप्त होगा। इनके सहयोग से सभी कार्य समय पर पूरे होते चले जाएंगे। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद से खुद को दूर रखें। रात के समय घर में अतिथियों का आगमन हो सकता है।

मीन

आज कोई बड़ी समस्या का भी समाधान होगा जिससे आपके घर में प्रसन्नता रहेगी। आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण बना रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्य आपका सहयोग करेंगे। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की बड़ी समस्या का भी समाधान हो जाएगा। पर्याप्त मात्रा में आपको धन प्राप्त हो सकता है। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी।

वर्ग पहेली 6000

1	2	3		4			
5							6
		7				8	12
9	10			11	12		
			13		14		
15				16		17	
20				19	20		
			21				

संकेत: बाएं से दाएं

1. 16 जून 2007 को यह महिला अंतरिक्ष में लगातार सबसे लंबे समय तक रहने वाली महिला बनी (7)
5. प्रणाम, अभिवादन, नमस्कार (3)
7. सेवा करना वाला, नौकर (3)
8. व्रत, उपवास (उर्दू)(2)
9. मादा या आवेश में आना (4)
13. प्रकाश की किरण, अर्धप्रकाश (1)
14. टूटने-फूटने आदि से उत्पन्न शब्द (2)
15. गति (3)
17. अधिकार, शक्ति, पर्याप्त है कि, समाप्ति सूचक शब्द (2)
18. प्रहार करने की क्रिया (2)
19. गवाह का कथन, साक्ष्य (3)
21. बलमा, प्रेमी, साजन, इस फिल्म मे देवानंद के साथ मीना कुमारी व सुरैया थी (1951) (3)

ऊपर से नीचे

1. पुराणानुसार महाराजा जनक की पत्नी का नाम, सुलोचना (4)
2. कड़वी छाल वाले इस वृक्ष की पत्तियां औषधि बनाने के काम में आती है (2)
3. इन्हें सम्राट अकबर के नवरत्नों में गिना जाता है, इनका मूल नाम रामतनुमाल था (4)
4. काबिलीयत, योग्यता, गुण, पात्रता (4)
6. संवारना, आकर्षक और सुंदर बनाना (3)
8. रूपयों का लेन-देन का हिसाब सबंधी बही (5)
10. बंधक बनाया हुआ, जिसे अपराध के सिलसिले में पकड़ा गया हो (4)
12. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
15. प्रस्थित, भेजा गया (3)
16. वे दिन जिसमें विवाह आदि संपन्न कराए जाते है, तल्लीनता, ध्यान लगाने का भाव (3)
20. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)

वर्ग पहेली 5999 का हल

भा	र	त		गो	दा	व	री
ग	ज	ट		दा	ता	र	
खु		स्थ	ग	न		या	मा
ल	य		र्ज		सं	त्रा	य
ना	ज	नी	न		ता		
	मा		क	मी	न	गा	ह
जा	न	व	र		ही	र	क
ट			ना	दा	न		ला

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

'भागम भाग 2' में हुई मनोज बाजपेयी की एंट्री! गोविंदा को करेंगे रिप्लेस?

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी कल्ट फिल्मों के सीक्वल बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में अब साल 2006 में आई कल्ट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' का सीक्वल भी बनने जा रहा है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फिल्म इस साल फ्लोर पर आ जाएगी। इस बीच अब 'भागम भाग 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

गोविंदा की जगह लेंगे मनोज

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भागम भाग 2' की कास्ट में एक बड़ा बदलाव किया गया है। सीक्वल में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। वहीं गोविंदा की जगह फिल्म में मनोज बाजपेयी नजर आ सकते हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी को कास्ट कर लिया है। मनोज बाजपेयी फिल्म में गोविंदा की जगह लेंगे। यह खबर हाल ही में सामने आई है। 'भागम भाग' में गोविंदा के किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी कॉमिक टाइमिंग वैसे भी काफी पसंद की जाती है। ऐसे में अब गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी को लेना, कितना कारगर रहेगा ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल अभी तक मेकर्स की ओर से 'भागम भाग 2' की कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राज शांडिल्य करेंगे निर्देशन

फिल्म को लेकर अभी तक आ रहीं खबरों के मुताबिक, सीक्वल का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे और इसकी कहानी भी पहचान को लेकर होने वाली गलतफहमी पर आधारित होगी। जबकि 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी अक्षय कुमार के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जबकि मनोज बाजपेयी के अपोजिट नजर आने वाली हीरोइन की तलाश अभी जारी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की खबरें हैं।

अनुभव सिन्हा की इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी

तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है—और इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के

कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है। अस्सी 20 फरवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में विशेष रूप से रिलीज़ होगी।

सई मांजरेकर ने साझा किया 'द इंडिया हाउस' का अनुभव

भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा, ''द इंडिया हाउस' मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।' उन्होंने कहा, ''इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।'' सई ने कहा, ''मेरी पिछली फिल्म 'मेजर' की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। 'द इंडिया हाउस' की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है।'' 'द इंडिया हाउस' फिल्म में सई मांजरेकर 'सती' नाम की महिला का किरदार निभा रही है। इस पर सई ने कहा, ''सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' पैन-इंडिया फिल्मों की खास बात बताते हुए सई ने कहा, ''ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का सबसे अच्छा पहलू टीमवर्क होता है। सेट पर अलग-अलग राज्यों और भाषाओं से आए कलाकार और तकनीशियन एक साथ काम करते हैं। सबका लक्ष्य कहानी को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना होता है। यह सामूहिक भावना कलाकार को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' सई ने अपने सह-कलाकार निखिल सिद्धार्थ, निर्देशक वामसी और पूरी टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''सेट पर काम करने का माहौल बेहद सकारात्मक और कहानी पर केंद्रित रहता है। जब निर्देशक और पूरी टीम कहानी को लेकर गंभीर होती है, तो कलाकार भी अपने किरदार में और गहराई से उतर पाता है।''

आदित्य के साथ हॉरर थ्रिलर बनाएंगे करण जौहर

धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले करण जौहर एक नई हॉरर थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म पूरी तरह प्योर हॉरर जॉनर की होगी और इस वक्त कास्टिंग स्टेज में है। इससे पहले करण, कार्तिक आर्यन के साथ क्रिएचर कॉमेडी 'नागजिला' और एक क्रिएचर थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि इस हॉरर थ्रिलर में आदित्य रॉय कपूर को लीड रोल के लिए लॉक कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आदित्य ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट पर आधारित फिल्म है और धर्मा प्रोडक्शंस को इसके थिएट्रिकल पोटेंशियल पर पूरा भरोसा है। इस फिल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने की तैयारी है। एक टॉप टियर फीमेल लीड को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

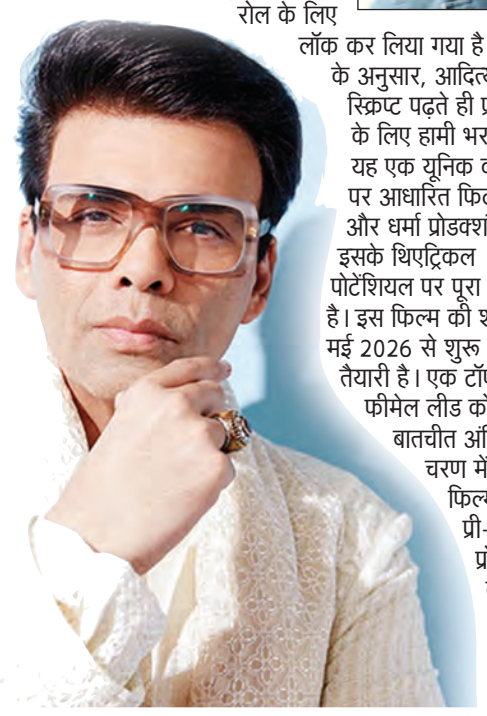

ऋतिक की 'कृष 4' में फाइनल चोपड़ा की एंट्री हुई प्रियंका

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार... 'प्रियंका को ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'कृष 4' में फीमेल लीड के रूप में फाइनल कर लिया गया है। प्रियंका ने इस फ्रेंचाइज की पिछली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी, इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की ओर फोकस किया और अपने पर्सनल लाइफ, खासकर शादी में बिजी हो गई थीं। फिल्म 'वाराणसी' का शूट पूरा करने के बाद प्रियंका 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगी। हालांकि अभी मेकर्स या प्रियंका की तरफ़ से कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। 'कृष 4' को ऋतिक 700 करोड़ रुपए के बजट पर बनाना चाहते हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट भी खुद ऋतिक करेंगे। बता दें कि 2003 में राकेश के निर्देशन में साइंस फिक्शन फिल्म 'कोई.... मिल गया' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया। 'कोई मिल गया' के बाद आई 'कृष', यह भी सुपरहिट रही। फिर राकेश रोशन ने 'कृष 3' के लिए लंबा इंतजार करवाया। 2006 में 'कृष' की सफलता के बाद 'कृष 3' 2013 में आई। इसमें विवेक ओबेरॉय विलेन बने थे। इस फिल्म के अलावा प्रियंका इन दिनों अपनी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। यह एक बड़े बजट की फिल्म होगी।

सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर बात की

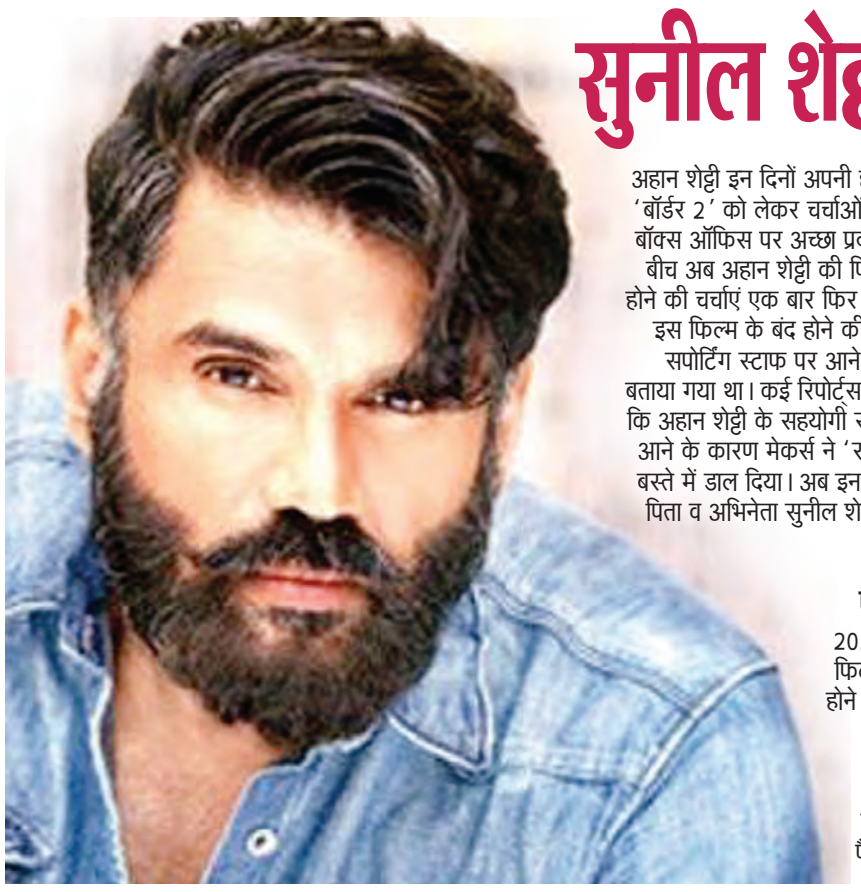

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अब अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' के बंद होने की चर्चाएं एक बार फिर से उठी हैं। दरअसल, इस फिल्म के बंद होने की वजह अहान शेट्टी के सपोर्टिंग स्टाफ पर आने वाले अधिक खर्च को बताया गया था। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि अहान शेट्टी के सहयोगी स्टाफ पर अधिक खर्च आने के कारण मेकर्स ने 'सनकी' फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इन चर्चाओं पर अहान के पिता व अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है।

प्रोड्यूसर ने फैलाई अफवाहें

2021 में अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के रिलीज होने के बाद उनकी अगली फिल्म 'सनकी' को अचानक रोक दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह फैसला अहान के साथ आए लोगों के कारण कथित तौर पर हुए खर्चों से बढ़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। अब लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में अभिनेता सुनील शेट्टी ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर भी बात की। सुनील शेट्टी ने कहा कि अहान ने कभी भी अपने साथ आए लोगों को हद से ज्यादा नहीं रखा। ये सब अफवाहें हैं। ये अफवाहें निर्माता की सुविधा के लिए फैलाई गई हैं। अगर निर्माता कहता है कि वह बिल दिखा सकता है, तो मैं देखूंगा। ऐसे में पिता को दखल देना पड़ता है और मैं साफ तौर पर दखल दूंगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ नाइंसाफी है।

अहान खुद उठाते हैं अपने स्टाफ का खर्च

सुनील शेट्टी ने आगे कहा कि अहान अपने साथ आने वाले लोगों को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। अगर वे उनके साथ आते हैं, तो उनका खर्च वही उठाते हैं। उन्हें इस बात का पूरा एहसास है। जब सुनील शेट्टी घर से खाना-पानी लाते हैं, तो मेरे स्टाफ को कहा गया है कि अगर आप यूनिट का खाना खा रहे हैं, तो ठीक है, लेकिन अगर आप बाहर से खाना मंगवाना चाहते हैं, तो बिल मेरे नाम से बनवाएं, निर्माता के नाम से नहीं। मेरा स्टाफ ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, इसलिए अहान का स्टाफ तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा। अहान तो अभी-अभी इंडस्ट्री में आए हैं। यह उनका इंडस्ट्री में जमने का समय है, इसलिए कोई नखरे नहीं चलेंगे। ऐसा हो ही नहीं सकता।

कई रिपोर्ट्स में इन कारणों का भी किया गया जिक्र

कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि साजिद नाडियाडवाला ने शुरू में 'सनकी' को आगे बढ़ाया था और प्राइम वीडियो के साथ एक बड़ा डिजिटल सौदा भी किया था। हालांकि, इस सबके बावजूद सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स से कम कमाई के कारण प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। इसके साथ ही कथित तौर पर अहान के सपोर्ट स्टाफ का अत्यधिक खर्च भी इसका कारण बना। लेकिन अब सुनील शेट्टी ने अहान के सपोर्ट स्टाफ के खर्च की बात को झूठा करार दिया है।

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई एक्शन-रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद लगभग चार साल से अधिक समय तक वो बड़े पर्दे से दूर रहे। अब इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' अहान की दूसरी फिल्म है। फिल्म में उन्होंने नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वहीं अहान के काम को भी पसंद किया गया है।

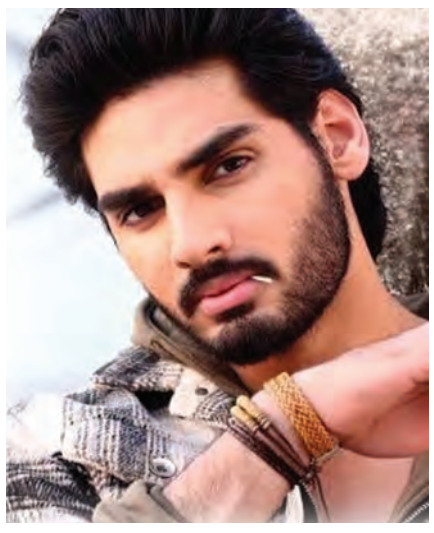

सावरकर को भारत रत्न दिलाना है तो भाजपा से बात करें: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को भाषणों में मुद्दा उठाने के बजाय भाजपा सरकार से सीधे विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने के लिए कहना चाहिए। राउत ने कहा, 'जब केंद्र में उनकी ही सरकार है और स्वयंसेवक सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर हैं, तो सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दिया जाता , लाखों स्वयंसेवकों ने इस सरकार को सत्ता में लाने के लिए काम किया है। मोहन भागवत को यह बात सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से कहनी चाहिए, न कि मंच से भाषण में।'

यह मुद्दा तब प्रमुखता में आया जब आरएसएस प्रमुख ने मुंबई में '100 ईयर्स ऑफ संघ जर्नी-न्यू होराइजन्स'' कार्यक्रम में कहा कि सावरकर को भारत रत्न देने से इस सम्मान की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।राउत ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के ढांचे की भी आलोचना की और अच्छे दिन नहीं आने के लिए संघ को जिम्मेदार

ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को तो'अच्छे दिन मिले, लेकिन देश को नहीं। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका की शर्तों के आगे झुक गया है और इसकी जिम्मेदारी संघ नेतृत्व को लेनी चाहिए।

संयुक्त बयान के अनुसार, अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर 18 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाएगा, जिसमें वस्त्र, चमड़ा, प्लास्टिक-रबर, ऑर्गेनिक केमिकल, होम डेकोर और कुछ मशीनरी शामिल हैं। विपक्ष ने इस समझौता ढांचे की आलोचना करते हुए कहा है कि इसके तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं पर शुल्क समाप्त या कम करेगा। साथ ही अमेरिका से आने वाले कई खाद्य और कृषि उत्पादों-जैसे ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, पशु चारे के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स आदि पर भी टैरिफ में कटौती या समाप्ति की जाएगी।

राउत ने आरएसएस शताब्दी कार्यक्रम में गायक अदनान सामी की उपस्थिति पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अदनान सामी के पिता 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान पाक वायुसेना में थे और पठानकोट एयरबेस हमले से जुड़े थे। उन्होंने सवाल उठाया, ''ऐसे व्यक्ति के परिवार से जुड़े शख्स को सम्मानित कर किस तरह की देशभक्ति दिखाई जा रही है।'' राउत ने कहा, 'एक अभिनेत्री वहां खड़ी होकर 'आई लव भागवत' कह रही थीं, जबकि उनके खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के मामले में लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इतना ही नहीं, उनके पति पर अश्लील फिल्म बनाने से जुड़े एक गंभीर मामले का आरोप है। ऐसे संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले लोगों को आमंत्रित कर संघ किस तरह का चरित्र प्रस्तुत कर रहा है , जो लोग बैंक ऋण में चूक करते हैं और कानून के खिलाफ हैं, वे संघ के मंच पर आकर अपने पापों को ढकने की कोशिश कर रहे हैं।'

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कार्यक्रम में ऐसे लोगों को महत्व दिया गया जिन पर आर्थिक अनियमितताओं या अन्य गंभीर मामलों के आरोप रहे हैं। राउत ने कहा कि जिन प्रतिष्ठित व्यक्तियों के परिवारों का स्वतंत्रता संग्राम से संबंध रहा, जैसे जावेद अख्तर या शाहरुख खान, उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'हम संघ का सम्मान करते हैं, लेकिन जिस तरह विवादित पृष्ठभूमि वाले लोगों को महत्व दिया जा रहा है, उससे नैतिक पतन झलकता है।

संक्षिप्त समाचार

पलवल के लिए गुडन्यूज, 32 हजार एलईडी स्ट्रीट लाइटों से जगमग होगा गली-मोहल्ले

पलवल , एजेंसी। फरीदाबाद से सटा हरियाणा का पलवल शहर में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। नगर परिषद ने पलवल शहर की हर गली, मोहल्ले और कॉलोनियों को रोशनी से जगमग करने के लिए बड़ी योजना बनाई है। इस योजना के तहत शहरभर में 32 हजार एलईडी स्ट्रीट लाइटें और 30 हाई मास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। इस योजना पर करीब छह करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे शहर की तस्वीर बदल जाएगी। नगर परिषद और प्रशासन ने शहर की सड़कों पर बढ़ते अंधेरे और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह

योजना तैयार की है। लंबे समय से कॉलोनियों में पर्याप्त रोशनी न होने की शिकायत मिल रही थी। अब इस योजना के लागू होने से हर इलाके में उजाला होगा और लोगों को राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, मार्च के अंत तक अधिकतर लाइटें लगाने का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत कुल छह करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें से करीब एक करोड़ रुपये नगर परिषद की ओर से दिए जाएंगे, जबकि पांच करोड़ रुपये सीएसआर फंड से खर्च किए जाएंगे। 30 हाई मास्ट लाइटें पूरी तरह से सीएसआर फंड से लगाई जाएंगी। इन हाई मास्ट लाइटों को मुख्य चौराहों, बस स्टैंड, बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगाया जाएगा। नई लाइटों के लगने से शहरवासियों को कई फायदे मिलेंगे। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि रात में आवाजाही आसान हो जाएगी। स्कूल, कॉलेज, दफ्तर और बाजार जाने वाले लोगों को अंधेरे में परेशानी नहीं होगी। इसके साथ ही रोशनी बढ़ने से चोरी, छेड़छाड़ और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि लाइट लगाने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

मणिपुर के उखरुल में भड़की हिंसा, उग्रवादियों ने कई घरों में लगाई आग

उखरुल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में हिंसा भड़क गई है। सशस्त्र उग्रवादियों ने कई

घरों में आग लगा दी है। शनिवार रात लिटान गांव में सात से आठ लोगों द्वारा तंगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर हमला किए जाने के बाद बढ़ते तनाव के बीच हिंसा की यह घटना हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया रविवार शाम जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने आग लगा दी। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। सुरक्षा बलों ने लिटान सारेइखोंग गांव में आपस में भिड़े दो आदिवासी समूहों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लिटान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है। अधिकारी ने कहा, स्थिति तनावपूर्ण है।

जम्मू-कश्मीर : राज्य सरकार ने मनरेगा सहायक कर्मचारी को रेगुलर करने से इनकार किया

जम्मू, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर सरकार ने सोमवार को विधानसभा को बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के सहायक कर्मचारी को रेगुलर करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में 'मनरेगा' के तहत अभी लगभग 3,800 कर्मचारी पूरी तरह से कॉन्ट्रैक्ट और अस्थायी आधार पर काम कर रहे हैं। यह जानकारी ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के प्रभारी मंत्री ने विधायक मीर मोहम्मद फैयाज द्वारा पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में दी।

सरकार के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में लगभग 3,800 'मनरेगा' सपोर्ट स्टाफ काम कर रहे हैं, और उनकी शुरुआती कॉन्ट्रैक्ट नियुक्तियों के बाद से उनके मानदेय में समय-समय पर बदलाव किया गया है।

कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताते हुए, विभाग ने कहा कि 'मनरेगा' स्टाफ को विभिन्न स्तरों पर तैनात किया गया है, पंचायत, ब्लॉक, जिला, डिवीजन और यूटी, और वे ग्रामीण रोजगार योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमितीकरण के सवाल पर, सरकार ने दोहराया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित 'मनरेगा' योजना के तहत सभी सहायक कर्मचारियों को अस्थायी, कॉन्ट्रैक्ट के आधार

पर नियुक्त किया जाता है, जो केवल कॉन्ट्रैक्ट की अवधि या योजना की अवधि के लिए मान्य होता है, जो भी पहले खत्म हो। उनकी नियुक्ति किसी स्वीकृत पद के विरुद्ध नहीं है। जवाब में कहा गया है, 'आज की तारीख में, मनरेगा के तहत नियुक्त कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने के संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं है। ' हालांकि, विभाग ने बताया कि सहायक कर्मचारियों के मानदेय में समय-समय पर वृद्धि की गई है, जिसमें ताजा संशोधन सरकारी आदेश संख्या 49-आरटी एंड पीआर, 2024 दिनांक 30 जनवरी, 2024 के तहत जारी किया गया है। संशोधित ढांचे के तहत, मासिक मानदेय इस प्रकार बढ़ाया गया है। इसके अंतर्गत ग्राम रोजगार सेवक (जीआरएस) का 6,806 रुपए से 10,209 रुपए; तकनीकी सहायक का 11,000 रुपए से 16,500 रुपए; एमआईएस ऑपरेटर का 11,000 रुपए से 13,200 रुपए; और प्रशासनिक/लेखा सहायक का 6,806 रुपए से 10,209 रुपए मानदेय रखा गया है।

सरकार ने कहा कि मानदेय में किसी भी भविष्य की वृद्धि पर राज्य रोजगार गारंटी परिषद (एसईजीसी) की बाद की बैठकों में विचार किया जाएगा।

चार मूर्ति चौक पर अंडरपास जून में शुरू होने की उम्मीद, ग्रेटर नोएडा से गाजियाबाद तक मिलेगी राहत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चार मूर्ति/गौड चौक पर निर्माणाधीन अंडरपास का काम करीब 60 फीसदी पूरा हो चुका है। जून तक इसके शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में नियमित रूप से निगरानी की जा रही है। अगले कुछ दिनों में सीवर लाइन के स्थानांतरित होने पर काम में और तेजी आएगी। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक, 720 मीटर लंबे अंडरपास में से 320 मीटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बाकी बचे हिस्से में खुदाई, शटरिंग, ऊपरी छत, सुरक्षा दीवार आदि कार्य किए जा रहे हैं। परियोजना के रास्ते में आ रही सीवर लाइन अब तक स्थानांतरित नहीं हो सकी है। ऐसे में कार्यदायी संस्था को काम करने में दिक्कत आ रही है। इसको देखते हुए सीवर लाइन को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है। उम्मीद है कि आगामी कुछ दिनों में सीवर लाइन स्थानांतरित कर दी जाएगी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए अंडरपास को आगामी जून तक शुरू करने की तैयारी है। परियोजना को समय से पूरा किया जा सके, इसके लिए उच्चाधिकारियों द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जा रही है। वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने बताया कि अब तक करीब 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। बाकी बचे काम को भी समय से पूरा करने का प्रयास है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जाम की समस्या को खत्म करने के लिए चारमूर्ति चौक पर अंडरपास बनाया जा रहा है। इसके बनकर तैयार होने पर सूरजपुर से गाजियाबाद जाने वाले और गाजियाबाद

एआईएमआईएम यूपी अध्यक्ष शौकत अली बोले- ज्यादा जनसंख्या देश की ताकत

मुरादाबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली अपने बयानों के चलते एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। सोमवार को मुरादाबाद के रामपुर दोराहा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जनसंख्या वृद्धि को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। शौकत अली ने मुसलमानों से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील करते हुए नारा दिया कि 'हम दो, हमारे दो नहीं, बल्कि हमारे दो दर्जन होने चाहिए।' शौकत अली ने अपने संबोधन में जनसंख्या नियंत्रण के वैश्विक और राष्ट्रीय तर्कों को दरकिनार करते हुए दावा किया कि किसी भी देश की असली मजबूती उसकी बड़ी आबादी में निहित होती है। उन्होंने धार्मिक भावनाओं को जोड़ते हुए कहा, 'जब अल्लाह बच्चों की नेमत दे रहा है, तो उसे पूरी खुशी के साथ स्वीकार करना चाहिए। बच्चे ऊपर वाले की देन हैं और उन्हें रोकने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने तर्क दिया कि आबादी बढ़ने से देश कमजोर नहीं बल्कि और अधिक ताकतवर होकर उभरेगा। जनसंख्या नियंत्रण की वकालत करने वाले नेताओं पर निशाना साधते हुए शौकत अली ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो लोग खुद शादी नहीं करते या जिनका अपना परिवार नहीं है, वही दूसरों को जनसंख्या नियंत्रण का ज्ञान बांटते फिर रहे हैं। उनका यह इशारा सीधे तौर पर सत्ता पक्ष के वरिष्ठ नेताओं की ओर माना जा रहा है। लेकिन कुछ लोग इन्हें जानबूझकर 'आतंकवाद का अड्डा' बताकर बदनाम करने की कोशिश करते हैं। जनसभा के दौरान शौकत अली केवल जनसंख्या तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर भी जमकर भड़ास निकाली। सपा के एक विधायक द्वारा एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी टीम' बताए जाने पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि सपा खुद अपनी जमीन खो रही है और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए मजलिस पर झूठे आरोप मढ़ रही है।

15 दिन तक चला वसूली का ड्रामा, गहरा हो सकता है ठगी का नेटवर्क

दो करोड़ की इनकम टैक्स नोटिस, 24 लाख की डिमांड

संभल, एजेंसी। यूपी के संभल में नखासा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक सनसनीखेज धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुए एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को इनकम टैक्स ऑफिसर बताकर अवैध वसूली कर रहा था। पकड़ा गया आरोपी अमरोहा के उझारी में बीए-एलएलबी का छात्र है। उसने एक ग्रामीण को दो करोड़ रुपये के 'काले धन' का फर्जी नोटिस थमाकर कार्रवाई रोकने के एवज में 24 लाख रुपये की डिमांड की थी।

एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सोमवार को इस गजब खेल का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि अख्तियारपुर तगा गांव के निवासी शीशपाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक युवक उनके घर आया और खुद को आयकर विभाग का बड़ा अधिकारी बताया। उसने शीशपाल को एक आधिकारिक दिखने वाला नोटिस दिया, जिसमें दावा किया गया था कि उनके पास 2 करोड़ रुपये की अवैध आय है। आरोपी मोहित उर्फ प्रिंस ने पीड़ित पर दबाव बनाया कि यदि वह इस नोटिस से बचना चाहता है, तो उसे 12 प्रतिशत पेनल्टी यानी 24 लाख रुपये देने होंगे। शातिर आरोपी पिछले 15 दिनों से लगातार फोन कॉल के जरिए पीड़ित को डरा रहा था। शक होने पर शीशपाल ने उसे

बहजोई स्थित कार्यालय में मिलने को कहा, लेकिन आरोपी हर बार बहाना बनाकर टाल देता था। जब दबाव हद से ज्यादा बढ़ गया, तो पीड़ित ने समझदारी दिखाते हुए पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने एक रणनीति बनाई और शीशपाल के जरिए आरोपी को पैसे लेने के लिए बुलाया, जहाँ पहले से ही तैनात टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया।

आरोपी मोहित उर्फ प्रिंस मूल रूप से ठिलूपुरा का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके पिता पुरुषोत्तम ने बताया कि उनका बेटा घर से रोज यह कहकर निकलता था कि वह कचहरी जा रहा है। घर वालों को अंदाजा भी नहीं था कि कानून की पढ़ाई करने वाला उनका बेटा खुद कानून तोड़कर जालसाजी के खेल में लगा है। गिरफ्तारी के वक्त आरोपी की माँ का रो-रोकर बुरा हाल था। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी कुछ समय दिल्ली में भी रह चुका है और वहां से उसने इस तरह की जालसाजी के तरीके सीखे थे।

भाजपा वोट जीतने के लिए ओवैसी का इस्तेमाल करती है: सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि पार्टी एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को भगवान राम से भी ज्यादा अहमियत देती है और वोट जीतने के लिए ओवैसी का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा है कि ओवैसी ही भाजपा के असली लाइफलाइन हैं। सोमवार को एक प्रेस मीट में तेलंगाना के सीएम ने कहा, 'यह भारतीय जनता पार्टी का इतिहास है। अगर आप इसे एनालाइज करें, तो उनके लिए सिर्फ एक ही भगवान हैं, असदुद्दीन ओवैसी। वे यूं ही भगवान राम का नाम लेते हैं, लेकिन वे हर दिन जिसके आगे झुकते हैं, वह असदुद्दीन ओवैसी हैं।' उनकी लाइफलाइन खुद असदुद्दीन ओवैसी हैं। देखिए वे कितनी बार राम का नाम याद करते हैं और कितनी बार ओवैसी का नाम याद करते हैं। इसकी पड़ताल होनी चाहिए।' रेवंत रेड्डी ने आगे कहा कि भाजपा ओवैसी को अलादीन के चिराग की तरह इस्तेमाल कर रह। उन्होंने कहा, 'हर बार वे असदुद्दीन ओवैसी को अलादीन का जादुई चिराग बनाकर वोट मांगते हैं। आखिर सरकार तो आपकी ही है ना? अगर असदुद्दीन ओवैसी इतने विलेन हैं, तो आप उन्हें कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहे हैं?'

इन नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए ट्वीट किया है

गांव से लेकर शहर तक... महाराष्ट्र के जिला परिषद चुनावों में भाजपा की जीत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में जिला परिषद चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने

12 जिला परिषदों की 731 सीट में से 552 सीट पर जीत हासिल की है। इन नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए ट्वीट किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि एक बार फिर महाराष्ट्र ने भाजपा और महायुति को अपना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने लिखा कि नगर निगम और नगरपालिका परिषद चुनावों में भाजपा और महायुति की जोरदार सफलता के बाद, महाराष्ट्र के लोगों ने जिला परिषद चुनावों में हमें एक मजबूत जनादेश दिया है। यह स्पष्ट है कि ग्रामीण और शहरी महाराष्ट्र में, राज्य के लोग सुशासन और एक ऐसा गठबंधन चाहते हैं जो राज्य की गौरवशाली संस्कृति की भावना में काम करे। मैं महाराष्ट्र के अपने बहनों और भाइयों का आभार व्यक्त करता हूं। महायुति के प्रत्येक कार्यकर्ता को मेरा हार्दिक अभिनंदन, जिन्होंने जमीन पर बिना थके काम किया और महाराष्ट्र सरकार के ठोस रिकॉर्ड के साथ-साथ सुशासन के लिए एनडीए के विजन को विस्तार से समझाया। सत्ताधारी महायुति की कुल 552 सीटों में से भाजपा के हिस्से में 225 सीटें आई हैं। वहीं, एनसीपी ने 165 और शिवसेना ने 162 सीटों पर जीत हासिल की है। दूसरी तरफ विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) में कांग्रेस 55 सीट जीतकर सबसे आगे रही। इसके बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) को 43 और शरद पवार की राकांपा (एसपी) को 26 सीट पर जीत मिली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने लातूर और रत्नागिरी में एक-एक सीट जीती। बीस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग में पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को 14 और पंजीकृत दलों को सात सीट पर जीत मिली। राकांपा ने पुणे जिला परिषद में 73 में से 51 सीट पर जीत दर्ज की। राकांपा और राकांपा (एसपी) ने 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था। ये चुनाव 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में अजित पवार के निधन के कुछ ही दिन बाद हुए थे। शिवसेना ने रायगढ़ जिला परिषद में 59 में से 23 सीट जीतीं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी ने रत्नागिरि जिला परिषद में भी 56 में से 41 सीट पर जीत हासिल की।

भाजपा ने सिंधुदुर्ग में 50 में से 27 सीट जीतीं। इसके अलावा भाजपा सतारा, सोलापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणि, धाराशिव, सतारा और लातूर में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी।

वह तबस्सुम नहीं, 16 साल की साली अंजलि थी; गाजियाबाद कांड में खुल रहे पिता चेतन के कई राज

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के भारत सिटी सोसाइटी में तीन नाबालिग

बहनों के 9वीं मंजिल से कूदकर जान देने के मामले में पुलिस ने सोमवार शाम चेतन के ससुर, साली और साढ़ू से पूछताछ की। कई घंटे तक अलग-अलग सवाल पूछे गए। तीनों ने बताया कि साल 2018 में मरने वाली चेतन की साली 16 वर्षीय आंचल थी, जबकि चेतन और तीनों पत्नियों ने उसे चेतन की प्रेमिका तबस्सुम बताया था।

अभी तक की जांच में पता चला है कि बच्चियां पिता के करीब थीं। हादसे के बाद चेतन के बारे में एक के एक बाद कई चौंकाने वाली बातें पता चलीं और सगे संबंधियों के ही विरोधाभासी बयानों ने पुलिस को और उलझा दिया। इसीलिए पुलिस अब चेतन की जिंदगी के पन्ने खोल रही है, ताकि कहीं कोई चूक न रह जाए। उसके बारे में पूरी जानकारी जुटाने की शुरुआत कर दी गई है। खजूरी में कहां रहते थे, कितनी पढ़ाई की, पहली, दूसरी, तीसरी शादी कैसे की और कितनी महिलाओं से संबंध रहे, कहां-कहां रहे, क्या काम किया, कहां नौकरी की, बच्चियों के साथ कैसे संबंध थे जैसी और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाना शुरू कर दिया है। भारत सिटी सोसाइटी के नौवें तल स्थित चेतन के फ्लैट की खिड़की से उनकी बेटी 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी ने कूदकर जान दे दी थी। हादसे के बाद से ही पिता ने कहा कि बेटियां कोरियन गेम और कोरियन कल्चर की आदी थीं और स्कूल नहीं जाती थीं। दो सप्ताह पहले उन्होंने फोन छीन लिया था, जिससे नाराज होकर उन्होंने खुदकुशी कर ली। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में भी कोरियन कल्चर से प्रभावित होने की बात लिखी थी। पुलिस ने सोमवार को चेतन के ससुर दिलीप, साली शालू और साढ़ू विष्णु से पूछताछ की। शाम से देर रात तक पूछताछ हुई। तीनों ने चेतन की पहली और दूसरी शादी को लेकर वही बात दोहराई, जो चेतन ने बताई थी। मगर साल 2018 में चेतन के दूसरे घर की बालकनी से गिरकर मरने वाली लड़की के बारे में कहा कि वह 16 वर्षीय आंचल थी।

सचिन ने अंडर-19 कप्तान आयुष को अपनी टेस्ट जर्सी दी

बोले- मेहनत करते रहो, लोगों के बहकावे में मत आओ

मुंबई (एजेंसी)। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे जिम्बाब्वे से भारत लौटने के बाद सचिन तेंदुलकर से मिले। इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर कप्तान आयुष म्हात्रे समेत सभी खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। म्हात्रे का पूरा परिवार उनके माता-पिता उन्हें लेने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

सचिन के घर पहुंचे म्हात्रे- म्हात्रे भारत वापस लौटने के बाद सोमवार को महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के घर पहुंचे। आयुष म्हात्रे को सचिन तेंदुलकर से एक खास तोहफा मिला। तोहफा में सचिन ने अपनी टेस्ट जर्सी भेंट की,साथ ही उन्होंने अपने हाथ से लिखा हुआ एक संदेश भी दिया।

वीडियो में सचिन ने म्हात्रे से कहा, यह वही जर्सी थी जिसे उन्होंने अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में पहना था। वो आगे कहते है, लगातार मेहनत करते रहो। ध्यान केंद्रित रखो। लोगों के बहकावे में मत आओ। अभ्यास करते रहो। एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है। चाहे जो भी हो, ध्यान भटकाने वाली चीजें बहुत होंगी।

म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया- म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। लिखा, मैं आपको स्क्रीन पर देखते हुए बड़ा हुआ। आज मैं आपके घर पर खड़ा हूं और आपकी यात्रा का एक हिस्सा अपने हाथों में थामे हुए हूं। इस सम्मान के लिए आपका धन्यवाद, सर। मैं इसे उसी आदर और सम्मान के साथ संभालकर रखूंगा, जैसे आपने सालों तक भारतीय क्रिकेट को सम्मान के साथ आगे बढ़ाया।

टीम इंडिया छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी- अंडर-19 क्रिकेट में दुनिया की सबसे सफल टीम भारत फिर से वर्ल्ड चैंपियन बन गई है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में खेला गया अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया रिकॉर्ड छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी।

ट्रैविस हेड का दिलचस्प खुलासा

अभिषेक की गेंदबाजी का करना चाहते हैं सामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान एक दिलचस्प खुलासा किया है। सनराइजर्स हैदराबाद में उनके ओपनिंग पार्टनर रहे अभिषेक शर्मा को लेकर हेड ने कहा कि वह टूर्नामेंट में उनके खिलाफ बल्लेबाज़ी करना चाहते हैं और चाहते हैं कि अभिषेक उन्हें गेंदबाज़ी करें।

रैपिड-फायर राउंड में दिया मज़ेदार जवाब- आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले एक रैपिड-फायर राउंड के दौरान ट्रैविस हेड से कई सवाल पूछे गए। जब उनसे पूछा गया कि वह किस गेंदबाज़ के खिलाफ मुकाबला करना चाहते हैं, तो उन्होंने बिना झिझक अभिषेक शर्मा का नाम लिया। अभिषेक भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव के पास मौजूद विकल्पों में से एक हैं, हालांकि वह नियमित रूप से गेंदबाज़ी नहीं करते।

टी-20 वर्ल्डकप

भारतीय खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रहेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेटर अपने परिवार (पत्नियां और मंगेतर) के साथ नहीं रह सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम मैनेजमेंट की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें खिलाड़ियों की पत्नियों और मंगेतरों को टीम होटल में साथ ठहराने की अनुमति मांगी गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई

ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के परिवार को टीम के साथ ठहरने की इजाजत नहीं है। हालांकि, यदि कोई खिलाड़ी चाहे तो अपने परिवार के लिए होटल में अलग ठहरने की व्यवस्था खुद कर सकता है। इसकी पूरी जिम्मेदारी उसे उठानी होगी। इसके लिए बीसीसीआई की ओर से कोई इंतजाम नहीं किया जाएगा। भारत टी-20 वर्ल्ड कप का सह-मेजबान है। बीसीसीआई का मानना है कि टीम को केवल पाकिस्तान से मुकाबले के लिए श्रीलंका जाना है। ऐसे में खिलाड़ियों को परिवार के साथ रहने की जरूरत नहीं है।

भारतीय पूर्व कप्तान ने नासिर हुसैन को लताड़ा, सूर्यवंशी का दिया उदाहरण

पुरानी ताकतों को भारत का दम देखना पच नहीं रहा: गावस्कर

मुंबई, एजेंसी

टी20 विश्वकप से पहले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शुरू हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा आखिरकार समाप्त हो गया। पाकिस्तानी सरकार ने पीसीबी और पाकिस्तान टीम से भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले एक फरवरी को पाकिस्तानी सरकार ने बांग्लादेश के समर्थन में ड्रामा करते हुए भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कारण करने का एलान किया था। नौ दिन के ड्रामे के बाद और आईसीसी के चाबुक के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े।

जब पाकिस्तान का यह ड्रामा शुरू हुआ था, तो कुछ क्रिकेट पंडितों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश को अपना समर्थन दिखाया था और भारत पर सवाल उठाए थे। इनमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी शामिल हैं। अब भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उन्हें करार जवाब देते हुए लताड़ा है। गावस्कर का कहना है कि पुरानी ताकतों को भारत का दम देखना पच नहीं रहा। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए नासिर हुसैन की जमकर खिंचाई की।

सुनील गावस्कर का पलटवार

सुनील गावस्कर ने इस टिप्पणी का सीधा नाम लिए बिना जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग, खासकर पुरानी ताकतें, यह पचा नहीं पा रही हैं कि अब विश्व क्रिकेट का पावर सेंटर भारत है।' उन्होंने कहा कि सवाल पूछने वाले यह भूल जाते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने पाकिस्तान जाने से काफी पहले ही मना कर दिया था। तब तक शेड्यूल भी जारी नहीं किया गया था और इसके बाद ही आईसीसी ने न्यूट्रल वेन्यू का इंतजाम किया था।

वैभव सूर्यवंशी वाला तंज : उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की विस्फोटक पारी का जिक्र करते हुए व्यंग्य किया। 'अब अगर देखें तो जो वैभव सूर्यवंशी ने किया, वही असली धौंस जमाना (बुलीइंग) है, न कि वो काल्पनिक बुलीइंग जो कुछ लोग देखते हैं।' यह टिप्पणी सीधे तौर पर उन आलोचनाओं पर वार थी, जिनमें भारत या बी सी सी आई को ताकत का गलत इस्तेमाल करने वाला बताया जा रहा था।

क्या बोले थे नासिर हुसैन?

'अगर भारत किसी टूर्नामेंट से एक महीने पहले कह देता कि हमारी सरकार हमें किसी देश में खेलने नहीं देगी, तो क्या आईसीसी उतना ही सख्त रहता? हर कोई सिर्फ एक चीज चाहता है, समानता।' नासिर ने यह भी जोड़ा कि भारत के पास पैसा है, ताकत है, लेकिन ताकत के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

2003 वर्ल्ड कप का उदाहरण

गावस्कर ने दोहरे मापदंड दिखाने के लिए 2003 विश्व कप की घटना याद दिलाई, जब इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे में खेलने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा, 'तब कोई सुरक्षा खतरा नहीं था, फिर भी इंग्लैंड ने खेलने से इनकार कर दिया और अंक छोड़ दिए। क्या आईसीसी ने कुछ किया? नहीं।

आईसीसी वोटिंग पर भी उठाया मुद्दा

गावस्कर ने यह भी याद दिलाया कि बांग्लादेश के मामले में आईसीसी बोर्ड की वोटिंग में पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर बाकी सभी ने उनके प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया था। इसके बावजूद निशाना सिर्फ भारत पर साधा गया।

गिल, बुमराह और जडेजा को ग्रेड ए में जगह मिली, बीसीसीआई की रिटेंशन लिस्ट जारी

रोहित-कोहली ग्रेड-बी पर खिसके

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को ए प्लस ग्रेड से डिमोट करके बी ग्रेड में डाल दिया है। बोर्ड ने सोमवार को 2025-26 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल प्लेयर्स की लिस्ट जारी की। ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया गया है।रोहित और कोहली के साथ बुमराह और जडेजा भी पिछले साल ए प्लस ग्रेड में शामिल थे। ताजा लिस्ट में इन दोनों को ग्रेड ए में शामिल रख गया है। वहीं, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ग्रेड ए में बरकरार रखे गए हैं। ग्रेड बी में टी-20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा 10 अन्य खिलाड़ियों को रखा गया है। ग्रेड सी में तिलक वर्मा और रिंकू सिंह समेत 17 खिलाड़ी हैं।बोर्ड ने रिटेन खिलाड़ियों को 3 ग्रेड में बांटा है। इनमें ए-बी और सी शामिल हैं। बोर्ड ने अभी तक नए ग्रेड मॉडल की सैलरी स्ट्रक्चर के बारे में कुछ नहीं कहा है। कुछ दिन पहले इसे बदलने की बात कही जा रही थी। पिछले साल ए प्लेस ग्रेड में शामिल प्लेयर्स को 7 करोड़ रुपए सालाना मिलते थे। वहीं, ग्रेड ए में 5 करोड़, ग्रेड बी में 3 करोड़ और ग्रेड सी में 1 करोड़ रुपए दिए जाते थे।

रोहित-कोहली को ग्रेड-ए से बाहर क्यों किया?

रोहित और कोहली अब केवल वनडे खेल रहे हैं। इस वजह से दोनों को ग्रेड बी में डाला गया है। दोनों दिग्गजों ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। उसके बाद मई 2024 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

मेंस कैटेगरी में 30 खिलाड़ियों को शामिल किया

मेंस कैटेगरी में 30 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ग्रेड ए में 3, ग्रेड बी में 11 और ग्रेड सी में 17 खिलाड़ी रखे गए हैं। जबकि, विमेंस कैटेगरी में 21 नाम शामिल हैं। ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया है। इसमें शामिल बुमराह-जडेजा ग्रेड ए में रखे गए हैं। जबकि, गिल ग्रेड में बरकरार हैं। वे पिछले साल भी इसी ग्रेड में थे। पिछले साल ग्रेड ए में शामिल केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत को ग्रेड बी में डिमोट किया गया है। इसमें सूर्यकुमार, कुलदीप, यशस्वी, सुंदर और अय्यर को जगह मिली है। ये सभी पिछले साल ग्रेड बी में रखे गए थे। ग्रुप सी में तिलक, रिंकू, शिवम, सैमसन, आकाश दीप, अर्शदीप, प्रसिद्ध कृष्णा, जुरेल, हर्षित राणा, चक्रवर्ती, नीतीश रेड्डी, अभिषेक शर्मा, रवि बिश्नोई और गायकवाड़ अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं।

नीदरलैंड ने नामीबिया को 7 विकेट से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 10वें मैच में नामीबिया पर 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम ने ग्रुप ए के मैच में 157 रन का टारगेट 18 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया।दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। पहले बैटिंग करते हुए नामीबिया ने 20 ओवर में 8 विकेट

156 रन बनाए।नीदरलैंड की ओर से बास डी लीडे ने 48 बॉल पर 72 रन की पारी खेली। जबकि कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स 18 रन पर नाबाद लौटे। कॉलिन एकरमैन ने 32 और माइकल लेविट ने 28 रन बनाए।नामीबिया की ओर से निकोल लोफ्टी-ईटन ने 42, जॉन फाइलिनक ने 30 और जेजे स्मिट ने 15 बॉल पर 22 रन बनाए। लोगान वैन बीक और बास डी लीडे ने 2-2 विकेट लिए। आर्यन दत्त और फ्रेड क्लासन को 1-1 विकेट मिला। विलेम मायबर्ग और रूबेन ट्रम्पेलमैन रन आउट हुए।

नीदरलैंड जीत से ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के नंबर-2 पर आया

इस जीत के साथ नीदरलैंड की टीम ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर आ गई है। टीम के पास दो मैच में एक जीत के साथ 2 अंक हैं। भारत और पाकिस्तान के पास भी 2-2 अंक हैं। भारत का नेट रन रेट नीदरलैंड से ज्यादा है, जबकि पाकिस्तान का नेट रन रेट कम है।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत-पाकिस्तान मैच होगा

श्रीलंका के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद मानी शहबाज सरकार, 15 फरवरी को मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। पाकिस्तान सरकार ने सोमवार रात अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। पोस्ट में बताया गया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने फोन कर भारत के खिलाफ मैच खेलने की अपील की थी। इसके अलावा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से मुकाबला खेलने की सिफारिश की थी।

दरअसल, बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर किए जाने के विरोध में पाकिस्तान ने 1 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का ऐलान किया था। हालांकि उसने टूर्नामेंट के बाकी मुकाबले खेलने पर सहमति जता दी थी।

पाकिस्तान सरकार ने कहा था- वर्ल्ड कप खेलेंगे, लेकिन भारत से नहीं

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी। सरकार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी वर्ल्ड टी20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा- एसएलसी

7 फरवरी को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से इस मैच पर दोबारा विचार करने की अपील की थी। इसके बाद श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को मेल लिखा। इसमें कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने से श्रीलंका क्रिकेट को आर्थिक नुकसान होगा और टूर्नामेंट की इमेज को भी नुकसान होगा। मेल पर श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पीसीबी से कहा कहा, हम भारत के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है तो हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा।

भारतीय टीम तय समय पर श्रीलंका जाएगी

टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर बीसीसीआई सूत्रों ने साफ किया है कि भारतीय टीम तय कार्यक्रम के अनुसार ही श्रीलंका दौरे पर जाएगी। टीम 15 फरवरी से पहले श्रीलंका पहुंचेगी और आईसीसी के सभी प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करेगी। हालांकि, मैच को लेकर अंतिम फैसला मैदान पर मौजूद मैच रेफरी द्वारा ही लिया जाएगा।

डी कॉक ने धोनी की बराबरी की

टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा डिसमिसल किए, मुन्से स्कॉटलैंड के टॉप स्कोरर

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में सोमवार को 3 मुकाबले में खेले गए। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक ने टूर्नामेंट इतिहास में सबसे ज्यादा डिसमिसल करने के मामले में महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली। वहीं बल्लेबाजी में स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुन्से अपनी टीम के लिए टॉप स्कोरर बन गए। टूर्नामेंट के पहले मैच में स्कॉटलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली को 73 रन से हरा दिया। दूसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे ने ओमान पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की। दिन के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने कनाडा को 57 रन से मात देकर अपने अभियान की शुरुआत की।

टी-20 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड की रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत- टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में स्कॉटलैंड ने रनों के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज कर ली। टीम ने इटली को 73 रन से हराया। इससे पहले उसका सबसे बड़ा जीत अंतर 2022 में आया था, जब टीम ने होबार्ट में वेस्टइंडीज को 42 रन से हराया था।

1. टी-20 वर्ल्डकप में किसी एसोसिएट टीम ने पहली बार 200+ रन बनाए

स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया। इटली के खिलाफ कोलकाता में टीम ने 4 विकेट पर 207 रन बनाए, जो किसी भी एसोसिएट टीम का पहला 200+ स्कोर है। इससे पहले हाईएस्ट टोटल का रिकॉर्ड यूएसए (197/3 बनाम कनाडा, 2024) के नाम था। एसोसिएट टीम यानी वे टीमें जो आईसीसी फुल मेंबर नहीं हैं।

मुन्से-जोन्स की स्कॉटलैंड के लिए टी-20 वर्ल्ड कप में हाईएस्ट पार्टनरशिप

टी-20 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स के नाम दर्ज हो गया है। दोनों ने ईडन गार्डन्स में पहले विकेट के लिए 126 रन जोड़े। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में स्कॉटलैंड की सबसे बड़ी पार्टनरशिप है।इससे पहले भी मुन्से-जोन्स की जोड़ी इंग्लैंड के खिलाफ 90* रन की ओपनिंग साझेदारी कर चुकी है, जो लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। वहीं दूसरी बड़ी साझेदारी में मैथ्यू क्रॉस-रिची बेरिंगटन (92 रन) और मुन्से-मैकमुलेन (89 रन) शामिल हैं।

टी-20 में पहली बार जिम्बाब्वे पेसर ने 9 विकेट लिए

कोलंबो में ओमान के खिलाफ जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाजों ने 9 विकेट लिए। यह पहली बार है जब टी-20 इंटरनेशनल में जिम्बाब्वे के तेज बॉलर्स ने एक पारी में 9 विकेट लिए हैं। इस मैच में रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी और ब्रैडली इवांस ने 3-3 विकेट झटके।

न्यूज बाइट्स

उपायुक्त की अध्यक्षता में जेएसएलपीएस की समीक्षा बैठक आयोजित

दुमका (नि. सं.)। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी सिलाई केंद्रों को नियमित रूप से चालू रखा जाए तथा उनके सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने जामा एवं दुमका प्रखंड के मईया सिलाई केंद्रों का संचालन बेहतर ढंग से करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में दीदी कैफे के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जिले में आयोजित होने वाले प्रत्येक पर्व-त्योहार के अवसर पर जेएसएलपीएस के स्टॉल अनिवार्य रूप से लगाए जाएँ, ताकि स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। बैठक में जानकारी दी गई कि पिछले एक माह में जिले में 48 दीदी की दुकानें खोली गई हैं। उपायुक्त ने दीदी ढाबा के विस्तार की दिशा में ठोस कार्य करने का निर्देश दिया, जिससे अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा सके। इसके अतिरिक्त जिले में स्ट्राबेरी की खेती की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई एवं इस क्षेत्र में नई पहल को आगे बढ़ाने पर बल दिया गया।

नपं चुनाव को लेकर महागामा के भाजपा कार्यालय में चिंतन-मंथन, एकजुट दिखे कार्यकर्ता

महागामा (गोड्डा) (नि. सं.)। आगामी नगर पंचायत चुनाव को लेकर महागामा के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में लगातार चिंतन और मंथन का दौर जारी है। चुनावी रणनीति को धार देने तथा संगठन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित बैठकों में पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुटता के साथ सक्रिय भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। बैठक के दौरान नगर पंचायत चुनाव से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, मतदाताओं तक पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को पहुंचाने तथा चुनावी अभियान को प्रभावी बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने सुझाव रखे पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अनुशासन और संगठनात्मक एकता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही नगर पंचायत चुनाव में सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। बैठक में कार्यकर्ताओं ने भी पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरने का संकल्प लिया। भाजपा कार्यालय में चल रहे इस चिंतन-मंथन से स्पष्ट है कि महागामा में पार्टी नगर पंचायत चुनाव को लेकर पूरी तरह कमर कस चुकी है और जमीनी स्तर पर संगठन को और धार याद देने की तैयारी में जुटी है। मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश झा, पोड़ैयाहाट भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष गोड्डा संजीव मिश्रा, मुरारी चौबे, अजय शाह, लाल बहादुर सिंह, पूर्व महागामा मंडल अध्यक्ष अभिषेक मंडल, महागामा मंडल अध्यक्ष सह नगर महागामा अशोक यादव, निक्की राय, रामदेव यादव, पप्पू ठाकुर, मुन्ना झा, महागामा नगर अध्यक्ष प्रत्याशी प्रबोध सोरेन सहित भाजपा के कार्यकर्तगण उपस्थित थे।

एसपी ने महागामा पुलिस निरीक्षक कार्यालय का किया निरीक्षण, दिये सख्त निर्देश

महागामा (गोड्डा) (नि. सं.)। जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने महागामा प्रभाग अंतर्गत पुलिस निरीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय के दैनिक कार्यों, लंबित कांडों तथा निष्पादित मामलों की गहन समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं समग्र कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी कांडों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। आम जनता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों को अनुशासन, जवाबदेही और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। साथ ही पुलिस और आम जनता के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करने पर विशेष बल दिया।

कृषि व पशुपालन विभागों की समीक्षा बैठक

योजनाओं को अभियान मोड में लागू करने के निर्देश

पशु वैक्सीनेशन, गुणवत्तापूर्ण बीज और वैकल्पिक खेती पर दिया गया विशेष जोर

बेहतर बीज और सही आपूर्ति से उत्पादन बढ़ाने व किसानों की आय मजबूत करने पर बल दिया गया।

निज संवाददाता | दुमका

मंगलवार को शाम करीब पांच बजे दुमका के समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन एवं भूमि संरक्षण विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विभागीय योजनाओं की अब तक की प्रगति की समीक्षा करना और आगामी कार्ययोजना को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। बैठक के दौरान उपायुक्त ने पशुपालन विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया कि पशु वैक्सीनेशन कार्य को अभियान मोड में संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पशुओं को समय पर टीकाकरण का लाभ मिल सके और संक्रामक बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

उन्होंने कहा कि पशुधन किसानों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है, इसलिए इसके संरक्षण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। कृषि विभाग को निर्देश दिया गया कि किसानों के बीच गुणवत्तापूर्ण और प्रमाणित बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने कहा कि बेहतर बीज और सही समय पर आपूर्ति से फसल उत्पादन में वृद्धि होगी, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। साथ ही किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति भी जागरूक करने पर जोर दिया गया। बैठक में वैकल्पिक खेती को बढ़ावा देने पर भी विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ नई और लाभकारी फसलों के प्रति प्रेरित किया जाए, ताकि जोखिम कम हो और आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित हो सकें।

भूमि संरक्षण विभाग से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए इसका लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे और सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य को करें पूर्ण : डीसी

निज संवाददाता | गोड्डा

अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक छात्रावासों के निर्माण को लेकर मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में प्रस्तावित अल्पसंख्यक छात्रावासों के निर्माण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त के द्वारा भूमि उपलब्धता, भवन निर्माण की प्रगति, प्रशासनिक स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति एवं बजट प्रावधान सहित अन्य आवश्यक पहलुओं पर जिला कल्याण पदाधिकारी, गोड्डा से जानकारी ली गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी चिन्हित स्थलों पर छात्रावास निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता ना किया जाए तथा सभी कार्य नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हों।

कहा कि अल्पसंख्यक छात्रों की शिक्षा एवं समग्र विकास जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और छात्रावासों के निर्माण से उन्हें सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ चुनावी जंग, अमिता रक्षित की जीत को लेकर भाजपा सक्रिय

निज संवाददाता | दुमका

नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को होटल सुविधा में भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल की अध्यक्षता में दुमका नगर परिषद प्रबंधन समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनाव को मिशन की तरह लड़ने का आह्वान किया। आदित्य साहू ने अपने संबोधन में कहा कि यह चुनाव केवल पद हासिल करने का नहीं, बल्कि नगर परिषद को भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और जनविरोधी कार्यशैली से मुक्त कराने का अवसर है। उन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन के संकल्प के साथ भाजपा के मैदान में उतरने की बात कही और संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। साहू ने कहा कि पन्ना प्रमुख और बूथ कमेटियों की सक्रियता ही जीत की कुंजी है और हर मतदाता तक पहुंचकर भाजपा समर्थित प्रत्याशी अमिता रक्षित की जीत सुनिश्चित करनी होगी।

बैठक में गोड्डा के पूर्व विधायक सह चुनाव प्रभारी अमित मंडल और पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने भी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती पर अपने विचार रखे। भाजपा समर्थित प्रत्याशी अमिता रक्षित की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाया। जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि पूरा जिला संगठन अनुशासन और एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतर चुका है और इस बार दुमका नगर परिषद में बदलाव तय है। बैठक में चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को होटल सुविधा में भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल की अध्यक्षता में दुमका नगर परिषद प्रबंधन समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनाव को मिशन की तरह लड़ने का आह्वान किया।

दुमका में सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साइबर अपराध से बचाव और एआई के नैतिक उपयोग पर दी गई विस्तृत जानकारी

निज संवाददाता | दुमका

मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से समाहरणालय स्थित जिला पंचायतीराज कार्यालय सभागार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित, जिम्मेदार और सजग इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बताया कि इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में ऑनलाइन लेनदेन, सोशल मीडिया उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सतर्कता बेहद जरूरी है। लोगों को अनजान लिंक, फर्जी कॉल, संदिग्ध ई-मेल और सोशल मीडिया पर होने वाली ठगी से बचने की सलाह दी गई। जागरूकता सत्र में सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। बताया गया कि बिना जांचे-परखे किसी भी जानकारी को साझा करना न केवल व्यक्तिगत नुकसान का कारण बन सकता है, बल्कि समाज में भ्रम फैलाने का माध्यम भी बनता है।

कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नैतिक उपयोग पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि एआई तकनीक का उपयोग विकास और सुविधा के लिए किया जाना चाहिए, न कि गलत सूचना फैलाने या किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की कि वे इंटरनेट का उपयोग सोच-समझकर करें और किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग या पुलिस को सूचना दें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल को उपयोगी और समयानुकूल बताया।

हूल विद्रोह के महान क्रांतिवीर शहीद चानकु महतो की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | गोड्डा

सदर प्रखंड अंतर्गत रंगमटिया गाँव में चानकु महतो के 210वीं जयंती के अवसर पर धूप दीप जलाकर व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि उनका जन्म 09 फरवरी 1816 को गोड्डा जिला के रंगमटिया गाँव में हुआ था और ब्रिटिश सरकार के हाथों 15 मई 1856 को गोड्डा राजकचहरी में सरेआम फांसी दी गई। इनके पिता का नाम कारू महतो उर्फ कालू महतो और माता का नाम बड़की माहताइन था। चानकू महतो ने संथाल हुल (1855-56) में सिद्धू-कान्हू को नेतृत्वकर्ता मानते हुए, विद्रोह का समर्थन कियें थें।

30 जून 1855 ई. को भगनीड़ीह (संथाल परगना जिलान्तर्गत राजमहल सबडिवीजन के दामीन इलाकों के मध्य बाराहाइत/बड़हैत के समीप स्थित मुर्मू बंधुओं का गाँव में 400 गाँवों के करीब 60 हजार संथाल, कुड़मि व अन्य आदिवासियों समेत स्थानीय लोग एकत्र हुए और हुल-हुल के एक स्वर से सशस्त्र विद्रोह का निर्णय लिया। इस सभा में सिदो मुर्मू को राजा, कान्हू को मंत्री, चाँद को प्रशासक तथा भैरव को सेनापति चुना गया। चालो जुलाहा, रामा गोप, राजवीर सिंह, बैजल बाबा, भागीरथ मांझी, बलुआ महतो आदि इनके प्रमुख साथी थे। चानकू महतो का नारा था- आपोन माटी, आपोन दाना, पेट काटी नाँय देब खजाना..!

उक्त कार्यक्रम में मौके पर हूल फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष संजीव कुमार महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य देवेंद्र कुमार महतो, शेखर मंडल, रजनीकांत महतो, मालेश्वर महतो, कुड़मी विकास मोर्चा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार महतो, हरेकृष्ण मेलर, संजीव कर्ण, जयप्रकाश सिंह, पंकज सिंह, जय कृष्ण दास, रघुवंश महतो, दीपक कुमार महतो, संदीप महतो, रमेश कुमार महतो, गौतम कुमार महतो, दिलीप महतो, दशरथ महतो, सोनू महतो, प्रेमलता महतो सैकड़ो महिला पुरुष उपस्थित हुए।

गांगटा चौक में ज्वेलर्स के ऊपर बने आवास से दो लाख की चोरी, तीसरी मंजिल चढ़कर वारदात

निज संवाददाता | गोड्डा

बीच बाजार, भीड़-भाड़, दुकानों की लगातार चहल-पहल और नियमित पुलिस गश्ती के बीच भी अगर कोई अपने घर को पूरी तरह सुरक्षित मान ले, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। गोड्डा शहर के गांगटा चौक स्थित उत्तम ज्वेलर्स के ऊपर बने आवास में सोमवार देर रात हुई चोरी की घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी है। चोरों ने पूरी बेखौफी के साथ तीसरी मंजिल तक चढ़कर इस वारदात को अंजाम दिया और करीब दो लाख रुपये नकद के साथ कीमती सामान चोरी कर लिया, जबकि आसपास किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर के सभी सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे।

देर रात चोरों ने मौका पाकर घर में प्रवेश किया और अलमारी व बक्सों को खंगालते हुए नकदी व आभूषण लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला। अलमारी और बक्से खुले देख परिजनों के होश उड़ गए। इसके बाद तुरंत आसपास के लोगों को जानकारी दी गई और पुलिस को सूचना दी गई। घटना की खबर फैलते ही गांगटा चौक और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया और लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि गांगटा चौक गोड्डा शहर का सबसे व्यस्त इलाका माना जाता है, जहां दिन ही नहीं बल्कि देर रात तक भी आवाजाही बनी रहती है। ऐसे इलाके में इस तरह की चोरी की घटना होना यह साबित करता है कि चोरों के हौसले बुलंद हैं और उन्हें पुलिस गश्ती का भी कोई डर नहीं है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंता और भय दोनों बढ़ गए हैं।

इंस्टाग्राम इश्क महिला को आंध्र प्रदेश तक ले गया, पुलिस ने सकुशल लौटाया

निज संवाददाता | दुमका

सोशल मीडिया पर शुरू हुई एक दोस्ती कब जिंदगी का सबसे बड़ा फैसला बन जाए, इसका अंदाजा सरैयाहाट थाना क्षेत्र के तिलकपुर गांव की इस घटना से लगाया जा सकता है। इंस्टाग्राम पर पनपा प्यार तीन बच्चों की मां को सैकड़ों किलोमीटर दूर आंध्र प्रदेश तक ले गया, जहां सपनों की दुनिया हकीकत से टकराकर चकनाचूर हो गई।

जानकारी के अनुसार तिलकपुर गांव निवासी 30 वर्षीय सुमा देवी 12 जनवरी को अचानक घर से लापता हो गई थी। घर में तीन छोटे बच्चे और पति निरंजन मंडल बदहवास रह गए। पति ने सरैयाहाट थाना में आवेदन देकर पत्नी की तलाश की गुहार लगाई थी। उसने बताया कि उसकी पत्नी लंबे समय से इंस्टाग्राम के जरिए एक युवक के संपर्क में थी, जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच कई बार विवाद भी हुआ था। बताया जाता है कि ऑनलाइन बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। युवक ने महिला को सुख-सुविधाओं से भरी जिंदगी के सपने दिखाए और उन्हीं सपनों के सहारे वह घर छोड़कर आंध्र प्रदेश चली गई।

महिला विशाखापट्टनम होते हुए मछलीपट्टनम शहर पहुंची, जहां प्रेमी की असल जिंदगी सामने आई। वह झोपड़ी में रहता था और दिहाड़ी मजदूरी करता था। मोबाइल पर दिखाए गए सपनों और जमीन की सच्चाई में जमीन-आसमान का फर्क था। इधर गांव में महिला के गायब होने से परिवार की हालत बिगड़ती जा रही थी। बच्चों की आंखें मां को ढूंढ रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। थाना प्रभारी राजेंद्र यादव के नेतृत्व में एएसआई जय प्रकाश तिवारी और पुलिस पदाधिकारी पूजा कुमारी को आंध्र प्रदेश भेजा गया।

कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने मछलीपट्टनम से महिला को सकुशल बरामद कर सरैयाहाट थाना लाया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे परिजनों को सौंप दिया गया। यह घटना सोशल मीडिया पर बनते रिश्तों की सच्चाई और उसके खतरनाक पहलू को उजागर करती है, जहां मोबाइल स्क्रीन पर दिखने वाला प्यार असल जिंदगी में अक्सर धोखा साबित होता है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है, वहीं गांव और आसपास के इलाकों में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

सिदो कान्हू उच्च विद्यालय में सीबीएसई परीक्षार्थियों के लिए मार्गदर्शन सेमिनार आयोजित

निज संवाददाता | दुमका

सिदो कान्हू उच्च विद्यालय, दुमका के प्रशांत मुखर्जी मल्टीपरपस हॉल में मंगलवार को कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए सीबीएसई बोर्ड परीक्षा को लेकर एक मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य 17 फरवरी से प्रारंभ होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को मानसिक रूप से तैयार करना और परीक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और पूरे आयोजन के दौरान गंभीरता व अनुशासन का माहौल बना रहा।

सेमिनार को संबोधित करते हुए विद्यालय के सचिव प्रदीप्त मुखर्जी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, लेकिन इसे डर या दबाव के रूप में नहीं लेना चाहिए। सही तैयारी, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य इंद्रजीत प्रसाद भगत ने परीक्षा के दौरान तनाव से दूर रहने, समय प्रबंधन और उत्तर लेखन की सही तकनीक पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर ही उत्तर लिखें और समय का संतुलित उपयोग करें। तकनीकी सत्र में परीक्षा नियंत्रक अभय आनंद ने प्रोजेक्टर के माध्यम से ओएमआर शीट भरने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि ओएमआर शीट में की गई छोटी-सी गलती भी परिणाम को प्रभावित कर सकती है, इसलिए प्रत्येक कॉलम को सावधानीपूर्वक और निर्देशों के अनुसार भरना आवश्यक है। इस दौरान छात्रों से अभ्यास भी कराया गया और उनकी शंकाओं का समाधान किया गया, ताकि वास्तविक परीक्षा के समय किसी प्रकार की तकनीकी परेशानी न हो।

इंडियन पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल हुए पंकज मिश्रा

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत ललमटिया के मौलाना मोईनुल हक फैजी द्वारा संचालित इंडियन पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर साहेबगंज जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, बोरियो विधानसभा के पूर्व विधायक ताला मरांडी, साहेबगंज झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, गोड्डा झामुमो जिला अध्यक्ष प्रेमनंदन मंडल, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा, साहेबगंज युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अली, एजाज अंसारी, गोड्डा जिला युवा मोर्चा सह सचिव निसार अहमद, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकमल, साहबान अंसारी, रिजवान अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वार्षिक समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों का मन मोह लिया। अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा को समाज के विकास की आधारशिला बताया।

कार्यक्रम संपन्न होने के बाद लौटने के क्रम में झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, जिला परिषद अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, पूर्व विधायक सहित अन्य नेताओं ने बोरियो चौक पर रुककर चाय की चुस्की ली और स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान बोरियो प्रखंड सचिव गफ्फार अंसारी, शकील अंसारी, रिजवान अंसारी, एजाज अंसारी, कैसर परवेज, जहांगीर अंसारी, मैनुअल अंसारी सहित कई झामुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे।